THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 54 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.8/9 2080 शनिवार, 13 मई 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'गद्दार क्यों जश्न मना रहे थे'

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद एकनाथ शिंदे पर बरसे उद्धव

मुंबई, 12 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में पिछले एक साल से शिवसेना और सत्ता की लड़ाई को लेकर आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मुहर लगा दी। कोर्ट ने उद्धव ठाकरे की सरकार को फिर बहाल करने से इनकार कर दिया। इस पूरे मामले को लेकर उद्धव ठाकरे ने काफी कुछ कहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर जमकर हमला किया है। उद्धव ठाकरे का कहना है कि उन्होंने नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दिया था, एकनाथ शिंदे को भी ऐसा करना चाहिए। वहीं उन्होंने कुछ नेताओं को गद्दारों की श्रेणी में भी रखा। उन्होंने कहा, " बाला साहेब ने जो शिवसेना मराठी

मानुष, हिंदुत्व के लिए बनाई, वो आज शिवसेना गद्दारों के जरिए बीजेपी के साथ चली गई। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों का चेहरा देश के सामने रख दिया है।"

'गद्दारों ने उत्सव क्यों मनाया'

उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, "मैं सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने गद्दारों का चेहरा देश के सामने रखा। कल बीजेपी ने उत्सव मनाया समझ में आता है लेकिन गद्दारों ने उत्सव मनाया ये समझ में नहीं आया।" विधानसभा स्पीकर पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा, "सुप्रीम कोर्ट में निर्णय स्पीकर के पास दिया। पहले स्पीकार हमारे साथ थे, फिर एनसीपी में चले गए और अब बीजेपी में हैं। उन्हें दल बदलकर निकालने का तरीका पता है।" अपने इस्तीफा देने के फैसले पर बोलते हुए ठाकरे ने कहा, "आज मैं अपने फैसले को लेकर संतोष व्यक्त करता हूं। जिन्होंने विश्वासघात किया है वो सरकार बनाएं। मैं ऐसी स्थिति में सीएम नहीं बना रहना चाहता था और नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दिया। एकनाथ शिंदे को भी इसी आधार पर इस्तीफा देना चाहिए।" वहीं, पीएम मोदी को लेकर उन्होंने कहा, "पीएम से राजनैतिक मतभेद हैं लेकिन उन्हें कहना चाहता हूं कि जो नंगा नाच चल रहा है उससे उनकी भी बदनामी हो रही है।"

4 साल की मासूम के साथ स्कूल में खेलते वक्त छेड़खानी, मूंछ वाले आरोपी का पता लगाने में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में चार साल की मासूम बच्ची से छेड़खानी की घटना हुई है। चार साल की मासूम बच्ची के साथ छेड़खानी की ये घटना स्कूल में हुई जहां वह पढ़ने जाती है। पीड़ित बच्ची के परिजनों की शिकायत पर साउथ रोहिणी की पुलिस ने केस दर्ज कर तहकीकात शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक चार साल की एक बच्ची साउथ रोहिणी थाना क्षेत्र के एक स्कूल में पढ़ती है। परिजनों की ओर से 10 मई के दिन पुलिस को दी गई शिकायत में कहा गया है कि 9 मई को बच्ची के साथ मोलेस्टेशन की घटना हुई।

पेट में तस्करी कर भारत लाया था सोना

कस्टम विभाग को हुआ शक, मल के रास्ते निकलवाया

मुंबई, 12 मई (एजेंसियां)। विदेशों से भारत आने वाले तस्कर अक्सर ड्रग स्मगलिंग के लिए अनोखे तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कभी-कभी भारत का कस्टम विभाग उनसे भी एक कदम आगे निकल जाता है। ऐसा ही एक मामला बीते दिनों देखने को मिला है। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने पेट में सोना छिपाकर लाए एक यात्री को अरेस्ट कर लिया। दरअसल मुंबई एयरपोर्ट पर इंतिजार अली नाम का ये यात्री अपने पेट में सोना छिपाकर लाया था। कस्टम विभाग को शक था की आरोपी के पास अवैध तरीके से लाए गए गोल्ड हैं, लेकिन अधिकारियों को उनके पास छिपाया गया गोल्ड नहीं मिल रहा था। लेकिन कड़ी पूछताछ और जांच के दौरान आरोपी इंतिजार ने प्लास्टिक की पन्नी में बंद सोने के 7 टुकड़े (240 ग्राम) निगलने की बात कबूल कर ली। इसके बाद पुलिस आरोपी को लेकर जेजे अस्पताल गई जहां एक्सरे ने उनके दावे की पुष्टि की। जेजे अस्पताल में सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ। अजय भंडारवार के नेतृत्व में एक टीम ने आरोपी को हाई फाइबर फूड पर रखा, जिसमें उसको हर रोज एक दर्जन केले और दही दिया गया। जिससे मल के रास्ते उसके पेट में छिपाए गए सोने के सभी सात टुकड़े बरामद कर लिए गए। हैरान कस्टम विभाग के अधिकारियों ने बताया अब तक मादक पदार्थों की तस्करी के दौरान ऐसे तौर-तरीके इस्तेमाल किए जाते थे लेकिन सोने की तस्करी के लिए इस तौर-तरीके का इस्तेमाल कम ही होता आया था। पुलिस ने बताया वह आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्यवाही कर रहे हैं। कस्टम विभाग ने कहा, ड्रग्स तस्करी करने वाले तस्कर देश में अवैध तरीके से लाए सामान को छिपाने के लिए अनोखे बैग, सूटकेस में बनी कैविटी, कपड़ों में अलग अलग बने पॉकेट सहित कई अनोखे तौर तरीकों का इस्तेमाल करते हैं।

तिहरे हत्याकांड से पिथौरागढ़ में सनसनी युवक ने परिवार के तीन लोगों का किया कत्ल

पिथौरागढ़, 12 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में तिहरे हत्याकांड सनसनी फैल गई। एक युवक ने परिवार के तीन सदस्यों का बेहरमी से कत्ल कर दिया। पुलिस मौके पर पहुंच गई है। मामले की जांच की जा रही है। जिले के गंगोलीहाट तहसील क्षेत्र में एक युवक ने अपनी ताई, ताई की बेटी और बहू की हत्या कर दी। इस तिहरे हत्याकांड से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मामला बुरसम गांव का बताया जा रहा है। आरोपी संतोष राम हत्या करने के बाद फरार है। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह मिली। तिहरे हत्याकांड की सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग खुला, श्रीनगर-लेह राजमार्ग और मुगल रोड बंद

जम्मू, 12 मई (एजेंसियां)। श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार सुबह 6 बजे से ही हल्के वाहनों को जम्मू से श्रीनगर तथा श्रीनगर से जम्मू की ओर रवाना किया जा रहा है। हल्के वाहनों के गुजरने के बाद ही भारी वाहनों को जम्मू से श्रीनगर की ओर रवाना किया जाएगा और इसके बाद सुरक्षा बलों के वाहनों को जाने की अनुमति दी जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि तय समय के बाद किसी भी वाहन को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा श्रीनगर-लेह राजमार्ग तथा मुगल रोड बर्फबारी के चलते यातायात के लिए बंद है। दोनों मार्गों से बर्फ को हटाने का कार्य जारी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही दोनों मार्गों को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा।

मथुरा रोड स्थित डीपीएस स्कूल में बम रखे जाने की फिर मिली सूचना, पुलिस में मचा हड़कंप

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों में बुधवार शाम को उस समय हड़कंप मच गया जब मथुरा रोड स्थित डीपीएस पब्लिक स्कूल में बम रखे होने की मेल के जरिए सूचना मिली। मेल में कहा गया था कि स्कूल में 12 मई को सुबह 11 बजे बम धमाका हो जाएगा। सूचना के बाद सुरक्षा एजेंसी व दिल्ली पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्कूल में तलाशी अभियान शुरू किया गया। करीब दो घंटे के बाद इस सूचना को झूठा करार दे दिया गया। जांच में पता चला है कि जिस मेल आईडी से बम रखे होने की सूचना दी गई है, स्कूल के ही एक छात्र की है। हालांकि पूछताछ में छात्र ने किसी तरह का मेल भेजने से इनकार किया है। दक्षिण पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। पिछले महीने भी इसी स्कूल में बम रखे होने की सूचना मिली थी। यह दूसरी बार है जब स्कूल में बम रखे होने की झूठी सूचना दी गई है।

शांतिनिकेतन को यूनेस्को की 'विश्व विरासत सूची' में शामिल करने की सिफारिश

कोलकाता, 12 मई (एजेंसियां)। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के शांति धाम शांतिनिकेतन को यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर की सलाहकार संस्था इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स(आईसीओएमओएस) ने विश्व विरासत सूची में शामिल करने की सिफारिश की है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री किशन रेड्डी ने कहा, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर भारत के लिए अच्छी खबर है। पश्चिम बंगाल में शांतिनिकेतन को यूनेस्को विश्व विरासत केंद्र के सलाहकार निकाय, आईसीओएमओएस द्वारा विश्व विरासत सूची में शामिल करने की सिफारिश की गई है। श्री रेड्डी ने कहा कि यह दुनिया को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत दिखाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है। सितंबर 2023 में सऊदी अरब के रियाद में होने वाली विश्व विरासत समिति की बैठक में औपचारिक रूप से इसकी घोषणा की जाएगी। पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, पश्चिम बंगाल के लोगों और गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर जी के अनुयायियों की ओर से माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभारी हूं। यह श्री मोदी की दुनिया भर को पश्चिम बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दिखाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।यह सिफारिश इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स (आईसीओएमओएस) द्वारा की गई थी, जो यूनेस्को विश्व विरासत केंद्र के लिए सलाहकार निकाय है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

उग्रवादी गुटों के साथ मुठभेड़ में एक कमांडो शहीद, पांच घायल

इंफाल, 12 मई (एजेंसियां)। मणिपुर के ट्रोंगलाबी बिष्णुपुर जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों और संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ घटना सामने के आई है. इस हिंसा में एक हिरेन नामक एक पुलिस कमांडो की मौत हो गई है, जबकि पांच लोग घायल हो गए है. यह घटना इंफाल के पुखाओं क्षेत्र में हुई है. सूत्रों के अनुसार इस घटना के पीछे उग्रवादी समूहों के शामिल होने का संदेह बताया जा रहा है.घटना सुबह 10 बजे के पास की बताई जा रही है. जानकारी के अनुसार मणिपुर पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ उग्रवादी पहाड़ी इलाके में छिपे हुए है. जिसके बाद

पुलिस मौके पर पहुंची तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग कर दी. मणिपुर पुलिस ने हमलावरों को पकड़ने के लिए इलाके में अतिरिक्त फोर्स को भेजा है. मणिपुर में सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की ये दूसरी घटना है. यह हमला असम राइफल्स के एक जवान के घायल होने के बाद हुआ है, बुधवार को अर्धसैनिक बल के एक स्तंभ पर गोलीबारी की थी.

3 मई से हिंसा की आग में जल रहा है मणिपुर

घटना में घायल हुए कार्मियों को अस्पताल ले जाया गया, वहीं बदमाश मौके से फरार हो गए. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मणिपुर 3 मई से हिंसा की आग में जल रहा है. राज्य सरकार के आकंडों के अनुसार इस हिंसा में अब तक 60 लोगों की मौत हो चुकी है. वहीं सरकार ने विवाद को बढ़ता देख शहर में कफ्यू की घोषणा कर दी थी. इसी बीच एक बड़ी खबर सामने है. जानकारी के अनुसार हिंसा के चलते आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि देखने को मिल रही है. कुछ दिनों पहले तक 100 रुपए में मिलने वाले पेट्रोल की कीमत 300 रुपए तक पहुंच गई है. वही सब्जियों के दामों में बढ़ी बढ़ोतीरी देखे को मिल रही. इस बीच मणिपुर पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने सरकार से मांग की है वो डील में कुछ छूट दें.

पुलिस ने गुजरात जा रहे दूध के ट्रक से 36.96 लाख रुपये की शराब जब्त की

धार, 12 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार जिले में इंदौर-अहमदाबाद मार्ग पर पुलिस ने एक प्रमुख डेयरी ब्रांड का दूध गुजरात ले जा रहे ट्रक में छिपाकर रखी गई 36.96 लाख रुपये मूल्य की अवैध शराब की 290 पेटियां जब्त कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) देवेंद्र धुर्वे ने यहां संवाददाताओं को बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि गुजरात की एक प्रमुख डेयरी ब्रांड के दूध से लदे ट्रक का इस्तेमाल हरियाणा से पड़ोसी राज्य गुजरात में शराब ले जाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम ने नौगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गतएक पेट्रोल पंप के पास ट्रक को रोका और तलाशी के दौरान उसमें शराब की 290 पेटियां मिली, जिसकी कीमत 36.96 लाख रुपए है। धुर्वे ने कहा कि इन पेटियों को ट्रक में विशेष रूप से बनाए गए खांचों में छिपाया गया था। उन्होंने कहा," इस मामले में हमने इस ट्रक से राजस्थान के हनुमान राम (31) और हरियाणा के अजीत शर्मा (42) को गिरफ्तार किया है।" उन्होंने कहा कि पुलिस ने शराब एवं ट्रक को जब्त कर लिया है।

सलमान खान कल ममता बनर्जी से करेंगे मुलाकात

करेंगे लाइव शो; सुरक्षा के कड़े इंतजाम

कोलकाता, 12 मई (एजेंसियां)। बॉलीवुड के 'सुल्तान' सलमान खान 13 मई को कोलकाता आ रहे हैं. वह ईस्ट बंगाल ग्राउंड में 'दबंग द टूर रीलोडेड' नाम के एक कार्यक्रम में शिरकत करने वाले हैं. कोलकाता आने के बाद सलमान खान ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मिलने की योजना बनाई है. प्राप्त जानकारी के अनुसार कोलकाता आने के बाद सलमान खान कालीघाट स्थित ममता बनर्जी के आवास पर जाकर उनसे मुलाकात करेंगे. बता दें कि फिल्म स्टार शाहरूख खान को ममता बनर्जी ने बंगाल का ब्रांड एम्बेस्डर बनाया है. वह इसके पहले कई बार ममता बनर्जी से मुलाकात कर चुके हैं और हाल में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दौरान भी अमिताभ बच्चन के साथ उपस्थित थे.

सलमान खान कोलकाता में ममता बनर्जी से करेंगे मुलाकात

टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने ट्वीट किया, "सलमान खान 13 मई को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के घर जाएंगे. सलमान खान उनसे मिलने के बाद ईस्ट बंगाल मैदान में मेगा शो करेंगे." अभिनेता सलमान खान करीब 14 साल बाद कोलकाता आ रहे हैं. सलमान के आगमन को लेकर उनकी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं. उनके साथ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी. कोलकाता पुलिस भी सतर्क है. विशेष इंतेजाम किये गये हैं. सलमान खान कोलकाता में भी कड़ी पुलिस सुरक्षा में रहेंगे. हाल के दिनों में उन्हें जान से मारने की इतनी धमकियां मिली हैं कि कई कारणों से सलमान की कोलकाता यात्रा में देरी हुई. इसके पहले कार्यक्रम निर्धारित था, लेकिन वह रद्द कर दिया गया था.

सलमान खान दबंग, द टूर रीलोडेड' कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

सलमान खान को ईस्ट बंगाल के अधिकारियों ने आमंत्रित किया है. सलमान के इस इवेंट में बॉलीवुड के कई सितारे शामिल होंगे. प्राप्त जानकारी के अनुसार सलमान के कार्यक्रम में उनके साथ जैकलीन फर्नांडीज, कैटरीना कैफ, सोनाक्षी सिन्हा, पूजा हेगड़े, प्रभुदेवा, गुरु रंधावा और कई अन्य भी उपस्थित रहेंगे. सलमान का 'दबंग, द टूर रीलोडेड' शो शनिवार शाम 6 बजे से ईस्ट बंगाल ग्राउंड में शुरू होगा. सलमान ने कोलकाता दौरे के बारे में एक वीडियो बनाया और उसे लेकर ट्वीट भी किया है. कोलकाता दौरे को लेकर भाईजान के फैन्स काफी एक्साइटेड हैं. सलमान खान का कोलकाता में बहुत दिनों के बाद लाइव शो होगा. सलमान के शो की टिकट की न्यूनतम कीमत 699 रुपये से लेकर 4000 रुपए तक की हैं.

आईएसआई की शह पर पाक ड्रग्स माफ़िया के लिए काम करने वाले 3 भारतीय नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस यूनिट ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की शह पर पाकिस्तान ड्रग्स माफ़िया के लिए काम करने वाले तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली के सराय काले खां इलाके से पाकिस्तान के इन मददगारों की गिरफ्तारी हुई है। इन आरोपियों में मलकीत सिंह और हरपाल सिंह पंजाब के तरनतारन तथा धर्मेंद्र सिंह अमृतसर का रहने वाला है। स्पेशल सेल के मुताबिक पकड़े गए सभी आरोपी लंबे समय से ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से पंजाब आ रही ड्रग्स की खेप को पंजाब और भारत के अन्य राज्यों में सप्लाई कर रहे थे, जिसके बदले पाकिस्तान को मोटा पैसा हवाला के जरिए मिल रहा था। गिरफ्तारी आरोपियों के पास से हथियार और कारतूस भी बरामद किए गए हैं। बताया जाता है कि इन आरोपियों के लिंक यूएसए और फिलीपींस तक फैले हैं। गिरफ्त में आए दो आरोपी पंजाब से भगोड़े घोषित थे।ये आरोपी बड़े पैमाने पर साल 2010-2011 से पाकिस्तान से आने वाली हेरोइन को भारत में सप्लाई करते थे और बदले में मोटा पैसा हासिल करते थे। वहीं ड्रोन के जरिए पाक से आने वाली ड्रग्स की इन खेप का पैसा भी हवाला के जरिए पहुंच रहा था। पकड़े गए तीनों आरोपी आतंकी रिन्दा के एक मिडल मेन के जरिए इस काम में जुड़े थे, हालांकि अब तक ये साफ नहीं हो पाया है कि रिन्दा का वो करीबी कौन है। पकड़े गए आरोपियों के फोन से फिलीपींस और यूएसए के कई फोन नंबर मिले हैं।

अस्पताल में मच्छर काटने से मौत दुर्घटना नहीं

कलकत्ता एचसी ने खारिज की याचिका

कोलकाता, 12 मई (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने दुर्घटना बीमा के दावे के एक मामले में आदेश जारी किया है कि अस्पताल में मच्छर के काटने से होने वाली मौत को भारत में "दुर्घटना" नहीं कहा जा सकता है और वह बीमा से मिलने वाले मुआवजा का हकदार नहीं होगा। कलकत्ता उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति मौसमी भट्टाचार्य चित्रा मुखर्जी अपने बेटे सेना के जवान की घुटने की सर्जरी के बाद गुर्दे की बीमारी सहित जटिलताओं के लिए इलाज के दौरान डेंगू से मृत्यु के बाद उसकी मां द्वारा दायर याचिका की सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। अदालत ने अपने बेटे की मौत के लिए एक महिला की याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि अस्पताल में मच्छर के काटने के बाद हुए डेंगू से अन्य जटिलताओं के अलावा हुई मौत को एक दुर्घटना के रूप में माना जाना चाहिए। बता दें कि याचिकाकर्ता के बेटे की दिसंबर 2021 में अलीपुर में कमांड अस्पताल में मौत हो गई थी। उसे मौत के आठ दिन पहले डेंगू हो गया था। उसके मृत्यु प्रमाणपत्र में मृत्यु का कारण डेंगू तथा अन्य रोगों को करार दिया गया था। मृतक की मां चित्रा मुखर्जी ने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को एक दुर्घटना बीमा का दावा दायर किया, लेकिन अगले साल सितंबर में इस आधार पर खारिज कर दिया गया कि मृत्यु का कारण गैर-दुर्घटना थी। इसके खिलाफ मृतक की मांग ने कोर्ट में मामला दायर किया। चित्रा ने तर्क दिया था कि मच्छर के काटने को एक दुर्घटना के रूप में माना जाना चाहिए, क्योंकि यह अस्पताल में हुआ था। जहां यह अप्रत्याशित था। उसने यह भी कहा था कि सेना के जवानों की बीमा पॉलिसियों को नागरिकों की तुलना में अलग तरह से व्यवहार किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने कहा कि बीमा कंपनी के इनकार को "मनमाना या अनुचित" के रूप में नहीं देखा जा सकता है, न ही बीमा पॉलिसी इसे अनुमति देती है। न्यायमूर्ति मौसमी भट्टाचार्य ने बुधवार को कहा कि अस्पताल में मच्छर के काटने को दुर्घटना नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने इसी तरह के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट के 2019 के फैसले का भी जिक्र किया। उस उदाहरण में जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और हेमंत गुप्ता की पीठ ने एक राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के आदेश को ठुकरा दिया था, जिसमें मच्छर के काटने को एक दुर्घटना माना गया था।

महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपी

बृजभूषण दिल्ली पुलिस के सामने पेश, एसआईटी करेगी जांच

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। महिला पहलवानों से यौन शोषण के आरोपी भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह दिल्ली पुलिस के सामने पेश हुए। दिल्ली पुलिस ने बृज भूषण का बयान दर्ज किया है। इसके साथ ही उनसे कुछ दस्तावेज भी मांगे हैं। दोबारा जरूरत होने पर फिर से बयान दर्ज होंगे। सूत्रों के मुताबिक बृजभूषण शरण सिंह ने पुलिस के सामने दिए बयान में अपने ऊपर लगे आरोपों को नकारा है।

एसआईटी के सामने दर्ज कराया बयान

बृजभूषण शरण सिंह ने दिल्ली पुलिस की एसआईटी के सामने अपना बयान दर्ज कराया है। दिल्ली पुलिस ने महिला पहलवान के आरोपों की जांच के

लिए महिला डीसीपी की निगरानी में 10 सदस्यीय विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है। सूत्रों के मुताबिक बृजभूषण का दो बार बयान दर्ज हुआ है। बृज भूषण शरण के अपनी सफाई में कुछ वीडियो सबूत और मोबाइल डाटा जमा करने की बात कही गई है। बहुत जल्द एसआईटी दोबारा बृजभूषण से पूछताछ कर सकती है।

कई राज्यों से जुटाए गए सबूत

दिल्ली पुलिस की टीम पहलवानों की शिकायत पर उत्तर प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, हरियाणा में सबूत जुटाने के लिए गई थी। देश के बाहर विदेशों में जो आरोप लगे हैं, दिल्ली पुलिस वहां भी संबंधित एजेंसीज के संपर्क में है। बृजभूषण शरण सिंह के अलावा भारतीय कुश्ती महासंघ के असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर के भी बयान दर्ज किए गए। महिला की शिकायत पर दर्ज दिल्ली पुलिस की एफआईआर में विनोद तोमर भी आरोपी हैं।

बृजभूषण पर क्या हैं आरोप ?

भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ 7 महिला पहलवानों ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। इन पहलवानों की शिकायत पर दिल्ली के कनॉट प्लेस थाने में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मुकदमा लिखा गया है। पीड़ितों में एक नाबालिग भी है, जिसके मामले में सिंह के खिलाफ यौन अपराधों से बाल संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत केस दर्ज हुआ है। बृजभूषण शरण के खिलाफ पुलिस एफआईआर दर्ज करवाने के लिए पहलवानों को सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा था। वहीं, बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों का धरना जारी है। विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक समेत देश के नामी पहलवान बीती 23 अप्रैल से धरने पर बैठे हुए हैं। पहलवानों का कहना है कि जब तक न्याय नहीं मिलता वे नहीं उठेंगे।

दयानंद अस्पताल में मरीजों से मांगी जा रही है रिश्वत, पीड़ितों ने महापौर को सुनाई आपबीती

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। एमसीडी के शाहदरा स्थित स्वामी दयानंद अस्पताल में मरीजों व उनके परिजनों से स्टाफ और गार्ड रिश्वत मांगते हैं। इसका खुलासा बृहस्पतिवार को महापौर के अस्पताल में पहुंचने पर हुआ। इस दौरान महापौर को मरीजों व उनके परिजनों ने पूरे प्रकरण से अवगत कराया। इसके अलावा महापौर मरीजों व उनके परिजनों से रिश्वत मांगने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कड़ा कदम उठाने का निर्णय लिया। महापौर डा। शैली ओबराय ने बृहस्पतिवार को शाहदरा स्थित स्वामी दयानंद अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान मरीजों व उनके परिजनों ने उनको बताया कि अस्पताल का स्टाफ और गार्ड उनसे रिश्वत मांगते हैं। इससे नाराज होकर महापौर ने निर्देश किए कि यदि कोई अनुचित रूप से पैसे मांगता है तो उसकी शिकायत चिकित्सा अधीक्षक या हमसे करें। इस प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर तुरंत प्रभाव से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों एक डॉक्टर पर लोगों ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। उनके बारे में एमएस से रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सिरसा में सरपंचों पर भड़की सांसद सुनीता दुग्गल बोलीं- किसान आंदोलन में मेरी गाड़ी तोड़ते रहे

हिसार, 12 मई (एजेंसियां)। हरियाणा सीएम मनोहर लाल के 13 से 15 मई तक सिरसा में होने वाले जनसंवाद कार्यक्रम को लेकर सांसद सुनीता दुग्गल लोगों को न्योता दे रही हैं। सांसद का एक वीडियो सामने आया है कि जिसमें उनकी सरपंच एसोसिएशन के पदाधिकारियों से बहस हो रही है। सांसद ने उनकी खिंचाई भी की और अपने दिल की भड़ास भी निकाली। सुनीता दुग्गल ने कहा कि मैं एकमात्र महिला सांसद हूं। किसान आंदोलन में आप लोग मेरी गाड़ी को डंडे से तोड़ते रहे, फिर कह रहे हो कि गांव में नहीं आए। मैं अपनी गाड़ी पर निशान दिखा सकती हूं। अपने साथ वालों से पूछो, विरोध प्रदर्शन का कोई तरीका होता है, मैने आपका क्या बिगाड़ा था?, जो आप लोगों ने मेरी गाड़ी तोड़ दी। दरअसल, सिरसा की सरपंच एसोसिएशन सीएम मनोहर लाल के जनसंवाद कार्यक्रम का विरोध कर रही है। बीते दिन बड़ागुढ़ा में सांसद और सरपंच एसोसिएशन का आमना सामना हो गया। सांसद के समक्ष सरपंच एसोसिएशन के प्रधान जसकरण सिंह ने कहा कि काम नहीं हो रहे। सांसद ने कहा कि आज 29 करोड़ की लागत से 46 प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। आप लोग गांव का विकास चाहते हो या ये चाहते हो कि सरपंच के हाथ में सारी पॉवर हो। राज्य महिला उपप्रधान संतोष बैनीवाल ने कहा कि आप भाजपा की सांसद हो। प्रदेश में भाजपा की सरकार है। पंचकूला में भाजपा-जजपा ने हमारा क्या सम्मान किया था। तब सांसद ने कहा कि ये कोई तरीका नहीं है। इसके बाद सांसद अपने समर्थकों के साथ चली गईं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 54 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.8/9 2080 शनिवार, 13 मई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कर्नाटक में फैसला आज

> हंग असेंबली पर जेडीएस बोली- फैसला ले चुके

> भाजपा और कांग्रेस ने संपर्क किया

> 3 नंबर वाली जेडीएस बन सकती है नं.1

बेंगलुरु, 12 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा के एग्जिट पोल्स में हंग असेंबली आने के बाद राज्य में राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। कर्नाटक में एक बार फिर जेडीएस के किंगमेकर बनने की उम्मीद है।

जेडीएस ने दावा किया कि उसे कांग्रेस और भाजपा दोनों से गठबंधन के संकेत मिले हैं। दोनों पार्टी उनसे संपर्क कर रही हैं। जेडीएस राज्य में 3 बार किंगमेकर बनी। दो बार कांग्रेस और एक बार भाजपा के साथ सरकार बनाई है। जेडीएस के वरिष्ठ नेता तनवीर अहमद ने बताया कि हमने गठबंधन पर फैसला ले लिया है। सही समय आने पर इसकी घोषणा कर दी जाएगी। हालांकि, भाजपा ने जेडीएस से संपर्क करने वाली बात को खारिज कर दिया। भाजपा नेता शोभा करंदलाजे ने कहा कि गठबंधन का कोई सवाल ही नहीं है। जेडीएस से हमने संपर्क नहीं किया। हमारी 120 सीटें मिलना तय है।

तनवीर ने कहा- जेडीएस लोगों के लिए काम करेगी

तनवीर ने कहा कि हम उसी पार्टी के साथ जाएंगे, जो कर्नाटक के लोगों की भलाई के लिए काम करेगी। हमारे बिना कोई भी सरकार नहीं बना सकता है। हम पैसे के मामले में राष्ट्रीय दलों के संसाधनों का मुकाबला नहीं कर सके। हम एक कमजोर पार्टी थे, लेकिन हम जानते हैं कि हमने सरकार का हिस्सा बनने के लिए हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है।

बता दें कि इस पार्टी के संस्थापक एचडी देवगौड़ा है। अभी कमान एचडी कुमारस्वामी के हाथ में है। एचडी देवगौड़ा कांग्रेस (ओ), जनता पार्टी और जनता पार्टी (जेपी) में रहे। 1994 में देवगौड़ा कर्नाटक में जनता दल को पहली बार सत्ता में लाने में कामयाब रहे। 1996 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस महज 140 सीटों पर सिमट गई। जनता दल की 46 सीटें आईं। जनता दल, समाजवादी पार्टी और डीएमके जैसी 13 पार्टियों ने मिलकर यूनाइटेड फ्रंट का गठन किया और देवगौड़ा को प्रधानमंत्री बना दिया गया। इसी जनता दल का 1997 के बाद कई छोटे-छोटे दलों में विभाजन हो गया और 1999 में देवगौड़ा ने जनता दल (सेक्युलर) की स्थापना की। दक्षिणी कर्नाटक पार्टी का गढ़ है। कर्नाटक में पिछले 38 साल से हर 5 साल में सत्ता बदलती आ रही है। आखिरी बार 1985 में रामकृष्ण हेगड़े के नेतृत्व वाली जनता पार्टी ने सत्ता में रहते हुए चुनाव जीता था। वहीं, पिछले पांच चुनाव (1999, 2004, 2008, 2013 और 2018) में से सिर्फ दो बार (1999, 2013) सिंगल पार्टी को बहुमत मिला।

अधिकारियों के तबादले पर फिर फंसा पेंच

आप की याचिका पर नई पीठ करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में अधिकारियों के तबादले के मुद्दे पर फिर पेंच फंस गया है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद आम आदमी पार्टी की सरकार प्रशासनिक अधिकारी का तबादला नहीं कर पा रही है। जिसके बाद आप ने फिर से सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। आप की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट नई पीठ के गठन के लिए तैयार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट अगले हफ्ते नई पीठ का गठन करेगा, जो आम आदमी पार्टी की याचिका पर सुनवाई करेगी।

अब क्या है विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपने एक अहम आदेश में कहा था कि अधिकारियों की तैनाती और तबादले का अधिकार दिल्ली सरकार के पास रहेगा। वहीं दिल्ली में कानून व्यवस्था, सार्वजनिक व्यवस्था और जमीन से जुड़े मुद्दे और पुलिस पर केंद्र सरकार का अधिकार होगा।

पांच जजों वाली संविधान पीठ ने कहा कि दिल्ली देश के अन्य केंद्र शासित प्रदेशों की तरह केंद्र शासित प्रदेश नहीं है और दिल्ली सरकार के पास सेवाओं पर विधायी और कार्यकारी शक्तियां हैं। उपराज्यपाल बनाम दिल्ली सरकार मामले में इसे दिल्ली सरकार की जीत माना गया और इसके साथ ही दिल्ली सरकार द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले का रास्ता साफ हो गया।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची आप सरकार

सर्वोच्च अदालत के फैसले के बाद दिल्ली सरकार ने दिल्ली सरकार सेवा विभाग के सचिव आशीष मोरे का तबादला कर दिया। आप सरकार मोरे की जगह 1995 बैच के आईएएस अधिकारी और दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व सीईओ एके सिंह को सेवा विभाग का सचिव बनाना चाहती है। हालांकि आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार मोरे के तबादले को लागू ही नहीं कर रही है। यही वजह है कि आप सरकार ने फिर से सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

आप सरकार की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए और उन्होंने कहा कि केंद्र के फैसले से कोर्ट की अवमानना हो सकती है। आप की याचिका पर सुनवाई के बाद देश के मुख्य न्यायाधीश ने इस मामले पर सुनवाई के लिए अगले हफ्ते तक नई पीठ का गठन करने की बात कही है। बता दें कि 2014 के बाद से ही दिल्ली के उपराज्यपाल और आप सरकार के बीच तनातनी चल रही है।

कांग्रेस का आरोप : मोदी सरकार आर्थिक शक्ति का कर रही केंद्रीकरण, एमएसएमई को बताया पीड़ित

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी सरकार पर एक बार फिर जमकर निशाना साधा। विपक्षी पार्टी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा ने "आर्थिक शक्ति का अभूतपूर्व केंद्रीकरण" किया है। इसकी वजह से जहां कुछ बड़ी कंपनियां, विशेष रूप से चुनिंदा कंपनियां समृद्ध हो गई हैं, जबकि एमएसएमई पीड़ित हैं।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव संचार जयराम रमेश ने भी ट्विटर पर एक चार्ट पोस्ट किया। यह चार्ट कुछ वित्तीय फर्मों से लिया गया है। यह कर के बाद लाभ (पीएटी) और पिछले कुछ वर्षों में देश में शीर्ष 20 पीएटी जनरेटरों की इक्विटी के लिए मुफ्त नकदी प्रवाह की प्रवृत्ति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि 'मित्र काल' की वास्तविकता यह है कि एमएसएमई पीड़ित है, जबकि कुछ बड़ी कंपनियां समृद्ध हो गई हैं, जिसमें विशेष रूप से पीएम के कुछ चुनिंदा व्यावसायिक घराने शामिल हैं। रमेश ने "भारत में शीर्ष 20 पीएटी जनरेटर की इक्विटी के लिए कर के बाद लाभ और मुफ्त नकदी प्रवाह" शीर्षक वाले चार्ट को साझा करते हुए ट्वीट किया, "मोदी सरकार ने आर्थिक शक्ति का एक अभूतपूर्व केंद्रीकरण किया है। भारत में शीर्ष 20 कंपनियां कुल लाभ का 80 प्रतिशत उत्पन्न करती हैं। एक दशक पहले यह 50 फीसदी से भी कम था।

कांग्रेस मोदी सरकार पर देश में धन असमानता पैदा करने का आरोप लगाती रही है। विपक्षी दल ने यह भी आरोप लगाया है कि गरीब और अमीर के बीच की खाई बढ़ रही है। यह मुद्दा राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कन्याकुमारी से कश्मीर 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान उजागर किए गए बिंदुओं में से एक था।

16 विधायकों की अयोग्यता से निपटा जा सकता था, एमवीए ने आगे बढ़ने में रुची नहीं दिखाई : अजित पवार

पुणे, 12 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पिछले साल अविभाजित शिवसेना में उथल-पुथल के बाद 16 विधायकों की अयोग्यता के मामले से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता था, अगर महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में नाना पटोले के इस्तीफे के बाद महाविकास अघाड़ी (एमवीए) तेजी से आगे बढ़ता। एकनाथ शिंदे के विद्रोह के बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार के पतन के कारण राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपना फैसला सुनाए जाने के एक दिन बाद पवार यहां पत्रकारों से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सीएम शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की ठाकरे की मांग व्यर्थ है क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और वर्तमान लोगों में बहुत अंतर है। अजित पवार ने कहा कि सबसे पहले, तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष (नाना पटोले) ने तत्कालीन सीएम उद्धव ठाकरे से परामर्श किए बिना इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफा देने के बाद ही इसकी घोषणा की गई थी। यह नहीं होना चाहिए था, लेकिन ऐसा हुआ।

पीएम ने गुजरात को दी 4400 करोड़ रुपए की सौगात

पीएम आवास योजना से बीजेपी ने देश भर में करोड़ों बहनों को लखपति दीदी बनाया

अहमदाबाद, 12 मई (एजेंसियां)। एक दिन की यात्रा पर गुजरात की राजधानी गांधीनगर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के गांधीनगर में 4400 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- पीएम आवास योजना गरीबों के साथ महिला सशक्तिकरण को भी बहुत बड़ी ताकत दे रही है। पीएम आवास योजना से बीजेपी ने देश भर में करोड़ों दीदी को लखपति दीदी बना दिया है।

बीजेपी ने पुरुषों के मालिक होने का रिवाज बदल दिया

पीएम मोदी ने कहा कि पहले घर, दुकान, गाड़ी, खेत सभी पुरुषों के नाम पर हुआ करते थे। हमने यह रिवाज ही बदल दिया। भाजपा की सरकार ने महिलाओं को घर की मालकिन बनाया। आज के टाइम पीएम आवास का हर घर लाखों रुपयों का होता है। इस तरह बीजेपी

ने करोड़ों दीदीयों को लखपति बना दिया है। हमारी कई योजनाएं गांव में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ही हैं। पीएम ने कहा- आज पीएम आवास योजना गरीबों के साथ महिला सशक्तिकरण को भी बहुत बड़ी ताकत दे रही है। पिछले 9 वर्षों में 4 करोड़ से ज्यादा पक्के घर गरीब परिवारों को मिल चुके हैं। पीएम मोदी ने कहा कि पहले रियल एस्टेट सेक्टर में मनमानी चलती थी, धोखेबाजी होती थी। क्योंकि, मध्यम परिवारों को सुरक्षा देने के लिए कोई कानून ही नहीं था। हमने एक रेरा कानून बनाया, जिससे मध्यम वर्ग के परिवारों को सुरक्षा मिली है। हमने देश के 6 शहरों में फैले लाइट हाउस प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में आधुनिक घरों की स्थापना की है।

सऊदी में शाही परिवार ने कहा- हम आपसे बहुत प्यार करते हैं, हमारे शिक्षक गुजराती थे

पीएम ने इससे पहले अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से आयोजित महासम्मेलन में देशभर के करीब 91 हजार शिक्षकों को संबोधित किया। अपने संबोधन में पीएम ने कहा- मुझे भारतीय शिक्षकों के योगदान का वर्णन करते हुए गर्व हो रहा है। जब मैं सऊदी गया तो वहां के शाही परिवार ने मुझसे कहा कि हम आपसे बहुत प्यार करते हैं, क्योंकि हमारी शिक्षा भारत के गुजरात से हुई है।

अल कादिर केस में इमरान को 2 हफ्ते की जमानत

इस्लामाबाद, 12 मई (एजेंसियां)।अल-कादिर ट्रस्ट केस में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 2 हफ्ते के लिए जमानत मिल गई है। शुक्रवार को इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने उन्हें कुछ शर्तों के साथ बेल दी। हाईकोर्ट के बाहर पंजाब पुलिस और रेंजर्स की टीम मौजूद थी। खान के वकील ने कहा कि बाहर निकलने पर खान को किसी दूसरे केस में गिरफ्तार किया जा सकता है। इमरान को इसकी भनक लगी तो उन्होंने कहा- अगर अब गिरफ्तारी हुई तो फिर बवाल होगा, फिर मुझे जिम्मेदार न ठहराएं। इसके बाद इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने एक और आदेश जारी किया। कहा- 9 मई के बाद दर्ज किसी केस में इमरान की गिरफ्तारी 17 मई तक नहीं हो सकेगी।

केवल हिंदू ही बनेंगे पीएम, सीएम और डीएम : तोगड़िया

दो से ज्यादा बच्चों वाले मुसलमानों को जेल भेजेंगे-राशन बंद करेंगे

इटारसी/नर्मदापुरम, 12 मई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने कहा, 'हम भारत में मुसलमानों की संख्या बढ़ने नहीं देंगे। ऐसा कानून बनाएंगे कि 2 से ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले मुसलमानों को सरकारी नौकरी, सरकारी अन्न, सरकारी स्कूल, हॉस्पिटल में मुफ्त सेवा, बैंक से लोन जैसी सुविधाएं नहीं मिलेंगी। यदि फिर भी वह बच्चा पैदा करेगा, तो उसे 10 साल के लिए जेल में डाल देंगे।'

इसके साथ ही तोगड़िया ने कहा, 'हम सरकार पर हिंदुओं का कंट्रोल करवाएंगे। संविधान संशोधन करवाएंगे कि देश में प्राइम मिनिस्टर, चीफ मिनिस्टर, मिनिस्टर, डीएम, एसपी, जज देश में हिंदू के अलावा किसी को बनने ही नहीं देंगे। ये सब संभव है।' तोगड़िया ने यह बयान गुरुवार देर रात को नर्मदापुरम में दिया। वे यहां हिंदू साथी सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे थे। यहां उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन द्वारा करोड़ों हिंदुओं के लिए समृद्धि सेवा सम्मान, सहयोग संस्कार की व्यवस्था भारत में 24 घंटे उपलब्ध कराई जाएगी। हमारे प्राइवेट कॉल सेंटर पर कॉल करने के बाद यह मदद सभी जरूरतमंदों तक तुरंत पहुंचाई जाएगी। कर्नाटक में बजरंग दल पर बैन लगाने के कांग्रेस के वादे पर भी तोगड़िया ने प्रतिक्रिया दी है। तोगड़िया ने कहा, 'न कोई बैन लगाने वाला है और न ही लगने वाला है। यह तो कर्नाटक का चुनाव था। मतदाताओं को खुश करने के लिए नूरा कुश्ती चला रहे थे। हिंदुओं को डरने की कोई जरूरत नहीं है। कोई प्रतिबंध नहीं लगेगा।' तोगड़िया ने कहा कि राम जन्मभूमि को लेकर हमने सफल आंदोलन किया है। >14

गुजरात में जजों के प्रमोशन पर सुप्रीम कोर्ट का स्टे

68 जजों को पुराने पदों पर भेजा, इनमें राहुल गांधी को सजा सुनाने वाले हरीश वर्मा भी

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात की निचली अदालतों के 68 जजों के प्रमोशन पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि फिलहाल जिन जजों को प्रमोट किया गया है, उन्हें उनके मूल पद (पुराने पद) पर वापस भेजा जाए। बता दें, इन जजों में मानहानि केस में राहुल गांधी को दोषी ठहराने और सजा सुनाने वाले जज हरीश वर्मा भी शामिल हैं। जस्टिस एमआर शाह ने कहा कि भर्ती नियमों के अनुसार प्रमोशन की क्राइटेरिया मेरिट-सीनियरिटी और सूटेबिलिटी टेस्ट है। ऐसे में साफ है कि राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करता है। जस्टिस शाह ने आगे कहा- हालांकि हम इस याचिका की सुनवाई पूरी करना चाहते थे, लेकिन एडवोकेट दुष्यंत दवे नहीं चाहते हैं कि हम याचिका डिस्पोज करें।

प्रमोशन पाने वाले सभी जब फिलहाल गुजरात ज्यूडिशियल अकादमी में ट्रेनिंग ले रहे हैं। इसी बीच इनके प्रमोशन के खिलाफ सीनियर सिविल जज कैडर के ज्यूडिशियल ऑफिसर रवि कुमार मेहता और सचिन मेहता ने चुनौती दी थी। इन्होंने याचिका में गुजरात हाईकोर्ट की तरफ से 10 मार्च को जारी की गई प्रमोशन लिस्ट और गुजरात सरकार की तरफ से जारी की गई नियुक्तियों को रद्द करने की मांग की थी। सूरत कोर्ट के जज हरीश वर्मा ने 23 मार्च को राहुल को 2 साल कैद की सजा सुनाई। हालांकि, 27 मिनट बाद उन्हें जमानत मिल गई। इसके अगले दिन राहुल की संसद सदस्यता रद्द कर दी गई। वह केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य थे। उन्होंने 2019 में कर्नाटक की सभा में मोदी सरनेम को लेकर बयान दिया था। कहा था- सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है। इसके बाद गुजरात के भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने राहुल के खिलाफ मानहानि का केस किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल-तमिलनाडु सरकार को नोटिस दिया

कहा-द केरल स्टोरी पूरे देश में चल रही है, आपके यहां क्या दिक्कत है

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी करके पूछा है कि जब पूरे देश में द केरल स्टोरी फिल्म चल रही है, तो आपके यहां क्या दिक्कत है। बता दें कि 12 मई को फिल्म द केरल स्टोरी को पश्चिम बंगाल में बैन किया गया है, जबकि तमिलनाडु में थियेटर ऑपरेटर्स ने इसे नहीं चलाने का निर्णय लिया है।

बैन के खिलाफ फिल्म के मेकर्स ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा- पश्चिम बंगाल देश से अलग नहीं है। जब देश के अन्य राज्यों में फिल्म शांतिपूर्वक चल रही है तो बंगाल और तमिलनाडु में फिल्म पर बैन क्यों लगाया गया है। ये दर्शकों के ऊपर छोड़ देना चाहिए कि वो फिल्म देखना चाहते हैं या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोनों राज्यों की भौगौलिक स्थिति अन्य राज्यों के तरह ही समान है फिर वहां फिल्म को क्यों नहीं चलने दिया जा रहा है। ये मामला कला की स्वतंत्रता के बारे में हैं।

तमिलनाडु सरकार के वकील को फटकारा

चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने तमिलनाडु सरकार के एडिशनल एडवोकेट जनरल अमित आनंद तिवारी से पूछा- हम आपसे ये पूछना चाहते हैं कि आपने राज्य की कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कौन से कदम उठाए। राज्य सरकार ये नहीं कह सकती कि हम कोई और रास्ता (फिल्म की स्क्रीनिंग को रोक देना) निकाल रहे हैं। थिएटर्स पर अटैक किए जा रहे हैं, कुर्सियां जलाईं जा रही हैं। सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखना आपकी जिम्मेदारी थी।

सिक्किम सरकार का नया फॉर्मूला

दो से अधिक बच्चे होने पर बढ़ेगी सैलरी, और भी कई फायदे होंगे

गंगटोक , 12 मई (एजेंसियां)। सिक्किम में अब जिन सरकारी कर्मचारियों के दो या तीन बच्चे होंगे उन्हें एडवांस में वेतन मिल सकेगा। साथ ही इन कर्मचारियों के वेतन को बढ़ाने का भी फैसला लिया है। बता दें, सिक्किम की सरकार ने यह फैसला राज्य की स्थानीय आबादी बढ़ाने के लिए लिया है। कहा गया है कि इस साल एक जनवरी से वेतन में वृद्धि करने और एडवांस देने का फैसला किया है।

कार्मिक विभाग के सचिव रिनजिंग चेवांग भूटिया ने 10 मई को जारी एक अधिसूचना में कहा कि सिक्किम का प्रमाण पत्र या पहचान प्रमाण पत्र रखने वाले सरकारी कर्मचारियों के अगर दो बच्चे होते हैं, तो उनके वेतन में वृद्धि होगी। साथ ही जिनके तीन बच्चे होंगे उन कर्मचारियों के वेतन में अतिरिक्त वृद्धि की जाएगी। भूटिया ने कहा कि यह योजना 1 जनवरी, 2023 से प्रभावी होगी और केवल वे कर्मचारी जिनके दूसरे और तीसरे बच्चे का जन्म इस साल 1 जनवरी या उसके बाद हुआ है, इस योजना के लिए पात्र होंगे। उन्होंने साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया कि गोद लेने के मामले में इस योजना का लाभ लागू नहीं होगा। गौरतलब है, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने राज्य में स्थानीय लोगों के बीच कम प्रजनन दर को दूर करने के लिए रियायत देने का वादा किया था। अब वादे के करीब 4 महीने बाद इस योजना को सामने लाया गया है। तमांग ने इस साल जनवरी में गंगटोक में एक कार्यक्रम में कहा था कि स्थानीय आबादी के बीच कम प्रजनन दर सिक्किम में गंभीर चिंता का विषय है। हमें आबादी बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या हुई 33, सीजेआई ने जस्टिस माहेश्वरी को बताया 'सज्जन जज'

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। जस्टिस दिनेश माहेश्वरी रविवार को सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हो जाएंगे। ऐसे में शुक्रवार को ही जस्टिस माहेश्वरी के विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विदाई कार्यक्रम के दौरान देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने जस्टिस दिनेश माहेश्वरी की जमकर तारीफ की और उन्हें एक सज्जन जज करार दिया। बता दें कि जस्टिस माहेश्वरी के रिटायरमेंट के बाद अब सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या घटकर 33 रह गई है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि मैं जस्टिस माहेश्वरी को इलाहाबाद हाईकोर्ट के समय से जानता हूं, जब हम इलाहाबाद हाईकोर्ट और लखनऊ बेंच में साथ-साथ थे। लखनऊ में वह मेरे वरिष्ठ थे। >14

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 13 मई, 2023 4

सुविचार

मात्र एक सकारात्मक विचार ही आपका पूरा जीवन बदल सकता हैं इसलिए सकारात्मक सोचते रहिये।

तेलंगाना की गोदाम क्षमता नौ वर्षों में दोगुनी हो गई : कृषि मंत्री

मंत्रियों ने किया नए गोदाम का उद्घाटन

वारंगल, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने कहा कि बीआरएस सरकार ने पिछले नौ वर्षों में राज्य की गोदाम क्षमता को 36 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 74 लाख मीट्रिक टन कर दिया है। उन्होंने मंत्री येरबिली दयाकर राव के साथ शुक्रवार को दुगोंडी मंडल के चलपर्ती गांव में 10,000 मीट्रिक टन क्षमता के एक नए गोदाम का उद्घाटन किया, जिसे राज्य भंडारण निगम ने वित्त पोषित किया था। गोदाम खोलने के अलावा, उन्होंने हाल ही में बेमौसम बारिश के कारण नुकसान झेलने वाले किसानों को मुआवजे के चेक भी सौंपे।

सभा को संबोधित करते हुए, मंत्री रेड्डी ने तेलंगाना के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि के मूल्य में वृद्धि के साथ रैतु बंधु योजना की सफलता का श्रेय दिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संयुक्त राष्ट्र ने योजना की प्रभावशीलता को मान्यता दी थी। उन्होंने कहा कि सरकार खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए मशीनीकरण बढ़ा रही है। पंचायतीराज और ग्रामीण विकास मंत्री येर्राबेली दयाकर राव ने कहा कि राज्य ने कई दूरदराज के इलाकों में अपनी सिंचाई और पेयजल सुविधाओं में सुधार किया है। उन्होंने घोषणा की कि नरसामपेट विधानसभा क्षेत्र में मूसलाधार बारिश के कारण फसल के नुकसान वाले किसानों को मुआवजा देने के लिए 40 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। राव ने इस बात पर भी जोर दिया कि तेलंगाना देश का एकमात्र राज्य है जिसने बेमौसम बारिश के कारण अपनी फसल गंवाने वाले किसानों को 10,000 रुपये का मुआवजा दिया है। उद्घाटन समारोह में स्थानीय विधायक पी. सुदर्शन रेड्डी, जिला कलेक्टर पी. प्रविन्या और अन्य शामिल हुए।

वारंगल कनिष्ठ पंचायत सचिव ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को जिले के खानमपुरम मंडल के रंगापुरम गांव में कनिष्ठ पंचायत सचिव बारी सोनी (31) की कथित तौर पर आत्महत्या से मौत हो गई। नरसमपेट कस्बे की रहने वाली सोनी रंगू प्रसाद की पत्नी थीं। रंगापुरम पहुंचने से पहले उसने खानापुरम में अन्य सचिवों के साथ एक सर्वेक्षण किया था, जहां वह बेहोश पाई गई। कहा जाता है कि उसने कुछ पंचायत सचिवों को अपनी जान लेने की मंशा के बारे में सूचित किया था। घटना के बारे में जानने के बाद, रंगमपेट पंचायत सचिव सोनी को अचेत अवस्था में देखने के लिए रंगापुरम पहुंचे। आशंका जताई जा रही है कि उसने कीटनाशक का सेवन किया है। उसे नरसमपेट के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि पारिवारिक विवाद के कारण ही उसने यह कदम उठाया। वह अपने पीछे पांच साल की एक बेटी छोड़ गई है।

सांसद ने सीएम केसीआर पर साधा निशाना

पूछा, 10 हजार रुपये प्रति एकड़ देने का अपना वादा कब पूरा करेंगे सीएम

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद से भाजपा सांसद अरविंद ने आज मुख्यमंत्री केसीआर की उन किसानों की मदद के लिए कदम उठाए बिना ''बेकार बैठने'' के लिए आलोचना की, जिन्हें हाल ही में बेमौसम बारिश से नुकसान हुआ है। उन्होंने सीएम से पूछा कि वह प्रभावित किसानों को 10 हजार रुपये प्रति एकड़ देने का अपना वादा कब पूरा करेंगे।

उन्होंने आईटी मंत्री केटीआर से अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर विपक्षी नेताओं की आलोचना करना बंद करने के लिए भी कहा। जगत्याला जिले के लक्ष्मपुर में किसान उत्पादक कंपनी का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए अरविंद ने कहा कि केंद्र सरकार और नाबार्ड के सदस्यों के सहयोग से कंपनी की स्थापना की गई है. यह कहते हुए कि दुनिया जैविक खेती की ओर देख रही है, उन्होंने स्थानीय किसानों से रासायनिक उर्वरकों के छिड़काव के बारे में जागरूकता बढ़ाने को कहा। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक किसान संघों को आगे आना चाहिए और लक्ष्मपुर किसान उत्पादक कंपनी से प्रेरणा लेकर कंपनियों की स्थापना करनी चाहिए।

जगत्याल ग्रामीण थाने के उप निरीक्षक अनिल के निलंबन का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने हैरानी जताई कि जब वह अपनी पत्नी के स्वाभिमान की रक्षा करने में सक्षम नहीं हैं तो पुलिस के पास रिवॉल्वर और खाकी ड्रेस क्यों होनी चाहिए? यह दावा करते हुए कि निलंबित एसआई की पत्नी ने बुर्का में मुस्लिम लड़की के साथ दुर्व्यवहार नहीं किया था, उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि उन्होंने बुर्का पहनी लड़की की शिकायत के आधार पर एसआई को निलंबित क्यों किया?

माओवादी ज्योतक्का ने पुलिस के सामने किया आत्मसमर्पण

करीमनगर, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा (माओवादी) मंडल समिति के सदस्य और तेलंगाना राज्य समिति के प्रेस प्रभारी नेरेला ज्योति उर्फ ज्योतक्का ने शुक्रवार को यहां करीमनगर पुलिस आयुक्त एल सुब्बारायुडु के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। शिवांगुलपल्ली, राजन्ना-सिरसिला जिले के कोनारावपेट मंडल की रहने वाली ज्योति 2004 में चरमपंथी पार्टी में शामिल हुई थी और पिछले 20 वर्षों के दौरान सिरसिल्ला, आदिलाबाद, गोदावरी नदी बेल्ट क्षेत्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में विभिन्न संवर्गों में काम किया।

गवर्नमेंट जूनियर कॉलेज, सिरसिल्ला में इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष की पढ़ाई के दौरान, वह अपनी बड़ी बहन के गाँव आदिवपंडीरा गई जहाँ उसने माओवादियों द्वारा आयोजित एक बैठक में भाग लिया। पार्टी की विचारधारा की ओर आकर्षित होकर वह तत्कालीन कमांडर रघु के माध्यम से पार्टी में शामिल हुई। सिरसिल्ला इलाके में कुछ दिन काम करने वाली ज्योति मनाला एनकाउंटर के बाद आदिलाबाद जिले के मांगी दलम चली गई थी। 2011 में आदिलाबाद करिगुट्टा मुठभेड़ के बाद, वह जम्पन्ना के साथ ओडिशा चली गईं और प्रेस समिति के सदस्य के रूप में काम किया। उसने ओडिशा और छत्तीसगढ़ में काम किया। पार्टी में काम करने के दौरान उन्होंने अपने सहयोगी एर्रागोल्ला रवि उर्फ दिनेश से शादी की और 2012 में उनसे अलग हो गईं।

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादी नेता को शुक्रवार को यहां मीडिया के सामने पेश करते हुए पुलिस आयुक्त सुब्बारायुडू ने कहा कि वह आदिवासी लोगों के प्रति चरमपंथी पार्टी के बर्बर विचारों और पार्टी की महिला सदस्यों के प्रति असमानता से परेशान थीं और उन्होंने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने का फैसला किया। विभिन्न विकासात्मक कार्यक्रमों के अलावा, तेलंगाना सरकार द्वारा गरीबों के कल्याण के लिए लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं और आत्मसमर्पण करने वाले चरमपंथियों के खिलाफ "ऑपरेशन चेयुता" कार्यक्रम के तहत पुलिस के समर्थन ने भी उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए प्रेरित किया।

दोबारा हारने को तैयार नहीं : पवन कल्याण

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेना प्रमुख पवन कल्याण ने जोर देकर कहा है कि उनकी पार्टी आगामी चुनावों में त्रिकोणीय मुकाबले का शिकार होने को तैयार नहीं है। उन्होंने फिर से न हारने का संकल्प व्यक्त किया और कहा कि वह गठबंधन बनाने के लिए तैयार हैं। पवन कल्याण ने कहा कि यदि शर्तें सम्मानजनक हैं और तरीके नैतिक हैं तो टीडीपी और बीजेपी के साथ गठबंधन संभव है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह मुख्यमंत्री बनेंगे या नहीं, इसका फैसला चुनाव परिणाम आने के बाद होगा। पवन कल्याण ने पार्टी के मंडल, शहर और मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक की, जहां उन्होंने जोर दिया कि पार्टी का प्राथमिक लक्ष्य अपने विरोधियों को हराना है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि उनकी पार्टी अधिक से अधिक सीटें जीतती है और मजबूत बहुमत हासिल करती है, तो उसे अपनी स्थिति का दावा करने का अधिकार होगा।

अलग-अलग हादसों में दो की मौत

खम्मम, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले में अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गये। कुसुमांची मंडल के जीलाचेरुवु में एक सड़क दुर्घटना में मंडल के धर्म थंडा के एक युवक जे संदीप (21) की मौत हो गई जब एक तेज रफ्तार लॉरी ने उनकी मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। वह अपनी बहन सिन को ले जा रहा था। खम्मम शहर में ईएएमसीईटी की परीक्षा देने के बाद धू और भाभी हरिका बाइक पर अपने गांव वापस चली गईं। घायलों को बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद रेफर किया जा रहा है।

कल्लूर में एक अन्य घटना में स्थानीय सरकारी अस्पताल में एक निर्माणाधीन पानी की टंकी की दीवार गिरने से एक मजदूर एम स्वामी (55) की मौत हो गई। घटना का कारण कार्य की खराब गुणवत्ता बताया जा रहा है।

सीएम के मुख्य सलाहकार सोमेश कुमार ने कार्यभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी सोमेश कुमार ने शुक्रवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार के रूप में पदभार ग्रहण किया। पूर्व मुख्य सचिव ने राज्य सचिवालय की छठी मंजिल स्थित अपने कार्यालय में कुर्सी संभाली। पुजारियों ने मुख्य सलाहकार के कक्ष में पूजा की। बाद में, सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पदभार ग्रहण करने पर कुमार को बधाई दी। मुख्य सलाहकार ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को एक बार फिर विश्वास दिलाने और उन्हें राज्य की सेवा करने का अवसर देने के लिए आभार व्यक्त किया। राज्य सरकार ने नौ मई को सोमेश कुमार को मुख्यमंत्री का मुख्य सलाहकार नियुक्त किया था। मुख्य सचिव शांति कुमारी द्वारा जारी सरकारी आदेश के अनुसार, सोमेश कुमार तीन साल की अवधि के लिए सीएम के मुख्य सलाहकार का पद संभालेंगे। अदालत के आदेश के बाद आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित होने के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के तीन महीने बाद उनकी नियुक्ति हुई।

उच्च न्यायालय द्वारा उस राज्य को उनका आवंटन रद्द करने के बाद कुमार को तेलंगाना के मुख्य सचिव के पद से हटा दिया गया था। 12 जनवरी को उन्होंने भारत सरकार के आदेशानुसार आंध्र प्रदेश सरकार को रिपोर्ट किया था। उन्होंने बाद में मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी से मुलाकात की थी। उनके अनुरोध पर उन्हें कोई पद नहीं दिया गया क्योंकि उन्हें सेवा में बने रहने में कोई दिलचस्पी नहीं थी, हालांकि यह सेवा दिसंबर में समाप्त हो रही थी। तीन साल तक तेलंगाना के मुख्य सचिव रहे सोमेश कुमार को मुख्यमंत्री केसीआर का काफी करीबी माना जाता है। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 12 जनवरी को सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (कैट) के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें 2016 में सोमेश कुमार को तेलंगाना आवंटित किया गया था। उसी दिन भारत सरकार के कार्मिक प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने उन्हें तेलंगाना राज्य सरकार से मुक्त कर दिया और दो दिनों के भीतर आंध्र प्रदेश सरकार में शामिल होने का निर्देश दिया। कैट की हैदराबाद पीठ ने 29 मार्च, 2016 को सोमेश कुमार को तेलंगाना आवंटित करने का आदेश पारित किया था। 2014 में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के दो अलग-अलग राज्यों में संयुक्त आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद, केंद्र सरकार ने अविभाजित राज्य में कार्यरत आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को आंध्र प्रदेश के शेष राज्य और नव निर्मित तेलंगाना राज्य में फिर से आवंटित किया था। 1989 बैच के आईएएस सोमेश कुमार को डीओपीटी द्वारा आंध्र प्रदेश को आवास आवंटित किया गया था। हालांकि, सोमेश कुमार ने कैट का रुख किया था और आंध्र प्रदेश कैडर को अपने आवंटन पर रोक लगाने का आदेश हासिल किया था। तब से वह तेलंगाना में बने रहे और 2019 में मुख्य सचिव बने। डीओपीटी ने कैट, हैदराबाद शाखा के स्थगन आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में अपील दायर की थी।

कांस्टेबल ने पत्नी की बेरहमी से हत्या की

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक वीभत्स घटना में वनस्थलीपुरम के गौतमी नगर में शुक्रवार को एक पुलिस कॉन्स्टेबल ने अपने घर में अपनी पत्नी की गला रेत कर हत्या कर दी। पुलिसकर्मी की पहचान हैदराबाद सिटी पुलिस के राजकुमार के रूप में हुई। पुलिस सूत्रों ने कहा कि राज कुमार को अपनी पत्नी शोभा की वफादारी पर संदेह होने पर दंपति के बीच अक्सर बहस होती थी।

दमरे आरपीएफ कांस्टेबल कु. सरला सम्मानित

अपनी जान की परवाह किए बिना बचाई दो की जिन्दगी

'वर्दी नहीं ये काल है' नागरिक वीर योद्धा पुरस्कार-2023 मिला

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे आरपीएफ कांस्टेबल, कु. सरला को डॉ अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के हाथों "वर्दी नहीं ये काल है" नागरिक वीरता योद्धा पुरस्कार, 2023 से सम्मानित किया गया है। वर्तमान में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), निजामाबाद पोस्ट में कांस्टेबल के रूप में कार्यरत हैं।

रेल यात्रियों को बचाने में उनके द्वारा समय पर की गई कार्रवाई के कारण उन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। एक अवसर पर, 9 मार्च 2022 को लगभग 11.08 बजे, एक महिला यात्री अपना संतुलन खो बैठी और प्लेटफ़ॉर्म व ट्रेन के बीच नीचे रेल लाइन में गिर गई। महिला निजामाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर ट्रेन नंबर 17057 देवगिरी एक्सप्रेस से उतरने की कोशिश कर रही थी। इसी बीच आरपीएफ कांस्टेबल कुमारी सरला ने अपनी जान की परवाह न करते हुए बिना समय गंवाए मबिला यात्री को बिना किसी नुकसान या चोट के प्लेटफॉर्म पर वापस खींच लिया। एक अन्य उदाहरण में, 19 सितंबर, 2022 को लगभग रात 8 बजे कु. सरला ने फिर निजामाबाद रेलवे स्टेशन पर एक अन्य महिला यात्री को बचाया। महिला यात्री ट्रेन संख्या 16004 से यात्रा करने के इरादे से स्टेशन आई थी। हालांकि, यात्री इसके बजाय दूसरी ट्रेन में सवार हो गई, जिसे महसूस करते हुए उसने चलती ट्रेन से नीचे उतरने की कोशिश की। यात्री की इस हरकत से वह ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच के गैप में गिर गई। यह देखते ही तुरंत कांस्टेबल ने अपनी जान को दांव पर लगाते हुए एक अन्य कांस्टेबल के साथ महिला यात्री की कीमती जान बचा ली। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कुमारी सरला को बधाई देते हुए कहा कि सरला की सही समय पर कार्रवाई करने से रेल यात्रियों की जान बचाई जा सकी। उन्होंने उनके द्वारा प्रदर्शित बहादुरी और सतर्कता की सराहना की और कहा कि इस तरह की कार्रवाई से न केवल हमारे रेलवे सुरक्षा बल का मनोबल बढ़ता है बल्कि अन्य रेलवे कर्मचारियों को भी इस तरह के प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उन्होंने कहा कि जोन के लिए भी यह गर्व का क्षण है कि आउट टीम के सदस्य को भारत के पूर्व राष्ट्रपति से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला है।

तेलंगाना में अब चलेगी लू, हैदराबाद सहित 15 जिलों के लिए रेड अलर्ट

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अप्रैल और मई के पहले सप्ताह में मध्यम तापमान का अनुभव करने के बाद, हैदराबाद अब खुद को लू के लिए तैयार कर रहा है। अगले सात दिनों तक शहर का औसत अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने रविवार तक शहर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, क्योंकि दिन का तापमान 41 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। उमस बढ़ने से रातें भी असहज रहने की आशंका है। राज्य के अन्य जिलों में भी नारंगी अलर्ट के साथ इसी तरह की स्थिति का सामना करने की उम्मीद है। इस बीच, तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी ने 15 जिलों जगतियाल, करीमनगर, मनचेरियल, जयशंकर भूपालपल्ली, आदिलाबाद, निर्मल, मुलुगु, कुमुराम भीम आसिफाबाद, भद्राद्री कोठागुडेम, महबूबाबाद, वारंगल, नलगोंडा, खम्मम, सूर्यापेट, और पेड्डापल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने का अनुमान है। हैदराबाद सहित तेलंगाना में हीटवेव को चक्रवात मोचा के प्रभाव के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, जिसके दक्षिण-पूर्व और बंगाल की खाड़ी के आस-पास के क्षेत्रों में एक बहुत ही गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। राज्य में कुछ राहत देने वाली बेमौसम बारिश के अगले एक सप्ताह तक रुकने की संभावना है, जिससे गर्मी और बढ़ जाएगी। जनता को चिलचिलाती गर्मी से खुद को बचाने के लिए आवश्यक सावधानी जैसे कि दिन के चरम समय में घर के अंदर रहना, खूब पानी पीना और ढीले, हल्के रंग के कपड़े पहनने की सलाह दी जाती है।

यूथ ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के ब्रोशर का विमोचन

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने आज कहा कि राजीव गांधी ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हैदराबाद यूथ डिक्लेरेशन की निरंतरता में आयोजित की जा रही है। उन्होंने शुक्रवार को गांधी विचारधारा केंद्र, बोवेनपल्ली, सिकंदराबाद में राजीव गांधी यूथ ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के लॉन्चिंग और ब्रोशर के विमोचन में भाग लिया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में ऑस्कर पुरस्कार विजेता राहुल सिपलीगंज को पाकर खुश हैं। रेवंत ने कहा कि यह दुख की बात है कि सरकार ने तेलंगाना को ऑस्कर पुरस्कार से प्रसिद्धि दिलाने वाले राहुल को मान्यता नहीं दी। प्रियंका गांधी राजीव गांधी ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं के पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल होंगी। उस मौके पर कांग्रेस पार्टी की ओर से राहुल सिपलीगंज को 10 लाख रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। रेवंत रेड्डी ने कहा कि जैसे ही कांग्रेस पार्टी सत्ता में वापस आएगी, राहुल सिपलीगंज को नकद पुरस्कार दिया जाएगा। 2 जून को राजीव गांधी यूथ ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता होगी। रेवंत रेड्डी ने छात्रों और युवाओं से कार्यक्रम में बड़े पैमाने पर भाग लेने का आह्वान किया।

CLASSIFIEDS

FLATS FOR SALE

New Apartments, 3BHK Super Deluxe Flats, Ready to Occupy, GHMC & RERA Approved Project, Good Vastu, OC Received Bank Loan available, @ Pragati Colony, Near Aram Ghar X Roads, Before Shamshabad International Airport. Contact: 9100015559, 9100015558.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बाइक से टकराकर होटल में घुसी कार

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम में एक चौंकाने वाली घटना में एक कार सड़क पर बाइक से टकरा गई और फिर बगल के एक होटल में जा घुसी, जिससे काफी नुकसान हुआ. यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई और अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। कार की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार सड़क पर तेज गति से चल रही थी और होटल में दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले बाइक सवार को टक्कर मार दी। घायल व्यक्ति को स्थानीय लोगों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जिन्होंने उसकी पहचान की। पुलिस को घटना की जानकारी दी गई और उन्होंने मामले की आगे की जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच की।

कलेक्टर ने टीएसपीएससी ग्रुप-I प्रीलिम्स वेन्यू का निरीक्षण किया

मनचेरियल, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर बड़वथ संतोष ने अधिकारियों को 11 जून को होने वाली टीएसपीएससी ग्रुप I प्रारंभिक परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में आयोजित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने शुक्रवार को जिला केंद्र के विभिन्न हिस्सों में परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। यह कहते हुए कि जिले में 30 केंद्र स्थापित किए गए हैं, संतोष ने अधिकारियों से भीषण गर्मी की लहर की स्थिति को देखते हुए पीने के पानी को सुनिश्चित करने और उम्मीदवारों को असुविधा से बचने के लिए कदम उठाने को कहा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से चिकित्सा आपात स्थिति से निपटने के लिए आयोजन स्थलों पर दवाएं उपलब्ध रखने को कहा।

वाटर सेस लगाने पर अड़ा हिमाचल

हरियाणा ने किया साफ इनकार, दोनों सरकारों में तनातनी

चंडीगढ़/शिमला, 12 मई (एजेंसियां)। जल विद्युत की 172 परियोजनाओं पर वाटर सेस लगाने को लेकर हरियाणा और हिमाचल सरकार में तनातनी बढ़ गई है। हरियाणा के आग्रह पर केंद्र के दखल के बावजूद हिमाचल सरकार ने अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। सुक्खू सरकार ने साफ कर दिया है कि जल विद्युत परियोजनाओं पर वाटर सेस लग कर रहेगा। हालांकि, हिमाचल सरकार ने बीच का विकल्प निकालते हुए सेस को लेकर बातचीत का विकल्प भी रखा है, जिसे संवाद के माध्यम से कुछ कम किया जा सकता है, लेकिन हरियाणा सरकार ने वाटर सेस को किसी भी सूरत में स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया है। दोनों सरकारें सेस को लेकर आमने-सामने आ गई हैं। दोनों प्रदेशों ने भविष्य में वार्ता का विकल्प खुला रखा है। हिमाचल सरकार ने इसी साल मार्च में जल विद्युत परियोजनाओं पर वाटर सेस लगाने का फैसला लिया था। बकायदा, इसके लिए एक्ट बनाया गया है और अधिसूचना जारी की गई। हरियाणा सरकार ने भी विधानसभा में इसके विरोध में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया है। 22 अप्रैल को तमाम मुद्दों को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल और हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के बीच बातचीत हुई थी, लेकिन वाटर सेस को लेकर कोई सहमति नहीं बन पाई थी। अब हिमाचल सरकार ने साफ किया है कि राज्य में जल विद्युत परियोजनाओं पर हर सूरत में वाटर सेस लगाया जाएगा। इसके लिए जल्द संबंधित कंपनियों के साथ बातचीत का प्रस्ताव रखा गया है।

कर्नाटक में हो रही भारी बारिश, 4 की मौत; कई लोग हुए हैं घायल

मांड्या, 12 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश हुई है। इस दौरान बिजली भी गिरी और आंधी भी चली। इन सबके बीच कर्नाटक में 4 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। बिजली गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक ऑटोरिक्शा पर एक उखड़ा हुआ पेड़ गिरने से 2 अन्य लोगों की मौत हो गई। मांड्या जिले के मद्दुर तालुक में शुक्रवार को बिजली गिरने से एक महिला समेत दो लोगों की मौत का मामला सामने आया है। मृतकों की पहचान वैद्यनाथपुरा गांव निवासी 34 वर्षीय मधु और शिवपुरा गांव निवासी 60 वर्षीय गौरम्मा के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, मधु गुरुवार की देर रात भारी बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे खड़ा था, तभी बिजली गिरी। वह अपनी पत्नी को उसके माता-पिता के घर छोड़ने के बाद घर लौट रहा था इसी दौरान यह हादसा हुआ। एक अन्य घटना में, गौरम्मा अपने घर पर उस समय गिर पड़ी जब बिजली उसके घर के बहुत करीब आ गिरी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रात ऑटो पर एक बड़ा पेड़ गिरने के कारण पाडुरु कुरालू निवासी पुष्पा कुलाल (45) और कलात्तुरु निवासी कृष्णा (48) की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में चालक शरीफ बाल-बाल बच गया। पेड़ के नीचे आ गया वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। अधिकारियों ने लगातार भारी बारिश को पेड़ गिरने का कारण बताया है। भारी बारिश ने पूरे राज्य में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है।

जेओए आईटी भर्ती मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा अपना निर्णय

शिमला, 12 मई (एजेंसियां)। जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (जेओए) आईटी भर्ती मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया है। याचिकाकर्ता अंकिता ठाकुर और अन्य ने हिमाचल हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। जूनियर ऑफिस असिस्टेंट पोस्ट कोड 556 की भर्ती प्रक्रिया पर हाईकोर्ट ने रिवाइज मेरिट लिस्ट बनाने के आदेश दिए थे। बाहर किए अभ्यर्थी जहां हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार रिवाइज मेरिट लिस्ट बनाने का इंतजार कर रहे थे, वहीं जेओए आईटी के पद पर नौकरी कर रहे लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के रिजल्ट रिवाइज के फैसले पर स्टे लगा दिया था। बता दें कि हिमाचल हाईकोर्ट ने 31 दिसंबर को जेओए के पदों की भर्तियों को लेकर दायर याचिकाओं का निपटारा करते हुए हिमाचल कर्मचारी चयन आयोग को आदेश दिए थे कि वह पोस्ट कोड 556 के विज्ञापन के तहत घोषित सभी पदों को पोस्ट कोड 447 के तहत की गईं भर्तियों के अनुसार करे व मेरिट लिस्ट दोबारा तैयार करें। हाईकोर्ट ने पोस्ट कोड 817 में शामिल किए गए पोस्ट कोड 556 के बचे हुए पदों को हटाने के आदेश भी दिए थे। हाईकोर्ट के इस फैसले के पश्चात पोस्ट कोड 556 के तहत बचे हुए 560 पदों की भर्तियां 18 अक्तूबर 2016 के विज्ञापन के तहत सफल अभ्यर्थियों में से ही की जानी हैं। सरकार ने वर्ष 2014 में जेओए के पदों को भरने के लिए भर्ती एवं पदोन्नति नियम बनाए थे। 13 फरवरी 2015 को पोस्ट कोड 447 के तहत 1421 पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए। कुछ अभ्यर्थियों ने इन पदों के लिए बनाए भर्ती नियमों में खामियां बताते हुए इन भर्तियों को अदालत में चुनौती दी थी।

एमपी में पीएम मोदी का मंदिर

ग्वालियर में किया जा रहा निर्माण, प्रसिद्ध मूर्तिकार बना रहा डेढ़ फीट की प्रतिमा

ग्वालियर, 12 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के ग्वालियर शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंदिर तैयार हो रहा है। पीएम मोदी की मूर्ति प्रसिद्ध मूर्तिकार के द्वारा तैयार की जा रही है। मूर्ति करीब डेढ़ फीट की बनाई जा रही है। मूर्ति के तैयार होने के बाद इसे मंदिर में स्थापित किया जाएगा। खास बात यह है कि पीएम नरेंद्र मोदी का मंदिर देश के प्रधानमंत्री और भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के मंदिर के पास स्थापित होगा। मध्यप्रदेश का ग्वालियर जिला, जो राजनीति का गढ़ माना जाता है यह शहर देश

के प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी, राजमाता विजयाराजे, माधवराव सिंधिया सहित अन्य बड़े नेताओं की कर्मभूमि रही है। यहां पहले से ही स्वर्गीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का मंदिर बना हुआ है। उनके चाहने वालों के द्वारा रोज सुबह शाम आरती उतारी जाती है। देशभर में इकलौता ऐसा मंदिर है, जहां अटल बिहारी वाजपेयी विराजमान हैं, लेकिन अब पीएम नरेंद्र मोदी देश के ऐसे प्रधानमंत्री होंगे जिनका मंदिर तैयार किया जा रहा है और इस मंदिर में रोज पीएम नरेंद्र मोदी की आरती उतारी जायेगी। अखिल भारतीय युवा अभिभाषक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय सिंह चौहान ने बताया कि यह मंदिर शहर के सत्यनारायण की टेकरी पर तैयार हो रहा है, जहां पर पहले से स्वर्गीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का मंदिर मौजूद है। पीएम मोदी की मूर्ति बनकर तैयार हो चुकी है। उन्होंने बताया कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे विश्व के ऐसे प्रधानमंत्री है, जिन्होंने हिंदुत्व को आगे बढ़ाया है और विश्व भर में हिंदुत्व को एक अलग पहचान दी है। इसलिए हम और ग्वालियर वासियों का मोदी जी के प्रति यह सम्मान है कि उनका नाम सदियों तक चलता रहे। साथ ही उनका कहना है कि देश के प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे देश का मान और सम्मान बढ़ाया है जिसे हमारा देश सदियों तक याद करता रहेगा।

इमरती देवी ने कांग्रेस पर कसा तंज:पूर्व मंत्री बोलीं कांग्रेस हनुमान भक्त थी तभी उनकी सरकार गिर गई

ग्वालियर, 12 मई (एजेंसियां)। ग्वालियर में एक बार फिर सिंधिया समर्थक व पूर्व मंत्री इमरती देवी सुमन चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लिया है। कांग्रेस की हनुमान भक्ति पर मध्य प्रदेश की पूर्व मंत्री और लघु उद्योग निगम की चेयरमैन इमरती देवी ने बड़ा तंज कसा है। इमरती ने कहा है कि हनुमान भक्त हैं तभी तो उनकी बनी बनाई सरकार गिर गई। इसके साथ ही विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में इमरती देवी ने एक बार फिर डबरा को जिला बनाने का राग अलापा है। बता दें कि दो दिवसीय प्रवास पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ग्वालियर आए हुए थे और गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। इसी बैठक में शामिल होने इमरती देवी भी पहुंची थी। बैठक के बाद उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस पर तंज कसा है। इमरती ने कहा है अपने क्षेत्र का विकास हर कोई चाहता है। डबरा जिला बनना चाहिए, मैंने मुख्यमंत्री से कहा है महाराज से भी मांग रखी है। इमरती देवी का डबरा को जिला बनाने की मांग शिवराज सरकार के लिए नया सिरदर्द बन सकती है, लेकिन इमरती समय-समय पर अपनी इस मांग को उठाती रही हैं। जब इमरती देवी से पूछा गया कि नेता प्रतिपक्ष डॉ। गोविंद सिंह ने दावा किया है कि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए कई हारे हुए नेता उनके संपर्क में हैं और वह वापस लौटने के लिए कह रहे हैं। हारे हुए लोगों के कांग्रेस में जाने के सवाल पर इमरती ने कहा जो कांग्रेस में जा रहे हैं उनसे पूछो, मैं भाजपा और सिंधिया जी के साथ हूँ, मुझे कोई ऑफर नहीं दे सकता मेरा ऑफर महाराज को जाएगा।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पतौर रेंज कोर एरिया में लगी भीषण आग, धू-धूकर जल रहा जंगल

उमरिया, 12 मई अप्रैल (एजेंसियां)। उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पतौर रेंज के जगंलों में गुरुवार को भीषण आग लग गई। धू-धूकर जंगल जलता हुआ नजर आ रहा था। अचानक अज्ञात कारणों के चलते लगी भीषण आग की जानकारी मिलते ही मौके प्रशासनिक कर्मी मौके पर पहुंचे। उमरिया जिले के सभी सुरक्षा श्रमिक, फायर वाचर हड़ताल पर हैं। जिसके चलते उन्होंने आग बुझाने से इंकार कर दिया। पर जानकारी लगते ही प्रशासन के अन्य विभाग के कर्मी वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया संस्था द्वारा बनाये गए हाथी मित्र दलों ने आग काबू करने मे वन विभाग की सहायता की।

शूटर अमित दबंग के भाई ने गोली मारकर की आत्महत्या, टिल्लू की हत्या से था परेशान

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। टिल्लू ताजपुरिया गैंग के शार्प शूटर अमित दबंग के सबसे छोटे भाई मोहित उर्फ बंटी ने ताजपुर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। अबतक आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। लेकिन अबतक मिल रही जानकारी के मुताबिक टिल्लू ताजपुरिया की मौत के बाद से वो लगातार परेशान चल रहा था। दूसरी तरफ आज ताजपुर गांव में सुरक्षा व्यवस्था भी की गई है। क्योंकि आज ही टिल्लू की तेरहवीं है। बता दें कि दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद टिल्लू ताजपुरिया की विरोधी गैंग के सदस्यों द्वारा धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी गई थी। तिहाड़ जेल में बंद टिल्लू ताजपुरिया की हत्याकांड मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल टीम ने 2 और आरोपियों को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया है। स्पेशल सेल ने चवन्नी और अताउर रहमान नाम के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस शुक्रवार को इन दोनों आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश करेगी। यहां पुलिस दोनों की कस्टडी की मांग करेगी। पुलिस ने दोनों को वारदात से पहले जेल के सीसीटीवी पर चादर डालने और हथियार छिपाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। टिल्लू ताजपुरिया हत्याकांड मामले में डीजी जेल ने एक आदेश जारी करते हुए 99 अधिकारियों और पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर कर दिया है। माना जा रहा है कि इससे गैंगस्टरों के लिंक टूटेंगे और आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाई जा सकेगी। जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है उनमें अधीक्षक, उपाधीक्षक, वार्डर समेत कई कर्मी शामिल हैं। इन्हें दिल्ली के अलग अलग जेलों में ट्रांसफर किया गया है। बता दें कि टिल्लू ताजपुरिया की हत्या तिहाड़ जेल में विरोधी गैंग के सदस्यों द्वारा कर दी गई थी।

सोनप्रयाग से केदार धाम के लिए निकले 9247 यात्री

मौसम खुलने से श्रद्धालुओं में दिखा जोश

देहरादून, 12 मई (एजेंसियां)। खराब मौसम की वजह से लगातार बाधित हो रही चार धाम यात्रियों के लिए अच्छी खबर है. अब चारधाम यात्रा मार्ग पर मौसम साफ होने लगा है. इससे यात्रियों में खूब उत्साह है. शुक्रवार की दोपहर 12 बजे तक सोनप्रयाग से 9247 यात्रियों को केदार धाम के लिए रवाना किया गया. उधर, बदरीनाथ के लिए भी 10 हजार से अधिक यात्री सफर पर निकल चुके हैं. उत्तराखंड पर्यटन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक मौसम सुहावना होने की वजह से तीर्थ यात्रियों की रफ्तार बढ़ गई है. रिपोर्ट के मुताबिक बीते दो दिनों में केदार नाथ और बदरीनाथ धाम में तीर्थ यात्रियों की काफी भीड़ बढ़ी है. यात्रियों में इस कदर उत्साह है कि शुक्रवार की सुबह छह बजे यात्रा शुरू करने के लिए गुरुवार की दोपहर बाद करीब तीन बजे ही लोग कतार में लग गए थे. विभागीय अधिकारियों के

मुताबिक शुक्रवार की दोपहर करीब 12 बजे तक कुल 9247 यात्रियों को सोन प्रयाग से केदारनाथ धाम के लिए रवाना किया गया. इसी प्रकार बदरीनाथ धाम में भी करीब 10 हजार श्रद्धालुओं ने हाजिरी लगाई. सोनप्रयाग में यात्रा के लिए तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट अरुण राणा के मुताबिक चार धाम यात्रा के दौरान लगातार मौसम की निगरानी कराई जा रही है. मौसम की चाल को देखते हुए विभिन्न पड़ावों से यात्रियों को आगे के लिए रवाना किया जा रहा है. अधिकारियों के मुताबिक गुप्तकाशी से गौरीकुंड के रास्ते में करीब छह हजार यात्री रात्रि प्रवास कर रहे थे. उधर, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक सोनप्रयाग से केदारनाथ के लिए रवाना हुए 1795 यात्रियों के स्वास्थ्य की जांच की गई है. इनमें से आवश्यकता के मुताबिक 34 यात्रियों को ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है. इस प्रकार यात्रा शुरू होने के बाद से लेकर अब तक कुल 21614 यात्रियों के स्वास्थ्य की जांच कराई गई है. यह सभी यात्री अपनी यात्रा के दौरान बीमार होने की शिकायत दी थी. इनमें 609 यात्रियों को ऑक्सीजन की सुविधा देनी पड़ी है. सीएमओ के मुताबिक पूरे यात्रा मार्ग व केदारनाथ धाम में चिकित्सक व पैरामेडिकल स्टॉफ की तैनाती की गई है. अधिकारियों के मुताबिक बदरीनाथ धाम में भी श्रद्धालुओं का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है. अब तक यहां डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंच चुके हैं. 27 मई को बदरीनाथ धाम के कपाट खुलते के बाद से लेकर अब तक औसतन 10 हजार लोग बदरीनाथ धाम पहुंचे हैं. जबकि इन्हीं दिनों में बारिश और बर्फबारी की वजह से यात्रा बाधित भी हुई है.

चीरघर जमीन घोटाले में आईएएस इच्छित गढ़पाले और इंजीनियर एनएस बघेल पर आरोप सिद्ध

भोपाल, 12 मई अप्रैल (एजेंसियां)। चीरघर जमीन में हुई बंदरबांट पर भोपाल लोकायुक्त ने तीन साल बाद तात्कालिक आयुक्त इच्छित गढ़पाले और ईई एनएस बघेल पर एफआईआर दर्ज की है। सीटीसीएल के नाम पर आरोपियों पर सरकारी जमीन का दुरुपयोग कर ठेकेदार को लाभ पहुंचाने का आरोप लोकायुक्त की जांच में सिद्ध हो चुका है। नजूल की जिस जमीन का उपयोग सार्वजनिक प्रयोजन के लिए किया जाना था। उसका व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। इस मामले में अधिकारियों के बाद अब समिति में शामिल बाकी लोगों पर भी कार्रवाई तय मानी जा रही है। जमीन से जुड़ा अब तक का ये सबसे बड़ा घोटाला है। भोपाल जिला जेल के पीछे स्थित नजूल की जमीन नगर निगम को सार्वजनिक उपयोग के लिए प्रदान की गई थी। लेकिन अधिकारी इस जमीन पर पीपीपी मोड से व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स का निर्माण करवा रहे थे। इसकी एवज में निगम को महज 10 करोड़ रुपये दिए जा रहे थे। जमीन के इस बड़े घोटाले में अधिकारियों से लेकर नेताओं की सीधी मिलीभगत थी। शिकायत पर जांच का जिम्मा भोपाल लोकायुक्त को दिया गया था। सालों से चल रही जांच के बाद लोकायुक्त अधिकारियों ने माना कि तात्कालिक निगम आयुक्त गढ़पाले और ईई बघेल ने निर्माण में नियमों की खुली अवहेलना की। साथ ही निर्माण ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई कमेटी को अपने स्तर पर बदलने का प्रयास किया। लोकायुक्त ने शुरुआती जांच के आधार पर तात्कालिक कमिश्नर गढ़पाले और ईई बघेल पर धारा 7 (ग) के तहत मामला दर्ज किया है।

जेल में बंद आईएएस पूजा सिंघल की 82 करोड़ की संपत्ति सीज

रांची, 12 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने मनरेगा घोटाले में निलंबित चल रही झारखंड की आईएएस अफसर पूजा सिंघल की 82 करोड़ की संपत्ति को स्थायी रूप से जब्त कर लिया है। इन संपत्तियों में एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, एक डॉयग्नोस्टिक सेंटर, प्लांट और मशीनरी के साथ ही रांची में जमीन के दो प्लॉट शामिल हैं। ईडी ने झारखंड पुलिस और सतर्कता ब्यूरो, झारखंड द्वारा दर्ज कई एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग जांच शुरू की थी। जांच से पता चला कि मनरेगा घोटाले से की गई काली कमाई की रकम

पूजा सिंघल और उसके रिश्तेदारों से संबंधित विभिन्न बैंक खातों में जमा की गई थी और इस धन का उपयोग संपत्तियों में खरीद/निवेश के लिए भी किया गया था। ईडी ने पूजा सिंघल की संपत्तियों, जिनमें पल्स अस्पताल, पल्स डायग्नोस्टिक सेंटर और अन्य चीजें शामिल हैं, को अस्थायी रूप से अटैच किया था। अब न्यायिक प्राधिकरण ने इसे स्थायी रूप से अटैच करने का आदेश दिया गया है। इसके बाद अब पल्स अस्पताल में आने वाला पैसा ईडी के खाते में जमा होगा। पूजा सिंघल ने अपने पद का दुरुपयोग करके कथित तौर पर बेहिसाब पैसा कमाया था। जांच में ईडी ने पाया था कि पूजा सिंघल ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित की थी, जो इस पैसे ही मदद से खरीदा गया था। जांच के दौरान ईडी ने 6 मई, 2022 को पूजा सिंघल और उनके सहयोगियों के ठिकानों की तलाशी ली थी। इस दौरान 19.76 करोड़ की रकम मिली थी, जिसे जब्त कर लिया गया था। अब इन सभी संपत्तियों को स्थायी रूप से जब्त कर लिया गया है। पूजा सिंघल को 11 मई, 2022 को ईडी द्वारा गिरफ्तार किया गया था। जुलाई में उनके और छह अन्य लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत शिकायत दर्ज की गई थी। 31 अक्टूबर, 2022 को न्यायिक प्राधिकरण ने जब्त की गई नकदी के साथ-साथ अन्य जब्त की गई वस्तुओं को रखने की अनुमति दी थी। सुप्रीम कोर्ट से किसी तरह की राहत मिलने से इनकार के बाद पूजा सिंघल वर्तमान में होटवार जेल, रांची में बंद हैं। आगे की जांच चल रही है।

ईडी के छापे के बाद सुरेंद्र संघवी और पुत्र प्रतीक हिरासत में, मद्दा के ठिकानों की भी जांच

इंदौर, 12 मई अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के भूमाफिया सुरेंद्र संघवी और दीपक मद्दा के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को छापा मारा। ईडी ने आरंभिक जांच के बाद पूछताछ के लिए सुरेंद्र संघवी व उसके पुत्र प्रतीक संघवी को हिरासत में ले लिया। मद्दा पहले से ही जेल में है। संघवी अयोध्यापुरी जमीन घोटाले का मुख्य आरोपी है और दो साल पहले पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए घर पर छापा मारा था। तब प्रशासन ने संघवी के खिलाफ जमीन घोटाले को लेकर छह प्रकरण दर्ज कराए थे। तब ईडी को भी जमीन और घोटाले में काली कमाई की लिंक मिली थी और अफसरों ने घोटाले से जुड़ी फाइल भी मंगाई थी। माना जा रहा है कि जमीन घोटाले से जुड़े मामले में संघवी और दीपक मद्दा के यहां ईडी की टीम जांच के लिए पहुंची। सुबह ईडी की टीम सुरेंद्र संघवी के दफ्तर, बंगले और अन्य ठिकानों पर छापा मारने पहुंची। संघवी के साथ दीपक मद्दा भी ईडी के निशाने पर हैं। फिलहाल दीपक मद्दा जेल में है। ईडी के अफसर जमीन के दस्तावेजों के अलावा बैकों में जमा राशि, परिवार के लोगों के नाम पर खरीदी गई जमीन की जानकारी भी खंगाल रहे हैं। कांग्रेस नेता पंकज संघवी के बड़े भाई सुरेंद्र संघवी का जमीनों का कारोबार है। जमीन कारोबार में मनी लांड्रिंग के सबूत मिलने के बाद ईडी ने ठिकानों पर छापा मारकर सबूत इकट्ठा किए। छापे में बायपास और ग्रामीण क्षेत्रों की जमीनों से जुड़े दस्तावेज मिले है। अब अफसर सुरेंद्र और उसके साथियों से पूछताछ करेंगे। संघवी परिवार ने 25 साल पहले एलआईजी चौराहे पर अवैध रूप से विशाल राज टॉवर भी बना दिया था, जो कांग्रेस शासनकाल में विस्फोट लगाकर उड़ाई गई थी। भूमाफिया सुरेंद्र संघवी, दीपक मद्दा व अन्य का जमीनों के मामले में गठजोड़ है। इन लोगों ने पुष्पविहार, अयोध्यापुरी व सहकारी संस्थाओं की जमीनें सस्ते दामों पर खरीदी। हीना पैलेस कॉलोनी में भी संघवी और मद्दा ने करोड़ों के खेल किए। उनके साथ भूमाफिया बब्बू-छब्बू का नाम भी तब आया था। इन भूमाफियाओं को आपस में करोड़ों का लेन-देन होता था। दो साल पहले सुरेंद्र के अलावा उसके बेटे प्रतीक और दीपक मद्दा के खिलाफ धोखाधड़ी का केस भी दर्ज हो चुका है। दीपक लंबे समय से फरार चल रहा था। चार माह पहले ही पुलिस की गिरफ्त में आया है।

पंजाब में औद्योगिक जमीन के लिए इस्तेमाल होगा हरे रंग का स्टांप पेपर सीएम भगवंत मान ने किया एलान

चंडीगढ़, 12 मई अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब सरकार ने शुक्रवार को उद्योग जगत के लिए एक बड़ा फैसला लिया। पंजाब में औद्योगिक जमीन के लिए अब ग्रीन कलर का स्टांप पेपर इस्तेमाल किया जाएगा। सीएम भगवंत मान ने इसका एलान किया। उन्होंने ट्वीट किया-आज हम एक ऐतिहासिक फैसला लेने जा रहे हैं जिससे उद्योग जगत को बड़ी राहत मिलेगी और पंजाब में निवेशकों को मुश्किलों और भ्रष्टाचार से मुक्ति मिलेगी... ऐसा करने वाला पंजाब देश का पहला राज्य होगा जो दूसरों को भी प्रेरित करेगा।

मोती की खेती में लागत से 3-4 गुना मुनाफा:10,000 वर्ग फीट तालाब में किसान ने डाले 50 हजार सीप

दमोह, 12 मई (एजेंसियां)। खेती-किसानी में बेहतर मुनाफे के लिए युवा नई-नई तकनीक अपना रहे हैं। बुंदेलखंड के दमोह जिले में भी एक युवा ने ऐसी ही नई तकनीक से मोतियों की खेती शुरू की है। बिलाई गांव में रहने वाले आलोक अहिरवाल ने 10,000 वर्ग फीट में 10 फीट गहरा तालाब बनाकर मोतियों की खेती शुरू की है। 4 महीने पहले सीप की सर्जरी कर उन्हें तालाब में जालियों के सहारे डाला गया। अब आने वाले 10 महीने में इन सीप के अंदर दो-दो मोती तैयार हो जाएंगे। जिन्हें अनुबंध करने वाली कंपनी खुद खरीदेगी। खेती करने के लिए तालाब में 50 हजार सीप डाली गई है। इनमें से प्रत्येक सीप के अंदर दो मोती पैदा होंगे। कुछ मोती खराब हो सकते हैं, लेकिन बाकी सब ठीक निकलते हैं। इस एक मोती की बाजार में 100 रुपए कीमत होती है, कंपनी ने 100 रुपए मोती के हिसाब से अनुबंध किया है। इसके अलावा यदि बाजार में अलग से और बेहतर कीमत मिल सकती है तो मैं बाजार में भी इन मोतियों को बेचा जा सकता है। आलोक का कहना है कि करीब 4 महीने पहले उन्होंने सीप की सर्जरी कर उन्हें तालाब में छोड़ा था। करीब 10 महीने बाद उनकी सीप में मोती बनकर तैयार हो जाएंगे। यानी करीब 12 से 14 महीने में उन्हें अपनी फसल का मुनाफा मिल जाएगा। मोतियों के उत्पादन के लिए अक्टूबर और दिसंबर का महीना सबसे सही माना जाता है। प्राकृतिक तरीके से मोती तैयार करने पर लगभग एक साल लग जाता है। तालाब में सीप को नेट में बांधकर रस्सियों के सहारे लटकाया जाता है। लेबल बनाने के लिए पानी की बोतल भी लटकाई जाती है। डेली दिन में ऑक्सीजन जनरेटिंग प्लांट 3 से 4 घंटे चालू रखना पड़ता है, जिससे पानी में ऑक्सीजन बना रहे। आलोक अहिरवाल बताते हैं कि मोती की खेती में ज्यादा परेशानी नहीं होती, लेकिन कंपनी के कहे अनुसार सीप की खुराक, समय पर पानी बदलना, ऑक्सीजन जनरेटर को समय-समय पर चलाना यह सब आवश्यक होता है। समय पर खाना देना भी आवश्यक है, इसके लिए कंपनी के द्वारा एक केमिकल दिया गया है जो तालाब के अलग-अलग हिस्सों में घोल बनाकर डाल दिया जाता है। इसके अलावा और कोई खास मेहनत नहीं होती है। यदि ठीक से देखभाल हो, तो मुनाफा तय है। मोतियों की खेती करने वाले युवा आलोक का कहना है कि बुंदेलखंड में जमीन की कमी नहीं है। लोगों के पास पर्याप्त जमीन है, लेकिन आधुनिक तकनीक की खेती करने में बुंदेलखंड के लोग पीछे हैं। मैंने एक दिन बैठे-बैठे विचार किया कि मुझे भी कुछ नया करना चाहिए। मैंने सीप की खेती करने का विचार किया और यूट्यूब और गूगल के माध्यम से जानकारी एकत्रित की। इसी माध्यम से एक कंपनी से संपर्क हुआ।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 13 मई- 2023

धमाकों से दहशत

जिस तरह से अमृतसर में स्वर्णमंदिर के आसपास पांच दिनों में तीन धमाके हुए है उससे पूरे शहर में दहशत का माहौल है। देर से ही सही लेकिन पुलिस भी नींद से जाग गई है और ताबडतोड छापेमारी कर पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि स्वर्णमंदिर के पास पहला विस्फोट लगभग एक हफ्ते पहले शनिवार को हुआ था, फिर सोमवार को और अब गुरुवार को तड़के हुआ। पहले धमाके पर पुलिस की दलील थी कि रसोई की चिमनी में विस्फोट हुआ है इसलिए किसी को घबिराने की जरूरत नहीं है। इस दलील के साथ ही इस धमाके को नजरअंदाज कर दिया गया था। दूसरे विस्फोट के बाद भी पुलिस के कान पर जूं तक नहीं रेंगी, जबकि वह पहले वाले धमाके से अधिक ताकतवर था। जब पांचवे दिन तीसरा विस्फोट हुआ तब जा कर पुलिस के कान खडे हुए। हालांकि पुलिस अब भी दलील दे रही है कि आरोपी पटाखे बनाने वाली सामग्री से विस्फोट कर दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन धमाका करने वाला का असल इरादा क्या है, यह अभी खुलासा करने में पुलिस हाथ खाली हैं। देखा जाए तो संवेदनशील माने जाने वाले पंजाब में पिछले कुछ समय से उपद्रवी तत्त्व लगातार सक्रिय हैं। ऐसे में अलगाववादी तत्त्व फिर सिर उठाते देखे जा रहे हैं। खालिस्तान की मांग तेज होने लगी है। कुछ दिनों पहले ही वारिस पंजाब दे संगठन के अमृतपाल सिंह ने खालिस्तान की मांग उठाते हुए वहां की सुरक्षा व्यवस्था को तार-तार कर दिया था। पकडे जाने के बाद भी वह पुलिस चकमा दे कर भाग निकला था और काफी मशक्कत के बाद वह पुलिस की गिरफ्त में आ सका। इन सबके बावजूद, स्वर्ण मंदिर जैसी संवेदनशील जगह पर विस्फोट के बाद भी पंजाब पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रही है। पंजाब पाकिस्तान से बिल्कुल लगा हुए सीमावर्ती राज्य है, ऐसे में आतंकी गतिविधियों के लिहाज से वह काफी संवेदनशील राज्य माना जाता है। अमृतसर में इस लिहाज से और चौकसी की जरूरत है। स्वर्ण मंदिर परिसर, दुर्गयाना मंदिर के साथ ही उसके आसपास के इलाके में विशेष तौर पर कड़ी नजर रखी जाती है। फिर भी कुछ शरारती तत्त्व स्वर्ण मंदिर के आसपास विस्फोटक तैयार करने व उसे विस्फोट करने में कैसे कामयाब हो जा रहे हैं, यह चिंता का विषय है। शुरुआती पडताल से पता चल रहा है कि वे ताकतवर विस्फोटक तैयार करने का प्रयोग कर रहे थे। जाहिर है, उन्हें नौसिखिया और सिरफिरा कह कर नजरंदाज नहीं कर सकते। इससे उनका मकसद स्पष्ट दिखाई दे रहा है। पंजाब पुलिस की शिथिलता का ही नतीजा है कि वे तीन बार विस्फोट करने में कामयाब हो गए। पुलिस ने उनके पास से कुछ पर्चे और मोबाइल फोन से संदेश इकट्ठा किए हैं, उससे उनको संचालित करने वाले सरगनाओं तक पहुंचने में काफी मदद कर सकता है। उनका मकसद क्या है और उन्होंने क्यों स्वर्ण मंदिर को दहशत फैलाने की जगह के रूप में चुना, यह सब अभी खोज का विषय है। आखिर कौन नहीं जानता कि स्वर्ण मंदिर पहले ही खालिस्तान आंदोलन के समय अलगाववादियों का ठिकाना रह चुका था। हालांकि अब न तो पहले जैसा स्थानीय लोगों का उस आंदोलन को समर्थन है और न ही इस आंदोलन के जोर पकड़ने की कोई गुंजाइश नजर आती है। फिर भी कनाडा आदि देशों में बैठे कुछ आपराधिक वृत्ति के लोग सिख भावनाओं को भड़काने का प्रयास करते रहते हैं और उनके तार पाकिस्तान से भी जुड़े हुए हैं। इसलिए ज्यादा खतरा पाकिस्तानी दहशतगर्दों को पंजाब में अपनी साजिशों को अंजाम देने का रहता है। पंजाब पुलिस भी इस तथ्य से पूरी तरह अवगत है। फिर भी वह कैसे इतनी लापरवाही बरत रही है कि कुछ उपद्रवी तत्त्व धमाके करने, सिख पंथ के नाम पर लोगों को भड़काने आदि जैसी गतिविधियों को अंजाम दे कर चैन की नींद सो रहे हैं। सवाल खुफिया एजंसियों की सक्रियता पर भी उठता है कि उन्हें ऐसी गतिविधियों की भनक तक कैसे नहीं मिल पा रही है। सवाल है कि क्या खुफिया तंत्र में अब वह पैनापन नहीं रह गया है जिसके लिए वह मशहूर हुआ करता था।

पाकिस्तान में अराजकता

पाकिस्तान में कितने ही सत्ता परिवर्तन हुए, लेकिन हर बार फ़ौज भारी ही पड़ी। यह पहला मौक़ा है जब देशभर की जनता आगे आ गई और उसके सामने सत्ता हथियाने में माहिर वहाँ की शक्तिशाली सेना बौनी पड़ गई है। सैनिकों के सामने लोग उँगली बता- बताकर उनके ख़िलाफ़ नारेबाज़ी कर रहे हैं। उन्हें वाहनों से उतार- उतार कर पीट रहे हैं। पत्थरबाज़ी कर रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ़्तारी फ़ौज और सत्ता को इतनी महँगी पड़ेगी, यह इन दोनों ने कभी सोचा भी नहीं होगा।

न सेना ने, न सत्ता ने। हालात ये हैं कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ़ का एक घर लोगों ने फूंक डाला है। देश के लगभग सभी शहरों में कर्फ़्यू लगा हुआ है या निषेधाज्ञा। कोई किसी की सुनने को तैयार नहीं है। ट्रेनें बंद हैं। आवाजाही प्रतिबंधित है। हवाई सेवा भी पूरी तरह ठप पड़ी है। इस घटना ने इमरान खान को पाकिस्तान का अब तक का सबसे पॉपुलर लीडर घोषित कर दिया है। इतना पॉपुलर, कि कहा जा सकता है कि पाकिस्तान में आज चुनाव करवा लिए जाएँ तो अस्सी-नब्बे प्रतिशत सीटें उनकी ही पार्टी को मिलें! दरअसल, इमरान ने सुनवाई के लिए कोर्ट जाते समय एक वीडियो बनाकर वायरल किया था। इस वीडियो में इमरान कह रहे हैं कि आज मैं सुनवाई के लिए जा रहा हूँ। हो सकता है कभी वापस न आ सकूँ। उन्होंने सेना के एक लेफ़्टिनेंट कर्नल का नाम लेकर कहा कि वह मेरी हत्या करना चाहता है। हो सकता है आज ही मुझे गिरफ्तार कर ले और मार भी डाले! इत्तफ़ाक़ से इमरान को गिरफ्तार करने वाली यूनिट का कमांडर भी यही लेफ़्टिनेंट कर्नल है। इमरान की गिरफ़्तारी को सेना की साज़िश कहा जाए या सरकार का षड्यंत्र, लेकिन इतनी बड़ी घटना के वक्त न तो वहाँ के सेना प्रमुख देश में मौजूद हैं और न ही प्रधानमंत्री। निश्चित ही इसके पीछे कोई तो प्लानिंग होगी ही। बहरहाल, इमरान की गिरफ़्तारी करके सेना बुरी तरह फँस चुकी है, क्योंकि इस घटनाक्रम से इमरान की पॉपुलैरिटी तो बढ़ी ही है, पाकिस्तान की राजनीति में उनका क़द भी काफ़ी बढ़ गया है।

दूसरी तरफ़ यहाँ का आम आदमी मोहताज है। लोगों को गैस सिलेंडर तक नहीं मिल पा रहे हैं। रोटी के लाले हैं। महंगाई ने पहले से ही कमर तोड़ रखी है। पूरे देश में अराजकता फैली है। सेना के पास अब सब कुछ सहन करते हुए मार्शल लॉ लागू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। इसी की तैयारी भी की जा रही है, लेकिन कब तक? अगर लोगों का उग्र आंदोलन इसी तरह जारी रहा तो सेना मार्शल लॉ को भी लम्बे समय तक लागू नहीं कर सकेगी। फिर दुनियाभर का राजनीतिक या रणनीतिक दबाव पाकिस्तान को मुख्यधारा में लौटने पर विवश कर देगा यानी चुनाव की राह पर लाएगा। ऐसे में इमरान की जीत के अलावा यहाँ कोई विकल्प शायद ही बचा है।

आज के रिजल्ट से तय होगी भाजपा के चुनाव की रणनीति

अशोक भाटिया

भाजपा का सबसे मजबूत गढ़ गुजरात को माना जाता है तो वहीं मध्य प्रदेश को भाजपा और संघ परिवार की प्रयोगशाला के रूप में जाना जाता है। गुजरात में भाजपा 1995 से लगातार चुनाव जीत रही है। इसके बावजूद भाजपा आलाकमान ने चुनाव से लगभग 14 महीने पहले सितंबर 2021 में बहुत ही शांति से मुख्यमंत्री समेत पूरी सरकार का चेहरा बदल दिया था। 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 182 में से 156 सीटों पर जीत हासिल कर नया रेकॉर्ड बना दिया। खास बात ये है कि गुजरात की वर्तमान विधान सभा में 105 नए चेहरे हैं।अब भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक में विधानसभा चुनावों के लिए ₹गुजरात मॉडल₹ अपनाने के लिए अपने मौजूदा विधायकों की बड़ी संख्या को नए चेहरों के साथ बदल दिया । भाजपा चुपचाप कर्नाटक में अब तक जाति-प्रधान चुनावों के दृष्टिकोण में आमूल-चूल परिवर्तन पर काम कर एक नए ₹विकल्प₹ की पेशकश की लोगों में से चुनने के लिए।भाजपा हाई कमान ने कर्नाटक विधानसभा के लिए अपने प्रत्याशियों की जो सूची अब तक जारी की उसने एक बड़ा संकेत दिया । कर्नाटक में अपनी सत्ता को बनाए रखने के लिए उसने जो फैसले लिए हैं, उन्हें उन राज्यों के लिए एक संदेश माना जाना चाहिए जो इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव से गुजरने वाले हैं। इन राज्यों में सबसे पहला नाम मध्यप्रदेश का है। सब जानते हैं कि 2018 के चुनाव में भाजपा ने तीन राज्यों राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में अपनी सरकारें गंवाई थीं। उसके लिए सबसे बड़ा झटका मध्यप्रदेश से आया था, जहां बहुत ही कम अंतर से उसकी हार हुई थी। छत्तीसगढ़ में भाजपा की बहुत ही बुरी हार हुई थी। जबकि राजस्थान की जनता ने हर चुनाव में सरकार बदलने का अपना फैसला बरकरार रखा था।यह अलग बात है कि कांग्रेस में आंतरिक कलह की वजह से हार के करीब सवा साल बाद भाजपा ने मध्यप्रदेश में फिर से सत्ता हासिल कर ली थी। मजे की बात यह है कि कांग्रेस में विभाजन के जरिए सत्ता पाने के बाद भाजपा नेतृत्व ने उन्हीं शिवराज सिंह को मुख्यमंत्री बनाया, जिनकी अगुवाई में वह चुनाव हारी थी। उधर कांग्रेस आज भी यह आरोप लगाती है कि पैसे के बल पर उसकी सरकार गिराई गई। उसके विधायक खरीदे गए थे। उसके निशाने पर सिर्फ और सिर्फ शिवराज सिंह ही हैं। राजनीतिक क्षेत्रों में यह माना जा रहा था कि भाजपा नेतृत्व कर्नाटक में ऐसे फैसले नहीं करेगा जो स्थानीय नेताओं को अच्छे न लगें। क्योंकि दक्षिण में कर्नाटक ही वह राज्य है जिसमें वह सरकार बनाने में सफल हो पाई है। इसके लिए उसने अपने तमाम सिद्धांतों से समझौते किए थे और अब भी कर रही है। लेकिन इस बार उसने ऐसा किया नहीं। कर्नाटक विधानसभा के लिए प्रत्याशियों की सूची यह बता रही है कि अब भाजपा का लक्ष्य सत्ता हासिल करना है, नेताओं को साधे रखना नहीं।हालांकि यह भी कहा जा सकता है कि भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गए वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री की पसंद का पूरा ख्याल रखा गया है। साथ ही कई बड़े नेताओं को घर बैठा दिया गया है। यही वो बात है जिसे मध्यप्रदेश के लिए खास संदेश माना जा रहा है। दरअसल, कांग्रेस के एक धड़े को साथ लेकर सरकार बनाते समय भाजपा ने अपने कई बड़े नेताओं को मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया था। ऐसा करना उसकी संवैधानिक मजबूरी भी थी और सरकार में रहने का लालच भी। क्योंकि जिनकी मदद से उसने सत्ता हासिल की थी, उन्हें सत्ता में हिस्सा देना पहली शर्त थी।पिछले तीन साल में मध्यप्रदेश में भाजपा के भीतर बहुत कुछ बदला है। पुरानी पीढ़ी के कई नेताओं को घर बैठा दिया गया है। जो विधानसभा के सदस्य हैं, उन्हें मंत्रिमंडल में नही लिया गया। वहीं, जो मंत्री हैं, उनके लिए आगे का रास्ता बंद करने की तैयारी सार्वजनिक हो चुकी है। वरिष्ठ नेताओं की अगली पीढ़ी को परिवारवाद के नाम पर आगे आने से रोकने की व्यवस्था की जा चुकी हैआज प्रदेश में हालत यह है कि संगठन प्रभावहीन हो चुका है। दावे चाहे जो किए जाएं लेकिन पार्टी कार्यकर्ता उदासीन हैं। नेता अपने ही भविष्य को लेकर चिंतित है। उन लोगों को रूठे लोगों को मनाने का काम सौंपा गया है जो खुद उपेक्षित रहे हैं या यूं कहें कि खुद रूठे हुए हैं।सत्ता को बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री ने 'खाली' खजाने का मुंह खोल रखा है। हर संभव कोशिश वे अपनी ओर से कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेश में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री बने रहने का रेकॉर्ड भी बना लिया है। लेकिन यह कड़वा सच है कि 5 साल पहले उनकी अगुवाई में ही भाजपा चुनाव हारी थी। ऐसे में अब कर्नाटक में जो फैसले भाजपा ने लिए हैं वे मध्यप्रदेश के लिए एक बड़ा संकेत हैं। मध्यप्रदेश की 230 विधानसभा सीटों में से 126 उसके पास हैं। इनमें वे विधायक भी शामिल हैं जो मूल रूप से कांग्रेसी हैं। उन्होंने भगवा पट्टा भले ही डाल लिया है लेकिन तीन साल बाद भी खुद को भाजपा के अनुरूप ढाल नहीं पाए हैं।यह बात नेतृत्व अच्छी तरह जानता है। ऐसे में चुनाव के लिए प्रत्याशियों की सूची बनाते समय उसके सामने कई चुनौतियां होंगी। यह भी तय है कि अपनी नर्सरी कहे जाने वाले मध्यप्रदेश में सत्ता में बने रहने के लिए वह कुछ भी करेगी।कर्नाटक को नजीर मान कर देखा तो यह तय है कि यहां कम से कम एक तिहाई नए चेहरे तो सामने लाए जाएंगे। ऐसे में आज जो 126 हैं, उनमें से भी कई को बदला जाएगा। साथ ही उन नेताओं को भी विश्राम दिया जाएगा जो अभी तक अपरिहार्य माने जाते रहे हैं। यह आसान काम नहीं होगा। यह बात सब जानते है लेकिन कर्नाटक को उदाहरण माना जाए तो यहां बहुत कुछ बदल जाएगा। यही प्रबल संभावना है कि गुजरात फॉर्म्युला अपनाकर जीत की कोशिश की जाए। लेकिन ऐसा करने से पार्टी को नुकसान नहीं होगा, इस बात की गारंटी कोई नहीं दे सकता है पर चूँकि कर्नाटक में यह प्रयोग अपनाया गया है उसका रिजल्ट आज मालूम पड़ जायेगा । वैसे जब पार्टी सत्ता में रहने के लिए कुछ भी कर सकती है तो उसके नेता खुद को सत्ता में बनाए रखने के लिए कुछ नहीं करेंगे, यह मानना बेमानी होगा।फिलहाल यह साफ है कि कर्नाटक के बदलाव ने यह बता दिया है कि मध्यप्रदेश में कुछ भी किया जा सकता है। अब देखना यह होगा कि कितने नेता ऊपर के आदेश को चुपचाप मान लेंगे और कितने आदेश से 'ऊपर उठ' जाएंगे! क्योंकि अब 'निष्ठा' और 'शुचिता' जैसे शब्द अपने मानी खो चुके हैं। भाजपा भी अटल-आडवाणी युग से काफी आगे निकल आई है। जैसा कि हम शुरू से बता रहे है कि कर्नाटक चुनाव से निपटने के बाद ऑपरेशन मध्यप्रदेश शुरू होगा। इस ऑपरेशन में एक ही टार्गेट होगा, वह है जीत का! इस जीत के लिए नीति, निष्ठा और नैतिकता को दरकिनार किया जा सकता है। वैसे भी भाजपा इनका परित्याग कर ही चुकी है।गौरतलब है कि भाजपा ने मध्यप्रदेश में 2003, 2008 और 2013 के लगातर तीन विधानसभा चुनावों में जीत हासिल कर अपनी सरकार बनाई थी लेकिन 2018 में हुए पिछले विधान सभा चुनाव में कांग्रेस ने उसे सत्ता से बाहर कर दिया था। 2018 के चुनाव में भाजपा को कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और ज्योतिरादित्य सिंधिया की तिकड़ी ने 109 पर ही रोक दिया था। राज्य की कुल 230 सदस्यीय विधान सभा में 114 पर जीत हासिल कर, कांग्रेस ने अन्य दलों के सहयोग से सरकार बनाकर उस समय भाजपा को एक बड़ा राजनीतिक झटका दे दिया था। चुनाव हारने के बाद भाजपा ने शिवराज सिंह चौहान को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बना दिया, लेकिन 15 महीनों बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत के कारण कमलनाथ सरकार गिर गई। राज्य में दोबारा भाजपा की सरकार बनी।

बदलाव की तमाम अटकलों के बीच तत्कालीन राजनीतिक परिस्थितियों के कारण पार्टी आलाकमान ने शिवराज सिंह चौहान को फिर से राज्य का मुख्यमंत्री बना दिया था। कुछ महीनों बाद राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव और अगले वर्ष होने वाले लोक सभा चुनाव को देखते हुए पार्टी आलाकमान अब बदलाव का मूड पूरी तरह से बना चुका है।सूत्रों की माने तो भाजपा आलाकमान के पास मध्य प्रदेश के विधायकों, मंत्रियों और सरकार के कामकाज की विस्तृत रिपोर्ट है। जानकारी के मुताबिक, पार्टी के 70 से ज्यादा विधायकों और एक दर्जन से ज्यादा मंत्रियों की रिपोर्ट अच्छी नहीं है और इसने आलाकमान को चिंता में डाल दिया है।हालांकि इससे पहले पार्टी प्रदेश में छिटपुट बदलाव करती रही है।

मोदी के विकास कार्य विरोधियों को रास नहीं आ रहे

डा सूर्य प्रकाश अग्रवाल

भारतीय जनता पार्टी के नरेन्द्र मोदी ने प्रथम बार लोकसभा सांसद चुने जाने पर 26 मई 2014 को शपथ लेकर भारत के प्रधानमंत्री पद का कार्यभार ग्रहण किया तथा तभी से वे निरन्तर बिना एक दिन की छुट्टी लिए चैबीस घंटे देश के विकस की चिन्ता करते हुए सैकड़ों विकास प्रेरित कार्य करते आ रहे है। तभी से वे अपने देशी व विदेशी विरोधियों की आंख की किरकिरी बने हुए है। उनके प्रति निरन्तर षड़यंत्र रचे जाते रहे है। परन्तु मोदी विरोध की चिन्ता किये बगैर अपने विकास के कार्य में लगे हुए है। षडयंत्रकारियों को निरन्तर सफलता नहीं मिल रही है और उन्हें मूंह की खानी पड़ रही है। हिजाब मोदी विरोधियों के षड़यंत्र का हिस्सा बन गया और हिन्दुओं को असहिष्णु तथा मुसलमानों को पीड़ित बताया गया। षड़यंत्रकारी मोदी विरोध में भारत के लोकतंत्र को ही एक अंधेरी गली में धकेलते रहने का प्रयास करते है जिससे देश में अराजकता का महोल बन जाये परन्तु मोदी ने कार्य भार ग्रहण करते ही यह सोच लिया था कि उनका विरोध कहां कहां से हो सकेगा और उन्हीं बिन्दुओं पर मोदी ने अपना होमवर्क कर लिया होगा। देश की सीमा को लेकर दबाब बनाया गया परन्तु मोदी ने सेना रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का मंत्र दे दिया तथा सेना को हथियारों तथा तकनीकी से लैस कर दिया। नागरिकता संशोधन कानून को विरोधियों ने देश में अराजकता तथा साम्प्रदायिकता फैलाने के लिए प्रयोग किया। राम मंदिर अयोध्या के मामले को विरोधियों ने पकड़ा परन्तु उसको उच्चतम न्यायालय ने महत्वहीन कर दिया। उसके बाद जम्मू व कश्मीर में अनुच्छेद 370 के उन्मूलन को निष्प्रभावी करने का प्रयत्न किया गया। भारतीय जनता पार्टी के लिए 370 व राम मंदिर मूल मुददा था तथा इन पर देश की जनता ने मोदी का साथ दिया तथा विरोधियों के सारे हथकंड़े धरे के धरे रह गये। सीएए पर दिल्ली में दंगा कराया गया तथा अराजकता पैदा की गई। किसानों की स्थिति में सुधार के लिए लाये गये तीन कृषि कानूनों को लाया गया परन्तु किसानों को भड़का दिया गया तथा दिल्ली की सीमाओं पर महिनों तक तम्बू तान कर किसानों ने आंदोलनरत रह कर दिल्लीवासियों को त्रास दिया। बाद में मोदी ने भारी मन से विकास के लिए बनाये गये कृषि के कानूनों को वापस ले लिया। गणतंत्र दिवस पर लाल किले की घटना से दिल्ली में भयानक आराजकता की स्थिति पैदा की गई परन्तु केन्द्र सरकार ने बड़ी कुशलता से उसे प्रभावहीन कर दिया। एक वर्ष से अधिक समय तक किसान दिल्ली की सीमाओं पर जमे रहे और भारत का देश व विदेश में बड़ी मात्रा में विरोध कर भारत के प्रति दुष्प्रचार कर भारत के सम्मान को विदेशों में ठेस पहुंचाने का भरसक प्रयास किया गया। मोदी जी देश को जोड़ने व विकसित करने के लिए जो भी कर रहे थे वे सभी पंथनिरपेक्षता तथा अल्पसंख्यकों के अधिकारों की चिन्ता करते हुए प्रगट किये गये। परन्तु मोदी के प्रति संदेह का माहौल बनाया गया। विरोध में देश व विदेशी ताकतों ने मोदी को कमजोर करने अथवा उनके अनुसार चलाने अथवा उन्हें सत्ता से बाहर करने का कार्य किया परन्तु मोदी ने बहुत कड़ी व कठिन चुनौती को स्वीकार किया। परन्तु मोदी ने वोट की चिन्ता नहीं करते हुए देश के विकास की चिन्ता की। भारत के सम्मान को विश्व में ऊंचा उठाने की ओर भरपूर ध्यान दिया।मोदी के द्वारा उठाये गये अद्वितीय कदमों के द्वारा ही विश्व के 25 सबसे ताकतवर देशों में भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। प्रथम अमेरिका व द्वितीय रुस है। वन नेशन वन टैक्स की तर्ज पर जीएसटी की मासिक जमा राशि 1.4 - 1.5 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई है। बड़ा सौर ऊर्जा संयन्त्र लगाने में भारत को विश्व में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। सौर ऊर्जा का उत्पादन 2017-18 में दो गुना हो गया जिससे पैट्रोल निर्यातक देश पेरशान है। भारत की जीड़ीपी कोरोना काल के बाद भी 8.2 प्रतिशत है जबकि चीन का 6.7 प्रतिशत तथा अमेरिका का 4.2 प्रतिशत है। भारत जल, थल तथा आकाश तीनों क्षेत्रों में सुपरसोनिक मिसाइल दागने वाली विश्व का प्रथम देश बन गया। मोदी के द्वारा उठाये गये कदमों से दुश्मन राष्ट्र पाकिस्तान कंगाल हो गया क्योंकि भारत में नोटबंदी का प्रभाव पाकिस्तान पर पड़ा क्योंकि पाकिस्तान बडी मात्रा में भारत में नकली नोटों का व्यापार करता था। भारत ने ईरान का ऋण चुका दिया, राफेल की ड़ील, एस 400 की ड़ील की गई जबकि कांग्रेस के शासन काल में रक्षामंत्री ए. के. एण्टोनी ने 2014 में ही कहा था कि देश कंगाल है, राफेल तो क्या छोटा जेट भी नही खरीदा जा सकता। जम्मू व कश्मीर में सेना को 2500 बुलेटप्रूफ स्कार्पियों देकर सुरक्षा कवच प्रदान किया गया। भारत 4 वर्षो में अर्थव्यवस्था में फ्रांस को पीछे छोड़ चुका है। ऑटो बाजार में जर्मनी को पीछे छोड़ का विश्व में भारत चैथा स्थान प्राप्त कर चुका है। भारत ने विद्युत उत्पादन में विश्व में तीसरा स्थान प्राप्त किया। टेक्सटाइल उत्पादन में विश्व में दूसरा स्थान प्राप्त किया है तथा इटली को पीछे छोड़ दिया है। मोबाइल उत्पादन में विश्व में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। स्टील उत्पादन में भारत विश्व में दूसरा देश बन गया है और जापान को पीछे छोड़ दिया। चीनी उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया तथा ब्राजील को पीछे छोड़ दिया। भारतियों में राष्ट्रवाद जगाया तथा 8 महीनों में 230 आतंकियों को 72 हूरों के पास जहन्नुम पंहुचाया। उपलब्धियां अनगिनत है तथा विरोधियों को आंख खोल लेनी चाहिए। विरोधियों को देश के विकास में योजना बनबाने में सहयोग कराना चाहिए। मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर रहा है जिसमें आत्मनिर्भरता का मंत्र कारगर हो रहा है।

इसे विश्व के निर्यातक देश परेशान है क्योंकि उनका एक बड़ा बाजार उनके हाथ से निकल रहा है। इसलिए मोदी के विश्व में अनेक दुश्मन खड़े हो गये है जिनकों भारत में मोदी के राजनीतिक विरोधियों का सहारा मिल रहा है। विश्व में भारत की विकास की गति मोदी विरोधियों को नित्य प्रति परेशान कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय ताकतों को समझ में आ गया है कि भारत को तभी कमजोर किया जा सकता है जबकि मोदी को कमजोर करें। कुछ देश भारत की जनसंख्या की संरचना (ड़ेमोग्राफी) को भी बदलना चाहते है इसलिए मोदी उनकी आंख में चुभ रहा है। पैट्रोल निर्यातक देश अपना महत्वपूर्ण आयतक (भारत) को अपने हाथों से निकलता हुआ देख रहे है।

केरल बनाम कश्मीर

राज सक्सेना

'द केरला स्टोरी' केनिदेशकसुदीप्तो सेन, जो स्वयं घोषित कम्युनिस्ट है ने,जो विस्फोटक इन्टरव्यु दिया है वह पूरे देश के राष्ट्रवादियों की आँख खोलने के लिए पर्याप्त है, कि देश के कुछ भाग किस तरह बारूद के ढेर पर बैठे हुएहैं। उन्होंने कहा है कि 'केरला में हिन्दू 10-15प्रतिशतही बचा है। 25 प्रतिशत ईसाई हैं। 25प्रतिशतमुसलमान हैं। बचे जिन 50प्रतिशतको हिन्दू समझा जाता है वेअधिकतर नास्तिक वामपन्थी हैं। आज हरा भरा दिखने वाला केरला काला (बुर्के वाला) हो चुका है' ।वे सिर्फ यहाँ ही नहीं रुकते, वे आगे और विस्फोटक जानकारियाँ उपलब्ध कराते हुए बताते हैं कि,उन्होंने इस्लामिक षड्यंत्रों के सीक्रेट डॉक्यूमेंट पढ़े हैं जिनमे बताया गयाहै कि 30प्रतिशतसे ज्यादा होने के बाद कैसे केरल को मुस्लिमराज्य बनाने की लड़ाई सड़को पर लड़नी है।

उन्होंनेपूर्व मुख्यमंत्री(जो भाजपा केनही थे) की बात बताते हुए कहा कि कैसे उन्होंनेचिंता जताई थीकि आने वाले एक डेढ़ दशक में केरल हाथ से जाने वाला है। सुदीप्तो सेन ने यह राज भी खोला है कि, ये लव जिहाद का साराकिस्सा तब हीबाहर आया जब ईसाईयों को इस्लाम मे मतांतरितकरने का खेल शुरू हुआ। इससे पहले दोनों अलग अलग अपने स्तरों से एक दूसरे के कामों में दखल दिए बिना हिन्दू लडकियों का धर्मांतरण अपने अपने पक्ष में करा रहे थे।इससे पहले जब ईसाई खुल्लम-खुल्ला हिन्दुओ को ईसाई बना रहे थे तबवहां की सरकारों के कानों पर जूँ नहीं रेंगी थी लेकिन जैसे ही इस्लामी कट्टरवादियों ने ईसाइयों काइस्लाम मेंतेजी से धर्मांतरण शुरू किया, सरकार से लेकर कोर्ट तक सब जाग गए और गुहार लगाने लगे कि केरल कोइनसेबचा लीजिये। स्थिति की नजाकत और भयानकता को देख और परख रही भाजपा जो अब तक अपने स्वयंसेवकों की आहुतियाँ देकर भी कुछ नही कर पा रही थी तिनके का सहारा पाने के लिए एक रणनीति के तहत अबआगे बढ़ रही है।इसलिए भाजपा के नेता अबवहां चर्चो के धर्माधिकारियों से मुलाकात बढाते नजर आते हैं। और सुप्रीमकोर्ट के आदेशों के बावजूद सबरीमाला के लिए भी खड़े होते हैं। अब वहां देश के शीर्ष नेतृत्व को वन्दे भारत से लेकर नाव वाली मेट्रो का उदघाटन करते भी देखा जा सकता है क्योंकि विकास को वहां मुख्य मुद्दा बना कर ही केरल केसमाज में जगह बनायी जा सकती है। जो इस्लामी कट्टरवादियों को छोड़ कर,बाकी सबको चाहिए।सच बात तो यह है कि केरल के समाज विशेषकर बामपंथी हिन्दुओं के ब्रेनवाश की नितांत आवश्यकता इसलिए भी है कि हिंदुत्ववादी विचारधारा को दक्षिणपंथी दोगलापन बता कर केरल के युवाओं और किसी हद तक किशोरों के मनों में भी हिंदुत्व और हिन्दुओं के प्रति नफरत के भाव बामपंथियों द्वारा कुछ इस खूबसूरती के साथ भर दिए गये हैं कि वह कुछ भी सुनने को आसानी से तैयार ही नहीं होते है।अब उन्हें कुछ इसी तरह से धीरे धीरे विभिन्न वास्तविकताओं से परिचित कराकर ही केरल को इस्लामी कट्टरपंथियोंऔर सत्तालोलुपबामपंथियोंके पंजे से छुड़ाया जा सकता है क्योंकि आजकल बामपंथी भी खुद इस्लामी कट्टरपंथियोंके साथ हिन्दू विरोध के रास्ते पर चलते नजर आते हैं और भाजपा को हराने के लिए एक हो चुकेहैं। शायद इसी वजह से केरल की बामपंथीसरकार ने भी इस्लामी साजिशों पर आंख मूंद रखी है क्योंकि उन्हें केंद्र से सत्ताच्युत करने के लिए एक बड़ी लड़ाई केंद्र में भाजपा के खिलाफ लड़नी है। शायद इसी वजह से 'द केरला स्टोरी' की कहानी भी इसी तरह की है। मुख्य चरित्रों में एक हिन्दू लड़की है, एक वामपन्थी, एक ईसाई और एक मुस्लिम जिनमें से सिर्फ एक लड़की ही खतरा समझ दूर होती है जो ईसाई होती है।

फ़िल्म भी यही वास्तविकता दिखा रही है कि सबसे पहले ईसाई ही इस्लाम के विरुद्ध खड़े हुए हैं वरना वामपंथियों को क्या पड़ी है.वे तो सत्तासुख ले ही रहे हैं।और सनातनी हिन्दुओं को नातो अपनी फ़िक्र है और ना ही पूरे देश की?।अब बात केरल के राजनैतिक समीकरणों की पहले कांग्रेस का वोट बैंक ईसाई, मुसलमान और कुछ अपर कास्ट हिन्दू होते थे और वामपंथियों केवोट बैंकवामपन्थी औरअनुसूचित जातियों और जनजातियों के हिन्दू होते थे लेकिन जिस तरह से केरल में मतान्तरण और विदेशी मुस्लिमों की घुसपैठ से जनसंख्या परिवर्तन हुआ है उससे कांग्रेस वोट बैंक में भारी कमी आ गयी है।जिहादियों कीआक्रामकता से डरकर ईसाई, वामपंथियों की गोद मे चला गया।

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

दिखावा करना सीखो

छीः-छीः तुमसे यह उम्मीद नहीं थी। क्या तुम दस किलोमीटर दूर ठहरे अपने दोस्त से मिलने चले गए? बड़े कमाल के आदमी हो। बड़े फुर्सतिया हो। तुम कुछ भी हो सकते हो लेकिन शहरी कतई नहीं। शहरी बनने के लिए शहरी मानसिकता भी चाहिए होती है। जो कि तुम्हारे पास बिल्कुल नहीं है। मुझे शर्म आती है तुम्हें मेरा मित्र कहते हुए। कह-कहकर थक गया कि शहरी बनो शहरी। और तुम हो कि वह छोड़कर सब बनने को तैयार हो।' कलाई पर हेल्थ गजट लगाए पैरों में दस हजारी जॉगिंग जूता पहने मोटी सी तोंद को महंगे टी-शर्ट के लबादे सुपुर्द कर चुके हमारे मित्र ने अल्प अचरज हीन दृष्टि से मुझे लताड़ते हुए कहा। मैंने महाभारत युद्ध के पहले दिन अर्जुन की मुद्रा धारण किए अपने मित्र से शहरी होने का ज्ञान सीखने की इच्छा जताई। यह सुन वे टूट पड़े – शहर में जीने का मतलब झूठ बोलना आना चाहिए। बिना सच के शहर हो सकते हैं बिना झूठ के कतई नहीं। अगर कोई जाना-पहचाना शहर आए और कहे कि मैं फलाँ जगह ठहरा हूँ क्या हम मिल सकते हैं तो इसका जवाब फट से मुँह उठाकर नहीं दे देना चाहिए कि मैं निरा फुर्सत में हूँ। और तुम्हारी राह ही जोह रहा हूँ। तुम कितने भी फुर्सत में रहो, लेकिन कोई मिलने आए तो तुम्हारी फुर्सत फुर्र हो जानी चाहिए। नहीं तो सामने वाला समझेगा कि इसके पास कोई काम-धाम है ही नहीं। लगता है बड़ी फुर्सत में रहता है। उसके सामने ऐसे भाव दो कि तुम्हारे बिना शहर चल नहीं सकता। या यूँ कहो कि तुम्हारे जैसों की वजह से ही शहर सांस ले पा रहा है। । क्योंकि बच्चू! यह शहर है, धर्मशाला नहीं कि मुँह उठाया और चल दिए। शहर में लोग बेमतलब बगल वाले से ठीक मुँह बात नहीं करते और तुम हो कि दोस्त से मिलने चले गए। तुम्हारे जैसे लोगों की वजह से ही शहर की हवा खराब हो चली है। यहाँ बसने वाले में एक गुण हमेशा रहना चाहिए। अपने काम निकलवाने तक सबको अपना बाप बनाते चलो। काम खत्म दुकान बंद। मतलब अपना काम हो जाने के बाद तुम कौन हम कौन जैसी रणनीति अपनानी चाहिए।जिस शहर में जितना कचरा होता है वह उतना डेवलप्ड होता है। यहाँ कचरा उठाने वाला भी व्यस्त होता है। उसके पास खुद का कचरा उठाने का टाइम नहीं होता। तुम तो कचरे वाले से भी गए गुजरे हो। यहाँ अंग्रेजी समाचार पत्र पकड़े रहना स्टेटस और फोन पर कान धरे रहना हाईफाई होने की निशानी है। जेब में फुटकर पैसे रखना फुटकर होने की निशानी है। पाँच रुपए की चाय भी पियो तो गूगल पे या फोन पे करना आना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के इन उपायों से पायी जा सकती है मन की शांति

नकारात्मक ऊर्जाओं और सोने की दिशा के कारण अधिकांश गृहस्वामियों द्वारा मन की शांति खो दी गई है जो मन की शांति खोने का एक महत्वपूर्ण कारक है। लोगों के सोने की पोजीशन बहुत महत्वपूर्ण होती है क्योंकि इसी पोजीशन में हम अपने 8-10 घंटे बिताते हैं। हमारा बिस्तर ऊर्जा से घिरा हुआ है और यदि कोई व्यक्ति गलत दिशा में सोता है तो उसके स्वास्थ्य और मन की शांति को प्रभावित करने वाले अवांछित परिणामों का सामना करना पड़ता है। मन की बेहतर शांति प्राप्त करने के लिए हमारे सोने के बिस्तर की स्थिति प्राथमिक चिंता है क्योंकि यह स्थान हमें शक्ति प्रदान करता है और निर्णय लेने की शक्ति को बढ़ाता है। हम आमतौर पर अपने बिस्तर पर अधिक से अधिक समय बिताते हैं और यदि यह स्थान अनुकूल नहीं है तो यह सर्वांगीण शांति और स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा। मन की शांति के लिए वास्तु इसलिए शांति और निर्णय की शक्ति वापस पाने के लिए अपनी सोने की स्थिति की जांच करने की सलाह दी जाती है।

अपने मन को शांत रखना उतना भी मुश्किल नहीं है। काफी हद तक उसे एक स्थान के भीतर नियंत्रित किया जा सकता है, जहां आप प्रमुख रूप से सीमित हैं - वह आपका घर है। निश्चित रूप से, हमारी जीवन शैली के कारण वर्तमान तनावपूर्ण स्थिति का भी मन को अशांत करने में बहुत बड़ा हाथ है।

1. सबसे बुनियादी और सरल चीज है घर की सफाई करना और उसे व्यवस्थित रखना। घर में अव्यवस्था से सकारात्मक ऊर्जा का चारों ओर प्रवाहित होना मुश्किल हो जाता है और घर में नकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बनता है।

2. गुरुवार को छोडक़र फर्श को साफ करते समय पानी में चुटकी भर समुद्री नमक डालना चाहिए। इस उपाय से घर की नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है।

3. परिवार के मुखिया या परिवार के प्राथमिक कमाने वाले सदस्य को घर के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में अपने सिर को दक्षिण की ओर करके सोना चाहिए। यह एक उचित नींद सुनिश्चित करेगा जिससे शरीर को ऊर्जावान बनाया जा सके।

4. मानसिक शांति बनाए रखने के लिए दक्षिण-पश्चिम दिशा में एक पारिवारिक तस्वीर और घर की पश्चिम दिशा में परिवार के मुख्य जोड़े की एक तस्वीर लगाएं। उदासी और निराशा को दर्शाने वाली तस्वीरों से बचना चाहिए क्योंकि वे निराशा और अवसाद के लिए जिम्मेदार होती हैं।

5. गायत्री मंत्र, गणपति अथर्वशीर्षम जैसे मंत्रों का जाप, संबंधित कुलदेवी और कुलदेवता से प्रार्थना करने से व्यक्ति के मन में शांति और सकारात्मक ऊर्जा लाने में मदद मिलती है। विद्युत उपकरणों के माध्यम से मंत्र जप से आपके परिसर में सकारात्मक कंपन भी फैल सकता है, हालांकि स्वयं द्वारा जप सबसे शक्तिशाली है।

6. मंदिर में शुद्ध घी से बने दीये जलाने चाहिए। साथ ही अगरबत्ती, धुप/गुग्गुल जलाना, घंटानाद और शंख बजाना चाहिए। परिवार और धर्म की परंपरा के अनुसार दिवंगत आत्माओं के लिए अनुष्ठान करना भी बहुत महत्वपूर्ण है।

7. घर से वास्तु दोषों को दूर करने के लिए कैम्फर क्रिस्टल अच्छा माना जाता है। अगर आपको ऐसा लगता है कि आपका काम अटक रहा है या आपकी योजना के अनुसार चीजें नहीं चल रही हैं, तो घर में कपूर के 2 गोले या क्रिस्टल रखें और जब वे सिकुड़ जाएं तो उन्हें बदल दें। आप अपनी स्थिति में तेजी से बदलाव देखेंगे। कपूर जलाना भी एक महत्वपूर्ण उपाय है।

8. अच्छी तरह से भोजन करना भी मन की शांति के लिए बहुत आवश्यक है।

9. हमेशा दक्षिण या पूर्व की ओर सिर करके सोएं और उत्तर या पश्चिम की ओर सिर करके न सोएं। वृद्ध लोगों, सेवानिवृत्त लोगों और घर के मालिक को मन की शांति बनाए रखने के लिए सोने के लिए दक्षिण-पश्चिम स्थिति अपनानी चाहिए।

10. अविवाहित लड़कियों को सोने के लिए उत्तर-पश्चिम दिशा अपनानी चाहिए और दक्षिण-पश्चिम दिशा वर्जित है क्योंकि यह उन्हें जिद्दी बनाती है।

एक अच्छी जीवनशैली अपनाने के साथ ही हमें उपरोक्त सुझावों का भी अभ्यास करना चाहिए। ये हमारे शरीर के ऊर्जा भंडार को बनाने में मदद करेंगे। ये वास्तु टिप्स हमारे शरीर के भीतर सकारात्मक कंपन पैदा करेंगे और घर के भीतर सकारात्मक कंपन का भी प्रसार करेंगे। यह अंततः हमारी प्रतिरक्षा में सुधार करने में मदद कर सकता है जो फिट रहने के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक है।

वास्तुशास्त्र के अनुसार यह है हनुमानजी की तस्वीर की सही दिशा

लाल रंग के हनुमान
कहते हैं कि घर की दक्षिण दिशा में हनुमान जी की लाल रंग की बैठी हुई फोटो लगाने से नकारात्मकता का प्रभाव कम होता है। इस फोटो को लगाने से घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। जीवन में सुख-समृद्धि लाने के लिए हमेशा भगवान हनुमान की भक्ति भाव की मुद्रा के सामने बैठकर पूजा करनी चाहिए।

हनुमानजी को संकटमोचन कहा जाता है। मंगलवार और शनिवार को विशेष रूप से हनुमानजी की पूजा आराधना की जाती है। व्रत रखे जाते हैं। हर व्यक्ति के घर में पूजा स्थल होता है, जिसमें हनुमानजी की तस्वीर या मूर्ति अवश्य होती है। कई घरों में कमरे की दीवारों पर हनुमानजी की तस्वीर या पोस्टर लगा लेते हैं। लेकिन वे इस बात का ध्यान नहीं रखते कि हमें हनुमानजी की तस्वीर को किस दिशा में लगाना चाहिए। धर्म वास्तु शास्त्र और ज्योतिष शास्त्र में सभी के लिए कोई न कोई स्थान पहले से ही तय है अगर आप सही दिशा का चयन करके तस्वीर सही दिशा में लगा देते हैं तो आप कई अनिष्ट से बच सकते हैं।

बेडरूम में नहीं होनी चाहिए हनुमानजी की तस्वीर

पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार हनुमान जी बाल ब्रह्मचारी हैं और इसी वजह से उनकी तस्वीर बेडरूम में न रखकर घर के मंदिर में या किसी अन्य पवित्र स्थान पर रखना शुभ रहता है।

दक्षिण दिशा सर्वाधिक प्रभावशाली

वास्तु वैज्ञानिकों के अनुसार हनुमान जी का चित्र दक्षिण दिशा की ओर देखते हुए लगाना चाहिए क्योंकि हनुमान जी ने अपना प्रभाव अत्यधिक इसी दिशा में दिखाया है जैसे लंका दक्षिण में है, सीता माता की खोज दक्षिण से आरंभ हुई लंका दहन और राम-रावण का युद्ध भी इसी दिशा में हुआ। दक्षिण दिशा में हनुमान जी विशेष बलशाली हैं।

उत्तर दिशा में भी हैं प्रभावशाली

इसी प्रकार से उत्तर दिशा में हनुमान जी की तस्वीर लगाने पर दक्षिण दिशा से आने वाली हर नकारात्मक शक्ति को हनुमान जी रोक देते हैं। वास्तु अनुसार इससे घर में सुख और समृद्धि का समावेश होता है और दक्षिण दिशा से आने वाली हर बुरी ताकत को हनुमान जी रोक देते हैं।

प्रभावशाली है शक्ति प्रदर्शन वाली तस्वीर

हनुमान जी जिस रूप में अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहे हों ऐसी तस्वीर को घर में लगाने से किसी भी तरह की बुरी शक्ति प्रवेश असंभव है।

पंचमुखी हनुमान

जिस घर में हनुमान की पंचमुखी तस्वीर होती है, उस घर में कभी किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होती। पंचमुखी तस्वीर लगाने से घर पर मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। अगर आपको लगता है कि घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव है, तो शक्ति प्रदर्शन वाली हनुमान जी की तस्वीर लगाने से नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं। वहीं, अगर आप घर के प्रवेश द्वार पर भगवान की फोटो लगाएंगे तो घर में बुरी शक्तियों का प्रभाव कम होता है।

रामजी के चरणों में बैठे हनुमान

राम दरबार में राम जी के चरणों में बैठे हनुमान जी का चित्र घर की बैठक में लगाने से परिवार के सदस्यों में आपसी प्रेम, विश्वास, स्नेह और एकता बनी रहती है।

पर्वत उठाए हुए संकट मोचन हनुमान

वास्तु शास्त्र में उन लोगों को घर में पर्वत उठाए हनुमान की फोटो लगाने की सलाह दी जाती है, जिसके परिवार के सदस्यों में साहस और आत्मविश्वास की कमी हो।

किस ग्रह के अशुभ होने से होता है मानसिक तनाव ?

वैदिक ज्योतिष में 9 ग्रह है और उसमें से चन्द्रमा को मन का कारक कहा गया है। चन्द्रमा की राशि कर्क जलतत्व है और स्वयं चंद्र भी जलतत्व कारक होकर मनुष्य की भावना का कारक है। शरीर में सबसे अधिक मात्रा जल की है इसलिए मन और बुद्धि दोनों चन्द्रमा से प्रभावित होती है। वैदिक ज्योतिष के विद्वानों के अनुसार किसी कुंडली में अगर चन्द्रमा पाप कर्तरी योग में हो या पीड़ित हो तो जातक का मन कमजोर होता है और उसे जल्द मानसिक तनाव होता है। अमावस्या के करीब जाता हुआ चंद्र कमजोर माना गया है। कृष्ण पक्ष की दशमी से लेकर शुक्ल पक्ष के पंचम तिथि तक के चन्द्रमा के पास बल की कमी होती है इसलिए जातक को चन्द्रमा शुभ परिणाम नहीं दे पाता है। ज्योतिष के विद्वानों ने ऐसी स्थिति में कुछ उपाय भी बताए है जो निम्नलिखित है।

1 – सोमवार के दिन शुभ होरा में गायत्री यंत्र को पूजा घर में स्थापित करें और मोती की माला को गले में धारण करें।

2 – घर के सभी लोग पूर्व दिशा की ओर सिरहाना करने सोए और सोने से पहले कमरे में कर्पूर का एक छोटा सा टुकड़ा जला दे।

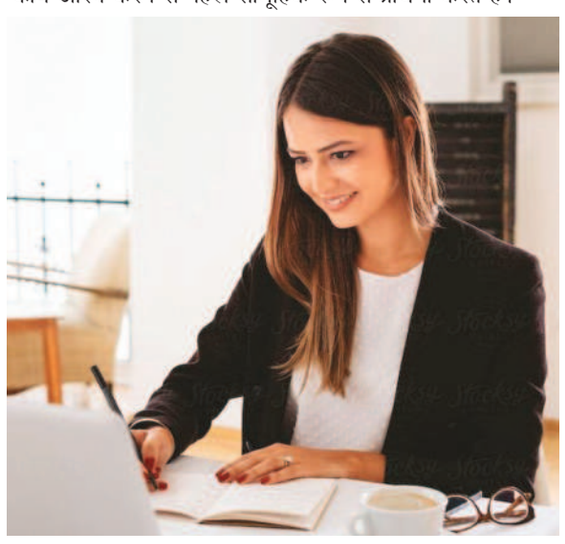

3 – जब आप सोने जा रहे है तो हनुमान जी का स्मरण कर हनुमान चालीसा बगल में रखें। यह उपाय शुक्ल पक्ष के मंगल से शुरू करना है। 9 मंगलवार होते ही आपको असर दिखाई देगा।

4 – रात को सोते समय चांदी के गिलास में पानी भरकर रख दे। फिर अगली सुबह उठकर उस पानी को गुलाब के पेड़ की जड़ में डाल दिजिये। इससे धीरे 2 आपका तनाव कम होगा।

5 – कच्चे दूध में चीनी मिलाकर जामुन के पेड़ की जड़ में डालें। यह उपाय आपको शुक्ल पक्ष से शनिवार से शुरू करना है और रोज करना है। इसके अलावा हर अमावस्या की शाम को मंदिर में खीर अर्पित करें। इससे आपको फायदा मिलेगा।

ऑफिस का वास्तु कैसा होना चाहिए ?

आजकल हर छोटे मोटे कामों के लिए सरकारी, अर्द्धसरकारी, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों, सार्वजनिक या निजी क्षेत्रों के बैंकों, प्राईवेट कंपनियों के कार्योलयों में किसी न किसी कारण चक्कर लगते ही रहते हैं। आपने ऐसे कार्यस्थलों का यदि बारीकी से निरीक्षण किया हो तो सरकारी दफतरों और निजी दफतरों के रख रखाव, साज सज्जा ,वहां के कर्मचारियों, उनके व्यवहार, कार्यकुशलता में जमीन आसमान का अंतर पाया होगा। कुछ तो कारण होंगे जो एक कार्यालय को दूसरे से भिन्न बनाते हैं। यदि किसी ऑफिस का वास्तु प्रकृति के अनुरुप है, वहां की कार्यक्षमता बढ़ती है, धनलाभ भी बढ़ता है।

कैसा हो एक वास्तु के अनुरूप कार्यालय ?

चाहे दुकान हो, घर हो या कार्यालय हो, वहां कार्य आरंभ करने से पूर्व अपने धर्म एवं आस्थानुसार ईश्वर को याद करने से कार्य कुशलता बढ़ती है। सरकारी कार्यालयों में आज भी कर्मचारी लेट लतीफी और अपने कार्यालय के प्रति पूर्णतया समर्पित न होने के कारण विभाग को कार्य क्षमता की दृष्टि से पीछे ले जाते हैं। बैंक की कई शाखाओं में आज भी प्रबंधक, पूरे स्टाफ के साथ बैंक का कार्य आरंभ करने से पहले सामूहिक रूप से प्रार्थना करते हैं।

आपके ऑफिस में कंप्यूटर और कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हो तो उसे हमेशा आग्नेय कोण में ही लगाना चाहिए। यह दिशा अग्नि देव की दिशा है और इन उपकरणों से आड़ पनपती है। अगर आप ऑफिस में कोई भी वेटिंग या मीटिंग रूम बनाते है तो उसे हमेशा वायव्य कोण में ही बनाये। वास्तु के अनुसार वायव्य कोण शुभ माना जाता है। एक टेबल पर सिर्फ एक कर्मचारी को बैठना चाहिए। एक से अधिक कर्मचारियों को बैठाने से काम बाधित होता है। ऑफिस में किसी भी कर्मचारी की पीठ मुख्य द्वार की तरफ नहीं होनी चाहिए। ऑफिस में किचन या कैंटीन दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। बाथरूम कभी भी ईशान कोण या उतर-पूर्व दिशा में नहीं रखना चाहिए यह दिशाएं वास्तु में सबसे शुभ मानी जाती है। ऑफिस में दीवारें, पर्दे, टेबल सब हल्के रंग के होने चाहिए। कभी भी हिंसक पशु-पक्षी, रोता हुआ इंसान, डूबता हुआ जहाज, ठहरे पानी की पेंटिंग आदि की तस्वीर नहीं होनी चाहिए, इससे ऑफिस में नेगेटिव एनर्जी आती है और कमर्चारियों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। हंसते हुए बच्चे, महापुरुष, बहते हुए पानी, खिलाड़ी आदि की तस्वीर लगनी चाहिए इससे ऑफिस में पॉजिटिव एनर्जी का वास रहता है। आप प्रेरणा देने वाले वाक्य लिखकर टांग सकते है। ऑफिस में काम आने वाली चीजें जैसे फैक्स, कंप्यूटर, घड़ी, फोटोकॉपी मशीन, स्कैनर आदि बंद या गंदे ना रखें।

रोजाना ऑफिस की सफाई करनी चाहिए।

ऑफिस का मुंह उत्तर या पूर्व में खुले तो वास्तु की दृष्टि से यह सही होता है। दक्षिण, उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम तथा बीच के स्थान पर बने बेसमेंट के ऑफिस तो कतई शुभ नहीं होते ऑफिस के प्रमुख या मालिक के बैठने की जगह पर पीठ के पीछे ठोस दीवार का होना आवश्यक है। खिड़की बिलकुल नहीं होना चाहिए। मुंह के बिलकुल ठीक सामने खिड़की का होना फिर भी फलदायी है। प्रमुख के बैठने की जगह पर सिर के ऊपर जाल, पीठ के पीछे और कंधे के बगल में दरवाजा या खिड़की अथवा रोशनदान, ये सभी चीजें नुकसानदायक हैं। ऑफिस में वास्तु की दृष्टि से जब आप बैठें तो मुंह हमेशा उत्तर की तरफ होना चाहिए या फिर पूर्व की ओर। उत्तर-पूर्व की स्थिति भी बेहतर है। अपनी मेज पर जरूरी फाइलें पूर्व-उत्तर के साइड में रखें।यदि आपका लोगों से तालमेल अच्छा नहीं बैठता है तो अपनी टेबल पर एक बॉस का पौधा रखें। ऑफिस में हमेशा जूते पहनकर आना चाहिए क्योंकि चप्पल पहने से नकारात्मक ऊर्जा का संचरण होता है। टेबल की रैक या अल्मारी में जरूरी समान ही रखें। फालतू कबाड़ एकत्र न करें। सप्ताह में एक बार रैक व अल्मारी की सफाई जरूर करें। ऑफिस के बॉस को कुर्सी के पीछे वाली दीवार पर हरे पहाड़ों वाली सीनरी लगानी चाहिए। जिससे नेतुत्व क्षमता में वृद्धि होती है।ऑफिस में घड़ी हमेशा पूर्व या उत्तर की तरफ लगी होनी चाहिए क्योंकि घड़ी समय का प्रतीक है इसलिए घड़ी को सकारात्मक स्थान पर लगाना चाहिए। ऑफिस में ईशान कोण में एक छोटा सा पूजा का स्थान होना चाहिए। सारे स्टाफ को दो मिनट ही सही पर पूजा स्थान पर प्रार्थना करना चाहिए।

पंचक में बिल्कुल भी न करें ये काम

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हिंदू धर्म में किसी भी काम को करने से पहले शुभ और अशुभ मुहूर्त का जरूर ध्यान रखा जाता है। ऐसे ही हर मास में 5 दिनों का पंचक लगता है। इस दौरान मांगलिक और शुभ काम करने की मनाही होती है। इन पांच दिनों के दौरान चंद्रमा इन पांच नक्षत्रों से भी होकर गुजरता है और इस कारण ये पांचों दिन पंचक कहे जाते हैं। ऐसा हर 27 दिन के बाद होता है।

पंचक के प्रकार

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, वार के हिसाब से पंचक के नाम का निर्धारण किया जाता है। हर एक पंचक का अलग-अलग अर्थ और प्रभाव होता है। जैसे रविवार के पंचक को रोग पंचक, सोमवार के पंचक को राज पंचक, मंगलवार को अग्नि पंचक, शुक्रवार को चोर पंचक और शनिवार को शुरू होने वाले पंचक को मृत्यु पंचक कहा जाता है।

मई 2023 में कब से शुरू हो रहे हैं पंचक?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, 13 मई 2023 को दोपहर 12 बजकर 18 से शुरू होंगे और इसका समापन 17 मई 2023 को सुबह 07 बजकर 39 मिनट तक रहेगा। शनिवार के दिन से शुरू होने के कारण इसे मृत्यु पंचक कहा जाएगा।

मृत्यु पंचक क्यों माना जाता है खतरनाक?

शनिवार को प्रारंभ होने वाले पंचक को मृत्यु पंचक कहा जाता है। इस पंचक को अन्य पंचकों से सबसे ज्यादा खतरनाक माना जाता है। माना जाता है कि इस पंचक के दौरान व्यक्ति को मृत्यु के समान कष्टों का सामना करना पड़ता है। साधारण शब्दों में कहें, तो इस पंचक में व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में व्यक्ति को चोट लगने, दुर्घटना होने का खतरा सबसे अधिक होता है।

मृत्यु पंचक के दौरान न करें ये काम

मृत्यु पंचक के दौरान घर की छत डालने की मनाही होती है, क्योंकि ऐसा करने से उस घर में रहने वाले लोग कभी भी सुखी नहीं रह सकते हैं।

पंचक के दौरान चारपाई बनवाने की मनाही होती है। इससे अशुभ फलों की प्राप्ति होती है।

पंचक काल के दौरान दक्षिण दिशा की ओर यात्रा नहीं करनी चाहिए। अगर किसी कारणवश आपको जाना पड़ रहा है, तो पहले भगवान हनुमान को किसी फल का भोग लगाकर विधिवत पूजा करें। इसके बाद जाएं।

पंचक काल के दौरान अगर किसी की मृत्यु हो जाती है, तो इसके अशुभ प्रभाव से बचने के लिए शव के साथ 5 कुश या आटा के पुतले बनाकर अर्थी पर रखे जाते हैं। यह पुतले आटे के या कुश के बने होते हैं। इन पांचों पुतलों का अर्थी में शव के साथ ही पूरे विधि के साथ अंतिम संस्कार किया जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से पंचक दोष नहीं लगता है।

हाथ में नहीं टिकता पैसा,तो जरूर करें फिटकरी के ये उपाय

कर्ज से मुक्ति के लिए फिटकरी के उपाय

कर्ज मुक्ति के लिए फिटकरी को एक कपड़े में बांध लें और इसे किसी पीपल के पेड़ के नीचे पत्थर से दबा दें। ये उपाय आपको लगातार तीन बुधवार को करना है। ऐसा करने से कर्ज की समस्या से मुक्ति मिलती है।

धन प्राप्ति के लिए फिटकरी के उपाय

प्रतिदिन फिटकरी को जल में मिलाकर स्नान करें। ज्योतिष मान्यता है कि ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा आपसे दूर होगी साथ ही आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। इसके अलावा धन प्राप्ति और आर्थिक संपन्नता के नए रास्ते खुलते हैं।

वास्तु दोष दूर करने के लिए

यदि आपके घर का वास्तु सही नहीं है तो इसे सही करने के लिए अपने घर के हर कमरे के कोनों में एक फिटकरी का टुकड़ा रखें। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में फिटकरी रखने से घर की नकारात्मकता खत्म होती है और वास्तु दोष का

प्रभाव घर के सदस्यों पर भी नहीं पड़ता है।

जल्दी शादी के लिए उपाय

सोमवार के दिन स्नान के बाद थोड़ा सा फिटकरी पाउडर और चूना लेकर एक कागज में रखकर इसे किसी केले, आम या बरगद के पेड़ के नीचे अपना नाम, अपने पिता का नाम, अपना गोत्र बोलने के साथ अपनी मनोकामना बोलें। फिर अपनी शादी की मनोकामना बोलते हुए उस पेड़ की 7 परिक्रमा करके कागज की वहीं रख दें। बहुत जल्द ही शादी के योग बनेंगे। ये उपाय सात सोमवार को लगातार करें।

दीपिका की तारीफ में पति रणवीर ने पढ़े कसीदे

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉपुलर कपल्स में से एक हैं। दोनों अक्सर फैंस को कपल गोल्स देते दिखाई देते हैं। रणवीर और दीपिका एक-दूसरे के लिए सोशल मीडिया पर प्यार भरे पोस्ट भी साझा करते हैं। एक बार फिर रणवीर सिंह कुछ ऐसा ही करते नजर आए। दरअसल, दीपिका पादुकोण ने हाल ही में टाइम मैगजीन के कवर की शोभा बढ़ाकर इंटरनेशनल लेवल पर अपनी छाप छोड़ी। अभिनेत्री ने कई बार भारत को विदेशी मंच पर गौरवान्वित किया है। जब एक बार फिर अभिनेत्री ने ऐसा किया, तो लोगों को उनपर उतना ही गर्व हो रहा है। फैंस के साथ-साथ उनके पति और अभिनेता रणवीर सिंह भी उनकी इस उपलब्धि से खुश हैं।

दीपिका के एक मैगजीन के कवर पर आने के बाद, रणवीर ने अपने इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री की प्रशंसा करते हुए एक पोस्ट साझा किया। बॉलीवुड अभिनेता ने अपने आईजी हैंडल पर अभिनेत्री की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि उन्हें अपनी बेबी गर्ल पर गर्व है। मैगजीन ने भी एक बीटीएस वीडियो भी जारी किया है, जिसमें रणवीर-दीपिका के कुछ कैंडिड मोमेंट्स भी दिखाई दिए। इन मोमेंट्स एक पल ऐसा था, जब रणवीर ने अचानक से अभिनेत्री को किस कर डाला।

इस वीडियो में रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण एक इंटरव्यू देते दिखाई दे रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि इंटरव्यूअर ने उनसे सिर्फ शादी के बारे में

पूछा ही था और रणवीर ने अचानक से इसी पल में दीपिका को किस कर दिया। दीपिका उस पल में चौंक गई थीं, अभिनेत्री को इस चीज की बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी। दोनों का यह प्यार भरा पल कैमरे में कैद हो गया और फैंस इस पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। कोई रणवीर को बेस्ट हसबैंड बता रहा है, तो कोई दोनों को बेस्ट कपल बता रहा है।

मैगजीन को दिए एक इंटरव्यू में दीपिका ने कहा, 'यह मेरे देश भारत का पल है। तो मैं ईस्ट और वेस्ट के बेस्ट से कैसे शादी कर सकती हूं? हमारी जड़ें, हमारी विरासत, हमारे इतिहास के साथ भारत है, लेकिन एक नया और युवा भारत भी है जो उभर रहा है। यह दो भारत एक साथ आ रहे हैं जो मुझे इस समय सच में आकर्षक लग रहे हैं।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मेरा मिशन हमेशा अपने देश में रहते हुए इंटरनेशनल लेवल पर प्रभाव बनाना रहा है। भारतीय सिनेमा ने सीमाओं को पार कर लिया है और भारतीय हर जगह हैं, इसलिए आप जहां भी जाते हैं, प्रसिद्धि वहां जाती है।'

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण को आखिरी बार 'पठान' में शाहरुख खान और जॉन अब्राहम के साथ देखा गया था। दीपिका अगली बार ऋतिक रोशन के साथ सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही फिल्म 'फाइटर' में नजर आएंगी। इतना ही नहीं उनके पास 'प्रोजेक्ट के' भी है, जिसमें वह प्रभास और अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी भी साझा करेंगी।

अमिताभ बच्चन जब थे 90 करोड़ रुपये के कर्जदार, लोगों का बदल गया था अंदाज

एक कहावत है कि वक्त हमेशा एक जैसा नहीं रहता. कभी एक के बाद एक हिट फिल्में देकर सुर्खियों में छाए अमिताभ बच्चन एक कठिन समय से गुजरे. 1990 का वो दशक शायद ही बच्चन परिवार कभी भूल पाएगा. कंपनी दिवालिया हो गई, लेनदार दरवाजे पर खड़े हो गए और 90 करोड़ रुपये के कर्ज ने इतना मजबूर कर दिया कि नौबत अपना घर भी खोने की आ गई. लेकिन वक्त का पहिया फिर घूमा और उन्होंने मेहनत कर एक-एक की पाई लौटा दी.

सुपरस्टार अमिताभ बच्चन 90 के दशक में बैंकरप्ट हो गए थे. उनके साथ आखिर ऐसी स्थिती आई क्यों? क्यों कल तक उनके साथ अच्छे से बात करने वाले लोगों को अचानक तेवर बदल गए? कैसे उन्हें 90 करोड़ का कर्जा हो गया था? उनके ऊपर 55 केस कौन से चल रहे थे? इन सारी बातों जवाब खुद महानायक ने दिया था.

90 करोड़ रुपए के हो गया था कर्जा

सुपरस्टार अमिताभ बच्चन ने एक पुराने इंटरव्यू में अपनी लाइफ के सबसे खराब वक्त का जिक्र किया था. वीर सांघवी के साथ एक पुराने इंटरव्यू में अमिताभ बच्चन 90 के दशक का वो दौर याद किया था जब वह बैंकरप्ट हो गए थे.

वीर सांघवी के साथ एक पुराने इंटरव्यू में अमिताभ बच्चन ने कहा, सारी की सारी संपत्तियां कुर्क की गईं. उन्होंने कहा, जब आप एक व्यक्तिगत गारंटी पर हस्ताक्षर करते हैं, तो आप व्यक्तिगत रूप से उसका भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होते हैं और इसलिए लगभग 90 करोड़ रुपये का मैं कर्जदार हो गया.

अमिताभ बच्चन ने आगे कहा, 'जो लोग कल तक मेरी कंपनी से जुड़ने के लिए एक्साइटेड रहते थे, वो अचानक बदल गए. उनका दुश्मनी वाला रवैया हो गया था. वो काफी रूड और अपमानजनक हो गए थे. कुल मिलाकर ये मामला काफी खराब हो गया था. कर्ज देने वाले लोग दरवाजे पर आकर गालियां बकते थे और धमकियों के साथ अपने पैसे वापस मांगते थे.

कहां से लिया कर्ज?

बिग बी ने अपने कर्ज के उन दिनों को याद कर आगे कहा, इसमें से कुछ कर्ज हमने सरकारी संस्थाओं जैसे प्रसार भारती और दूरदर्शन से लिया था. कुछ कर्ज बैंक और पर्सनल लोन से लिए थे.

बताया कि इसके अलावा मैंने और जया ने गलती से पर्सनल गारंटी भी दे दी थी. उस वक्त किसी ने हमें अच्छे से आर्थिक सलाह नहीं दी थी. हम लोगों से कहा गया कि कुछ नहीं होगा, इसलिए हमने निश्चिंत होकर गारंटी वाले पेपर्स पर साइन कर दिए थे.

विक्रम वेधा में ऋतिक रोशन का किरदार पास या फेल?

ऋतिक रोशन और सैफ अली खान स्टारर फिल्म विक्रम वेधा अब ओटीटी पर रिलीज हो गई है। यह फिल्म विजय सेतुपति और आर माधवन की तमिल हिट की रीमेक थी। फिल्म के ओटीटी पर स्ट्रीम होने के बाद एक्टर ऋतिक रोशन ने एक पोस्ट साझा किया है और अपने फैंस से एक सवाल पूछा है।

ऋतिक ने पूछा फैंस से सवाल

दरअसल, हाल ही में ऋतिक रोशन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने यह पोस्ट साझा करते हुए फिल्म में अपने किरदार के बारे में फैंस से पूछा है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है- वास्तव में आप सभी के लिए विक्रम वेधा देखने के लिए उत्सुक हूं। मैंने इसमें कुछ ऐसा करने की कोशिश की है, जो मेरे लिए थोड़ा अजीब था। मुझे हैरानी है कि क्या यह काम किया है। आप मुझे बताएं।

मां ने लिखा प्यारा सा कमेंट

एक्टर के इस पोस्ट पर उनकी गर्लफ्रेंड सबा आजाद ने कमेंट करते हुए लिखा- येहह। वहीं, एक्टर की मां पिंकी रोशन ने भी कमेंट किया है और उन्होंने लिखा-प्यारे बेटे, यह आपके सबसे अच्छे और बेहतरीन प्रदर्शन में से एक था। मुझे आप पर बहुत गर्व है और बहुत खुशी है कि आपने इस फिल्म को करने का फैसला किया। आप एच सच्चे और समर्पित एक्टर हैं। एक एक्टर को चाहिए अपनी आत्मा के लिए भोजन की तरह उसकी क्षमता को तृप्त करें। अपनी क्षमता का समर्पण करें और ज्यादा चीजें करें, जो आपकी आत्मा को संतुष्ट करती हैं। आप जो भी हैं, उसके लिए आपको प्यार और अधिक प्यार।

फैंस ने जमकर की तारीफ

इसके साथ ही एक्टर के इस पोस्ट पर उनके फैंस ने भी जमकर कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा- बहुत शानदार। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा- मुझे लगता है यह अभी तक की सबसे बेस्ट है। एक और यूजर ने लिखा- मुझे लगता है इन्हें इसी तरह के रोल करने चाहिए, यह एक तरह से ट्रीट और बहुत शानदार है उन्हें देखना ।

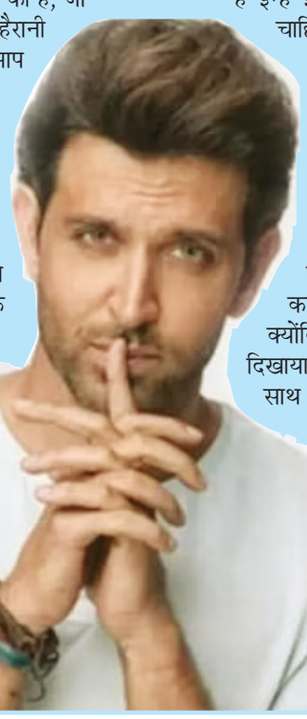

इस फिल्म में नजर आएंगे ऋतिक आपको बता दें कि ऋतिक फिलहाल फाइटर की शूटिंग कर रहे हैं। एक्टर फिल्म के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, क्योंकि इसमें जमकर एक्शन दिखाया जाएगा। फिल्म में उनके साथ दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर नजर आने वाले है। यह साल 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रियंका ने अपने करियर और बेटी मालती को लेकर किया चौंकाने वाला खुलासा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी वेब सीरीज सिटाडेल को लेकर खूब चर्चा में हैं। इस सीरीज में उन्होंने जमकर एक्शन सीन दिए हैं, जिसे फैंस जमकर पसंद कर रहे हैं। इस सीरीज के जरिए वह विदेशों में भी अपनी अच्छी पहचान बना चुकी हैं। इस दौरान उनके पास अन्य कई प्रोजेक्ट्स हैं। वहीं प्रियंका ने अपने करियर और बेटी मालती को लेकर भी एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। प्रियंका ने बेटी को लेकर अपने त्याग के बारे में बात की है।

प्रियंका चोपड़ा जनवरी साल 2022 में सेरोगेसी के जरिए मां बनी थीं। उनकी बेटी एक साल की हो चुकी है। प्रियंका को अक्सर अपनी बेटी के बारे में बात करते और उसकी कई चीजों का खुलासा करते हुए देखा जा चुका है। प्रियंका का करियर भी इन दिनों काफी अच्छा चल रहा है। अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू के दौरान प्रियंका ने कहा है कि वो मालती के लिए अपना करियर भी छोड़ सकती हैं।

प्रियंका का कहना है कि अगर उनकी बेटी मालती कहती है कि उनको देश बदलना है तो वह वो करने के लिए भी तैयार हैं। प्रियंका ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, 'उस समय मैंने इसे ग्रांटेड लिया था। ये कुछ ऐसा है कि बिल्कुल ये आपके पेरेंट्स का ही काम है। मेरा करियर मायने रखता है।

प्रियंका चोपड़ा ने आगे कहा कि 'तब तक मैंने ये नहीं सोचा था जब तक मैं अपनी बुक पर काम नहीं कर रही थी। फिर मैंने सोचा कि अब मैं 40 साल की हो गई हूं। अब मुझसे पूछा जाएगा कि मैं अपना करियर छोड़ दूं और देश बदल दूं तो मैं अपनी बेटी के लिए यह करुंगी। प्रियंका ने कहा कि यह बहुत बड़ा बलिदान होता है और हम बहुत खुशनसीब हैं कि हमें ऐसे माता-पिता मिले जिन्होंने ऐसा किया।' वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में प्रियंका चोपड़ा रुसो ब्रदर्स की सिटाडेल में नजर आई हैं। इसके अलावा उनके पास जी ले जरा भी है। जिसकी शूटिंग जल्द शुरू हो सकती हैं।

नागा चैतन्य ने खुलकर की सामंथा की तारीफ, अब भी पसंद एक्स वाइफ की ये चीज

नागा चैतन्य पिछले कई दिनों से अपनी हालिया रिलीज फिल्म कस्टडी का प्रचार कर रहे हैं. आज उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और दर्शक इसके एक्शन सीन्स को सराह रहे हैं. साथ ही कृति शेट्टी के साथ नागा चैतन्य की कैमिस्ट्री को भी पसंद कर रहे हैं. अपनी फिल्म का अभिनेता जोर- शोर से प्रमोशन कर रहे हैं और साथ ही तमाम इंटरव्यू में वे अपनी पर्सनल लाइफ पर भी खुलकर बात करते दिख रहे हैं. हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी पूर्व पत्नी की तारीफ भी की है.

नागा चैतन्य ने हाल ही में एक बातचीत में खुलासा किया कि तालक के बाद भी उन्हें अपनी पूर्व पत्नी सामंथा रुथ प्रभु की कौन सी बात अब भी पसंद है. प्रेमा द जर्नलिस्ट के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार में जब यही पूछा गया, तो अभिनेता ने सामंथा के दृढ़ संकल्प की सराहना की है.

नागा चैतन्य ने एक्स वाइफ सामंथा के लिए कहा, 'गो-गेटर, हार्ड वर्कर यानी वे बहुत मेहनती हैं. उनका संकल्प अद्भुत है. अगर वो कुछ चाहती है, तो वो उसे हासिल कर करने पर जोर लगा देती है और अचीव कर लेगी.' नागा चैतन्य- सामंथा का पिछले साल आधिकारिक तौर पर तलाक हो चुका है. इसके बाद भी अभिनेता अपनी पूर्व वाइफ के लिए एक सॉफ्ट कॉर्नर रखते हैं और कभी भी नफरत जैसी कोई बात नहीं करते. हाल ही में जब उनसे सामंथा की फिल्मों में से अपनी पसंदीदा फिल्मों को बताने के लिए कहा गया तो अभिनेता ने जवाब दिया ओह बेबी! और फैमिली मैन 2.

इंटरव्यू में नागा चैतन्य ने सामंथा के साथ अपनी असफल शादी के बारे में भी बात की और इसे 'दुर्भाग्यपूर्ण चरण' बताया. उन्होंने कहा, 'मेरी शादी के साथ मेरे निजी जीवन में जो कुछ भी हुआ, वो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है. लेकिन मेरे जीवन के उस चरण के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है.

आगे नागा चैतन्य कहते हैं कि 'यह मीडिया रिपोर्ट के कारण है और उन्होंने कैसे अटकलें और अफवाहें फैलाकर सब कुछ चित्रित किया है. ऐसी खबरों के कारण मेरी पूरी इज्जत चली गई है और जनता की नजर में कम हो गया है. इसने मुझे बहुत आहत किया. लगभग एक साल हो गया था जब अदालत ने हमें आपसी सहमति से तलाक दिया था.'

नेपोटिज्म को लेकर एक बार फिर चर्चा में आईं आलिया भट्ट

जब भाई-भतीजावाद यानि नेपोटिज्म की बात आती है तो आलिया भट्ट अक्सर चर्चा का केंद्र रहती हैं। इस बार उन्होंने भाई-भतीजावाद के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह इसे पहचानती हैं और अपने पेशे को काम को कभी ही हल्के में नहीं लेती हैं। बीते दिनों एक्टर नेपोटिज्म के मामले को लेकर काफी नेगेटिव अटेंशन पा चुकी हैं।

यह पहली बार नहीं है जब आलिया भट्ट ने भाई-भतीजावाद के विषय पर बात की है। फिल्म निर्देशक महेश भट्ट और अभिनेता सोनी राजदान की बेटी आलिया भट्ट ने, इससे पहले कहा था कि उन्हें पहला ब्रेक अपने माता-पिता की वजह से नहीं मिला, बल्कि करण जौहर को ऑडिशन देने के बाद मिला था। आलिया ने 2012 में वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ करण जौहर की स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अपनी फिल्म के करिअर की शुरुआत की थी।

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, आलिया ने उद्योग में विशेषाधिकार और भाई-भतीजावाद के मुद्दे पर चर्चा करते हुए कहा, "यह निश्चित रूप से पिछले कुछ वर्षों में बातचीत में बहुत अधिक आया है। मैं समझती हूं कि संभवतः दूसरे व्यक्ति की तुलना में, मेरे लिए बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखना आसान था। उन्होंने आगे कहा कि मेरे लिए कोई भी सपना बड़ा या छोटा नहीं होता है। सबके सपने एक हैं, सबकी चाहत एक है। इसलिए मैं पूरी तरह से समझती हूं कि यह मुद्दा क्यों उठता है। मैं केवल इतना कह सकता हूं कि मैं इस तथ्य को स्वीकार करती हूं कि मुझे वह शुरुआत मिल गई है। मैं इस तथ्य को भी स्वीकार करती हूं कि मेरे पास वह विशेषाधिकार है, यही वजह है कि मैं हर दिन अपना 100 प्रतिशत देने का प्रयास करती हूं और मैं कभी भी अपने काम को हल्के में नहीं लेती।

आलिया भट्ट के वर्क फ्रन्ट की बात करें तो उन्होंने पिछले साल यानि अक्टूबर 2022 में बॉलीवुड में दस साल पूरे किए हैं । उन्होंने हाल ही में, संजय लीला भंसाली की गंगूबाई काठियावाड़ी में उनके प्रदर्शन के लिए अपना पांचवां फिल्मफेयर पुरस्कार ही जीता है। उन्होंने पिछले हफ्ते की शुरुआत में मेट गाला रेड कार्पेट पर एक सफेद प्रबल गुरुंग गाउन में अपनी शुरुआत की।

आलिया गैल गैडोट और जेमी डोर्नन के साथ फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' से हॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। वह रणवीर सिंह के साथ करण जौहर की 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में काम कर रही हैं। इसके अलावा आलिया ने अभी तक फरहान अख्तर की 'जी ले जरा' की शूटिंग शुरू नहीं की है।

आईएएस बनना चाहती थीं, बन गईं एक्ट्रेस?

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक एक्ट्रेस की फोटो काफी वायरल हो रही है. सामने आई इस स्कूल की ग्रुप फोटो में बॉलीवुड की सबसे पढ़ी-लिखी और टॉप एक्ट्रेस नजर आ रही हैं. लेकिन इस बचपन की फोटो में एक्ट्रेस को पहचाना आसान नहीं है. क्या आप बता सकते हैं कि इन बच्चों में से एक कौन हैं बॉलीवुड की वो टैलेंटेड एक्ट्रेस जिसने बॉलीवुड में कई अलग अलग किरदार निभाए हैं.

ग्रुप फोटो में नजर आ रही ये बच्ची आज बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस हैं जिसके चर्चे सिर्फ देश में नहीं बल्कि दुनियाभर में होते हैं. हालांकि इस तस्वीर में एक्ट्रेस को पहचानना एक बड़ा चैलेंज है. इस ग्रुप फोटो में कई सारे बच्चे बैठे नर आ रहे हैं. लेकिन इस तस्वीर में छिपी है बॉलीवुड की वन ऑफ द मोस्ट ब्यूटीफुल एंड ग्लैमरस एक्ट्रेस, जिनका हर अंदाज आप को दीवाना बना देता है. कुछ समय से उनका नाम एक क्रिकेटर के साथ भी जोड़ा जा रहा है. फोटो में वह सबसे फर्स्ट रो में सिस्टर के बाजू में बैठी हैं. लेकिन उन्हें पहचानना बेहद मुश्किल है.

लेकिन उन्हें पहचानना बेहद मुश्किल है.

स्कूल की इस ग्रुप फोटो में सिस्टर के साथ बैठी नजर आ रही बच्ची कोई और नहीं बल्कि हेटैलेंटेड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला हैं. इस फोटो को देखकर अंदाज लगा पाना वाकई थोड़ा मुश्किल है क्योंकि फोटो में सभी बच्चे ड्रेस पहने नजर आ रहे हैं जिससे सभी बच्चे एक जैसे ही लग रहे हैं. उर्वशी जिस तरह सबसे आगे के रो में बैठी है उसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह टीचर की कितनी चहीती रही होंगी.

किस्मत में था एक्ट्रेस बनना

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी उत्तराखंड के कोटद्वार की रहने वाली हैं. उन्होंने उत्तराखंड के ही डीएवी स्कूल से अपनी पढ़ाई पूरी की और उसके बाद गार्गी कॉलेज नई दिल्ली से ग्रेजुएशन किया. बहुत कम लोग जानते होंगे कि उर्वशी पढ़ने में बहुत होशियार थीं. उन्हें 12वीं में 97 पर्सेंट आए थे. वहीं उन्होंने आईआईटी एंट्रेंस और आईएएस की भी तैयारी की थी. लेकिन उनकी किस्मत में एक्ट्रेस बनना लिखा था.

बता दें कि उर्वशी रौतेला अपने काम से ज्यादा अपनी खूबसूरती और अपने लुक को लेकर चर्चा में रहती हैं. इसके अलावा वह क्रिकेटर ऋषभ पंथ संग अपने अफेयर को लेकर भी अक्सर सुर्खियों में रहती हैं. अपने करियर में उन्होंने सिंह साहब द ग्रेट, हेट स्टोरी 4, ग्रेट ग्रैंड मस्ती, सनम रे, पागलपंती, वर्जिन भानुप्रिया, भाग जॉनी जैसी कई फिल्मों में बेहतरीन किरदार निभाए हैं.

यूपी निकाय चुनाव: वाराणसी के मेयर और 100 पार्षदों के भाग्य का फैसला आज

वाराणसी, 12 मई (एजेंसियां)। काशी में शनिवार का नगर निकाय चुनाव के प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला होगा। नगर निकाय चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने वाले वाराणसी के 100 वार्ड के 637 पार्षद प्रत्याशी और 11 महापौर प्रत्याशियों की हार-जीत का खुलासा होगा। शनिवार सुबह 8:00 बजे से वाराणसी के पहाड़िया मंडी के राज्य भंडारण निगम के कक्ष संख्या दो और तीन में मतगणना शुरू होगी, जहां एक साथ महापौर और पार्षद पद के प्रत्याशियों के ईवीएम खुलेंगे।नगर निकाय चुनाव के मतगणना के दृष्टिगत वाराणसी में तैयारियां पूरी कर ली गई है। 100 वार्ड में से 1325 बूथों पर निकाय चुनाव के पहले चरण में यानी 4 को यहां वोटिंग संपन्न हुई थी। इन सभी बूथों पर दो-दो ईवीएम लगाए गए थे। इस तरह से शनिवार को काशी में कुल 2650 ईवीएम में वोटों की गिनती होनी है। एक राउंड में 100 ईवीएम खोले जाएंगे और 27 राउंड में वोटों की गिनती पूरी होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी और डीएम एस राजलिंगम ने कहा कि पार्षद पद के परिणाम सुबह 10:00 बजे के बाद आने शुरू हो जाएंगे। महापौर के वोटों की गिनती में देरी हो सकती है। उनके परिणाम दोपहर 3:00 बजे तक घोषित किए जाएंगे। शहर को नए महापौर और वार्डों को अपने नए पार्षद कल शाम तक मिल जाएंगे। मतगणना के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इसे लेकर अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में वोटों की गिनती प्रक्रिया पूरी की जाएगी और इसकी वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। मतगणना के दिन धारा 144 लागू रहेगी और विजय जुलूस निकालने पर भी पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है।डीएम राजलिंगम ने बताया कि मतगणना के दौरान सबसे पहले पोस्टल बैलट की गिनती होगी। इसके बाद ईवीएम खोली जाएंगी। नगर पंचायत गंगापुर में अध्यक्ष के लिए 4 और 10 वार्ड के सदस्य पद के लिए 30 प्रत्याशियों की किस्मत बैलट बॉक्स में बंद है। नगर पंचायत में वोटों की गिनती राजातालाब तहसील परिसर में संपन्न होगी। नगर पंचायत के परिणाम दोपहर 1:00 बजे तक आने की उम्मीद है।

प्रयागराज में सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान के खिलाफ दायर याचिका खारिज

प्रयागराज, 12 मई (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ के एक बयान को लेकर थाना सराय इनायत में मुदकमा दर्ज कराने की याचिका दायर की गई थी। इसे गुरुवार को खारिज कर दिया गया। सीएम योगी के खिलाफ दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156 (3) के तहत मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई थी।दरअसल, जगबंधनपुर निवासी आजम राइन ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156 (3) के तहत अवर न्यायालय प्रार्थना पत्र दिया था। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश जारी करने की अपील की गई थी। 156 (3) की दरखास्त को अधीनस्थ न्यायालय ने 2 मई 2023 को खारिज कर दिया गया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराए जाने की अर्जी मजिस्ट्रेट की अदालत से खारिज होने के बाद जिला जज संतोष राय की कोर्ट में निगरानी में फिर से याचिका दाखिल की गई थी, शासकीय अधिवक्ता गुलाब चंद अग्रहरी ने बताया, 'जगबंधनपुर निवासी आजम राइन ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156 (3) के तहत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने का आदेश जारी किए जाने की अपील की थी, जिसको अंडर सेक्शन 397 सीआरपीसी वन रिवीजन के तहत दाखिल किया गया था।'शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि कोर्ट में दोनो पक्षों के बीच बहस हुई। इसमें उन्होंने सीएम योगी की ओर से पक्ष रखते हुए कहा कि अवर न्यायालय के आदेश में कोई त्रुटि नहीं है। कोई भी गैरकानूनी ढ़ंग से आदेश पारित नहीं किया गया। मामला प्रयागराज का नहीं ,बल्कि लखनऊ जिले का है। इसे एडमिशन के स्तर पर ही न्यायालय द्वारा खारिज कर दिया गया था।

यूपी परिवहन विभाग के 104 अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू, भ्रष्टाचार पर एक्शन

लखनऊ, 12 मई (एजेंसियां)। काम के बदले दाम लेना यूपी परिवहन विभाग के कई अधिकारियों पर अब भारी पड़ने वाला है। ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर अब बड़ी कार्रवाई की तैयारी की गई है। प्रदेश भर में ऐसे 104 आरटीओ, एआरटीओ, पीटीओ, आरआई और कर्मचारियों के खिलाफ जांच शुरू हो गई है जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। प्रदेश भर के इन अधिकारियों में से लखनऊ आरटीओ के भी अधिकारी और कर्मचारी जांच के दायरे में हैं। अपर परिवहन आयुक्त प्रशासन की तरफ से ऐसे अधिकारियों की जांच रिपोर्ट जल्द तैयार करने के निर्देश जांच अधिकारियों को दिए गए हैं।

गांव में घुसा तेंदुआ, 6 लोगों पर किया हमला; दहशत में ग्रामीण

हरदोई, 12 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के सांडी में रहने वाले लोग दहशत में जी रहे हैं। दरअसल गुरुवार को मुरौली कठेरिया गांव में गर्रा नदी की कछार से निकलकर एक तेंदुआ आ गया। तेंदुए ने गांव के 6 लोगों को घायल कर दिया है। सभी 6 लोगों को इलाज के लिए फौरन अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। इस घटना के बाद से ग्रामीण अपने घरों में कैद हो गए हैं। वहीं मामले की सूचना मिलते ही फौरन वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जिसके बाद से लगातार टीम तेंदुए को खोजने की कोशिश में लगी है, लेकिन अभी तक तेंदुआ नहीं मिला है। हालांकि टीम की सर्चिंग जारी है।

मटन खाने को लेकर विवाद में गोलीबारी

चार लोगों ने मिलकर एक व्यक्ति को मारी दो गोली

सिवान, 12 मई (एजेंसियां)। बिहार के सिवान में मटन के लिए कुछ लोगों में विवाद हो गया। दरौंदा थाना इलाके के बागोड़ा बाजार में चार अपराधी किस्म के लोगों ने मिलकर एक व्यक्ति पर गोली चला दी। गोलीबारी की घटना के वहां अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों की मदद से घायल को सिवान सदर अस्पताल भर्ती कराया गया। जहां उसका उपचार चल रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई है।

बहन की डोली से पहले उठी भाई की अर्थी, सड़क हादसे में जीजा-साले की मौत

गोपालगंज, 12 मई (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज में दो लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। कुचायकोट थाना क्षेत्र के भठवा ओवरब्रिज के पास एनएच 27 पर अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से दोनों लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए। आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां गोरखपुर में इलाज के दौरान ही दोनों की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल पहुंचा दिया। फिलहाल पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

पिता के सामने बेटे ने अपने भाई को चाकुओं से गोदा इलाज के दौरान मौत

खगड़ियाः बिहार के खगड़िया में एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। गोगरी के रामपुर गांव में अपने ही भाई को किसी विवाद के लिए पिता के सामने ही चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। तभी से इस मामले में परिजनों से पूछताछ करते हुए जांच पड़ताल में जुटी है।

सुशील मोदी ने उद्धव का नाम लेते हुए कहा

मिल गई धोखा देने की सजा, अब सीएम नीतीश की बारी

पटना, 12 मई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकता के लिए मुहिम चला रहे हैं। अलग-अलग राज्यों में जाकर अलग-अलग पार्टी के नेताओं से मिल रहे हैं। अभी हाल ही में नीतीश कुमार ने ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन, मुंबई में शरद पवार और उद्धव ठाकरे से मुलाकात की है। लगातार बीजेपी के नेता इस विपक्षी एकता की बात पर सीएम नीतीश कुमार पर हमलावर हैं। को बयान जारी कर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने हमला बोला। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने उद्धव ठाकरे का नाम लेते हुए कहा कि इन्हें जैसे बीजेपी को धोखा देकर सरकार बनाने की सजा मिली, वैसे ही नीतीश कुमार को भी जनता सत्ता से बाहर कर पलटी मारने का दंड देगी। सुशील मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार और शरद पवार जैसे जो लोग शिवसेना के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने और महाराष्ट्र की शिंदे सरकार के गिरने की उम्मीद में टकटकी लगाए बैठे थे, उन्हें सुप्रीम कोर्ट के फैसले से झटका लगा।

सोचा था जश्न मनाएंगेः सुशील कुमार मोदी

मुंबई में नीतीश कुमार ने उद्धव ठाकरे से भेंट की। इसको लेकर सुशील मोदी ने कहा कि इसके लिए वही तारीख चुनी गई जिस दिन सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आना था और सोचा था कि सरकार गिरने का जश्न मुंबई में मनाकर विपक्षी एकता का गुब्बारा उड़ाएंगे। इस मंशा पर पानी फिर गया। सुशील मोदी ने कहा कि विधायकों को अयोग्य ठहराने का निर्णय स्पीकर पर छोड़ने का फैसला स्वागतयोग्य है।

'बिहार में लोग पार्टी छोड़ रहे हैं'

बीजेपी नेता ने आगे कहा कि नीतीश कुमार उन्हीं दलों को एक करने का नाटक कर रहे हैं, जो महाविकास अघाड़ी के बैनर तले पहले से एक हैं। नीतीश कुमार कर्नाटक में कांग्रेस और जेडीएस को या पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और टीएमसी को कहां जोड़ पाए? वे विपक्षी एकता की बातें कर अपना मन बहला रहे हैं और इधर बिहार में लोग डूबती नाव की तरह उनकी पार्टी छोड़ रहे हैं।

'डर की वजह से कभी नहीं गए नोएडा

अखिलेश यादव पर बरसे लक्ष्मीकांत वाजपेई; अब मेरठ में भी रचा जाएगा इतिहास

मेरठ, 12 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयीने मेरठ में अपने पूरे परिवार के साथ पहुंचकर नगर निकाय चुनाव को लेकर मतदान किया था। इस दौरान लक्ष्मीकांत वाजपेयी के समाजवादी पार्टी और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर खूब टूटकर पड़े। उन्होंने कहा कि शालीनता और सौम्यता बनाम डॉट डॉट... का है यह चुनाव। लक्ष्मीकांत वाजपेयी से जब जो पूछा गया कि यह डॉटडॉटडॉट क्या है? तो उन्होंने ने बताया कि जनता जानती है कि उनको किस से हानि है। पूर्व में जान और माल का नुकसान जनता को हुआ है। लक्ष्मीकांत वाजपेयी समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के ऊपर भी जमकर बरसे और उन्होंने कहा कि मेरठ में इतिहास बना है और पहले यह देखा गया है कि योगी आदित्यनाथ नोएडा में 9 बार गए थे, जबकि कहा गया था कि नोएडा में जो भी मुख्यमंत्री जाता है वह हार जाता है। अखिलेश यादव इसी डर की वजह से कभी नोएडा नहीं गए, लेकिन योगी आदित्यनाथ नोएडा गए और जीत के आए। लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने यह भी कहा कि एक मिथक उत्तर प्रदेश में यह भी था कि यूपी में एक बार जिसकी सरकार बन जाती है उसकी सरकार फिर से दोबारा रिपीट नहीं होती, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह मिथक भी तोड़ दिया। ऐसे ही मेरठ में भी इतिहास रचा जाएगा और भाजपा का मेयर होगा।

आगरा में बड़ा हादसा

जम्पिंग के दौरान हाइटेंशन लाइन में उलझा पैराशूट, कमांडो अंकुर शर्मा की गई जान

आगरा, 12 मई (एजेंसियां)। आगरा में पैराशूट जम्पिंग के दौरान बड़ा हादसा हो गया। मलपुरा थाना क्षेत्र में पैराशूट जम्पिंग के दौरान कमांडो का पैराशूट हाइटेंशन लाइन में उलझ गया। ये देख किसानों ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी। कमांडो अंकुर शर्मा को उपचार के लिए मिलिट्री हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी जान चली गई। बताया गया है कि मलपुरा के ड्राप जोन से दूर पैराशूट हाइटेंशन लाइन में उलझ गया था। जिसके बाद हाईटेंशन लाइन से कमांडो नीचे गिरे। ये देख स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। बताया गया है कि कमांडो अंकुर शर्मा जम्मू कश्मीर में तैनात थे।

नाइजीरिया में बस्ती के दस बंधक कामगारों ने सीएम योगी ने लगाई गुहार

बस्ती, 12 मई (एजेंसियां)। नाइजीरिया गए बस्ती के दस लोगों को कंपनी मालिक ने वेतन मांगने पर बंधक बना लिया है। इन्हें पिछले नौ माह से वेतन नहीं दिया गया था। इनके परिजनों ने विदेश मंत्रालय के साथ ही सीएम योगी से इनके वतन वापसी की गुहार लगाई है। पिछले नौ माह का रुका वेतन जानकारी के मुताबिक, वाल्टरगंज थानाक्षेत्र के दस कामगार 2021 में नाइजीरिया की एक रिफायनरी कंपनी में काम करने गए थे। कंपनी ने पिछले नौ माह से इनका वेतन रोक दिया है। एक वक्त का भोजन दे रहे हैं। किसी तरह घर के भेजे पैसों से इनका गुजारा हो रहा है। इन कामगारों ने सोशल मीडिया के माध्यम से सीएम योगी से वतन वापसी की गुहार लगायी है। इसके साथ ही परिजनों ने विदेश मंत्रालय में भी वतन वापसी की मांग की है। कंपनी ने जिन लोगों को बंधक बनाया है उनमें वाल्टरगंज क्षेत्र के खरहरा जप्ती पोस्ट बरगदवां के रहने वाले विनोद कुमार, राकेश कुमार, पन्ना लाल, मोहम्मद कलीम, अब्दुल करीम गफ्फार, खुशहाल, मोहम्मद यसीन, सफी अहमद व सोनहा के पचमोहनी निवासी सद्दाम हुसैन शामिल हैं।

तेज प्रताप यादव की बढ़ीं मुश्किलें, ऐश्वर्या को भी लौटानी होगी बड़ी रकम; तलाक मामले पर हाईकोर्ट ने क्या कहा?

पटना, 12 मई (एजेंसियां)। पटना हाईकोर्ट ने बिहार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तेज प्रताप यादव की पत्नी ऐश्वर्या राय को उनके तलाक के मामले में राहत दे दी। ऐश्वर्या 2019 में आए फैमिली कोर्ट के फैसले से संतुष्ट नहीं थीं और उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया। न्यायमूर्ति पी।बी। बजंधारी और न्यायमूर्ति अरुण कुमार झा ने उनके मामले को स्वीकार कर लिया और पटना की फैमिली कोर्ट को नए सिरे से सुनवाई करने और 3 महीने के भीतर कानून के अनुसार फैसला सुनाने का निर्देश दिया।

घरेलू हिंसा के तहत होगी सुनवाई

दिग्गज नेता चंद्रिका राय की बेटी ऐश्वर्या राय ने मई 2018 में एक भव्य समारोह में लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव से शादी की थी, लेकिन एक साल के भीतर ही उनके रिश्ते में खटास आ गई। ऐश्वर्या राय ने तेज प्रताप यादव, उनकी मां और पूर्व सीएम राबड़ी देवी व उनकी बहन और सांसद मीसा भारती पर घरेलू हिंसा के आरोप लगाए थे। लेकिन जब निचली अदालत से फैसला आया तो उन्हें मुआवजे का आदेश दिया गया। ऐश्वर्या ने हाईकोर्ट में अपनी दायर याचिका में यही कहा कि उन्होंने अदालत से इस तरह की कोई मांग ही नहीं की थी। ऐश्वर्या के मुताबिक उनके साथ घरेलु हिंसा हुई, फैसला इसको लेकर होना चाहिए था।

तेज प्रताप के साथ रहना चाहती हैं ऐश्वर्या

बता दें कि तेज प्रताप यादव ने 2019 में फैमिली कोर्ट में तलाक का मामला दायर किया था। कोर्ट ने उन्हें मासिक खर्च के लिए 22,000 रुपये और अदालती खर्च के लिए 2 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया था। ऐश्वर्या राय हालांकि फैमिली कोर्ट के फैसले से संतुष्ट नहीं थीं। उन्होंने कहा कि वह तेज प्रताप यादव के साथ रहना चाहती हैं। अदालत ने हालांकि ऐश्वर्या राय के वकीलों को तेज प्रताप यादव से अब तक लिए गए पैसे वापस करने का भी निर्देश दिया।

प्रेमिका से विदेश में युवक ने की शादी और फिर पैसे लेकर हुआ फरार, युवती ने दिया प्रेमी के घर पर धरना

पटना, 12 मई (एजेंसियां)। बिहार के मोतिहारी ज़िले से प्रेम प्रसंग और विवाह का अजीब मामला सामने आया है। युवती ने अपने प्रेमी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती का आरोप है कि विदेश बुलाकर उसका धर्म परिवर्तन करवाया और शादी रचाई।

शादी के बाद पैसे लेकर फरार हो गया।

युवती अपने प्रेमी को ढूंढ़ते हुए उसके घर पहुंची लेकिन युवक के घर वालों ने उसे रखने से इनकार कर दिया। प्रेमी के घर वालों के मना करने के बाद युवती उसके घर के आगे धरने पर बैठ गई। वहीं उसने धमकी भी दी, अगर उसका प्रेमी घर में नहीं रखेगा तो जान दे दुंगी। बिहार के युवक का उत्तर प्रदेश की रहने वाली युवती से साल 2009 में प्रेम प्रसंग की शुरुआत हुई थी। रसूलगढ़ गांव (बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश) निवासी प्रीति कुमारी ने कहा कि नोएडा में पढ़ाई करती थी। साल 2009 में नोएडा सेक्टर-73 में किराये पर मकान लेकर रहती थी। स्कूल और कोचिंग में उसके साथ सेमरा बेलवतीया गांव (तुरकौलिया थाना क्षेत्र, मोतिहारी) निवासी तालिफ रज़ा पढ़ता था। इसी दौरान दोनों में दोस्ती हुई। प्रीति कुमारी पढ़ाई के साथ-साथ बर्गर टीम में काम करती थी। वहीं तालिफ डोमिनोज में काम करता था। इसी दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध बने। तालिफ रज़ा 2018 में दुबई चला गया, 2019 में उसने प्रीति को भी दुबई बुलाया। धर्म परिवर्तन कराने के बाद मुस्लिम रीति रिवाज से शादी रचाई। शादी के बाद दोनों पति-पत्नी की तरह रह रहे थे। वहीं शादी के बाद प्रीति ने ब्यूटी पार्लर में काम शुरू कर दिया। सब कुठ ठीक ही चल रहा था, कुछ दिनों बाद इलाज के सिलसिले में प्रीति नोएडा चली गई। अक्टूबर 2022 में वह वापस दुबई अपने मकान में पहुंची जहां वह पति के साथ रहती थी। वहां पहुंचने पर देखा कि ताला लगा हुआ है। मालिक मकान ने बताया कि कुछ दिन पहले ही असका पति वापस गांव चला गया। प्रीति ने जब उससे संपर्क साधा तो उसने बात करने से इनकार कर दिया और अपने गांव में दूसरी शादी कर ली। वह अपने प्रेमी की तलाश में मोतिहारी के सेमरा बेलवतिया गांव (तुरकौलिया थाना क्षेत्र) पहुंची। प्रेमी पति के घर पहुंचने के बाद तालिफ के घर वालों ने लड़की को घर में रखने से मना कर दिया। इसके बाद लड़की वहीं धरने पर बैठ गई।

धीरेंद्र शास्त्री के भाई को लेकर पप्पू यादव का बड़ा बयान

पूछा- बाबा क्यों नहीं बनाते हैं पर्चा?

हाजीपुर, 12 मई (एजेंसियां)। राजधानी पटना से सटे नौबतपुर के तरेत पाली में बाबा बागेश्वर का 13 से 17 मई तक कार्यक्रम है। बिहार में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को लेकर लगातार बयानबाजी भी हो रही है। जाप सुप्रीमो पप्पू यादव बाबा बागेश्वर पर कई बार बयान दे चुके हैं। धीरेंद्र शास्त्री के भाई को लेकर सवाल पूछ दिया कि वे अपने भाई का पर्चा क्यों नहीं बना देते हैं? पप्पू यादव गुरुवार को वैशाली पहुंचे थे। यहीं मीडिया को बयान दिया है। पप्पू यादव ने कहा कि ऐसे बाबाओं को पेश कर जेल में बंद कर देना चाहिए। पप्पू यादव ने धीरेंद्र शास्त्री के सगे भाई को लेकर कहा कि वह हथियार रखता है। पहले अपने भाई का पर्चा बना दें। आगे पप्पू यादव ने कहा कि अगर चमत्कार होता तो देश में करोड़ों लोग जो मर गए उनको बचा लिया जाता। यह होता तो समझते कि चमत्कार है। अगर देश की गरीबी को चमत्कार से मिटा दिया जाता तो समझते कि चमत्कार है। धीरेंद्र शास्त्री चमत्कार करना जानते हैं तो पाकिस्तान और चाइना को खत्म कर दें।

पशुपति पारस पर किया हमला

हाजीपुर पहुंचे जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पप्पू यादव ने इस दौरान केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस के बयान पर चिराग का समर्थन करते हुए कहा कि पशुपति पारस पर उम्र लद गया है। भतीजे के ऊपर दिए गए बयान को वापस लेना चाहिए। कहा कि बार-बार पशुपति पारस कहते हैं कि चिराग अपना खून नहीं है। सब जानते है कि वह रामविलास पासवान के पुत्र है। चिराग उनके ही वंशज हैं। अगर लग रहा है कि चिराग आपका खून नहीं है तो आप डीएनए जांच करा लें। बता दें कि कुछ दिन पहले पशुपति कुमार पारस ने हाजीपुर में ही चिराग पासवान को मिली जेड सिक्योरिटी पर बयान दिया था। कहा था कि सुरक्षा जंजाल है। सुरक्षा में ही इंदिरा गांधी की हत्या हो गई थी। अब पप्पू यादव ने कहा है कि उन्हें लगता है कि इस बयान को जल्द से जल्द वापस ले लेना चाहिए।

जाम में खड़ी गाड़ियों के बोनट पर मोबिल ऑयल डालकर करते थे टप्पेबाजी, तमिलनाडु के रहने वाले तीन लोग गिरफ्तार

लखनऊ, 12 मई (एजेंसियां)। चिनहट पुलिस ने खुलासा करते हुए तमिलनाडु के रहने वाले तीन शातिर टप्पेबाजों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से ज्वेलरी व 6100 रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया है कि वह राजधानी लखनऊ व अन्य क्षेत्रों में टप्पेबाजी की घटनाओं को अंजाम देते थे। डीजीपी ईस्ट ह्रदेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि 'जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है यह तमिलनाडु के रहने वाले हैं और लखनऊ में टप्पेबाजी की घटनाओं को अंजाम देते थे। खास बात यह है कि यह खास तरीके से आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते थे। तीनों अपराधी गैंग बनाकर घटनाओं को कारित करते थे, जिसके लिए यह जाम में खड़ी गाड़ियों के बोनट पर मोबिल ऑयल डाल देते थे। जिसके बाद गाड़ी चला रहे व्यक्ति से यह कहते थे कि आपकी गाड़ी से तेल निकल रहा है, कहीं आपकी गाड़ी में आग न लग जाए। जिसके बाद अफरा-तफरी में व्यक्ति गाड़ी देखने पीछे चला जाता था, इतनी देर में यह गाड़ी में रखे कीमती सामान जैसे कि लैपटॉप, पर्स व अन्य सामान पर हाथ साफ कर देते थे।

यूपी में धर्मांतरण के मामलों में इजाफा पिछले दो साल में 833 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, 12 मई (एजेंसियां)। द केरल स्टोरी की रिलीज के बाद से ही देशभर में धर्म परिवर्तन और लव जिहाद जैसे मुद्दे एक बार फिर गर्म हैं। इस बीच यूपी के एक आंकड़ों ने सभी को चौंका दिया है। बीते दो वर्षों में उत्तर प्रदेश में धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम, 2020 (धर्मांतरण विरोधी कानून) के तहत 427 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें कुल 833 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने दो वर्ष पहले 27 नवंबर 2020 को धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम, 2020 लागू किया था। जिसके एक माह बाद 1 जनवरी 2021 से 30 अप्रैल 2023 तक सूबे में धर्मांतरण के 427 केस दर्ज किए गए, जिनमें 833 व्यक्तियों की गई है। आंकड़ों को बात करें, तो नाबालिगों के धर्मांतरण के 65 की दर्ज किए गए हैं। इनमें मेरठ जोन में 12, गोरखपुर में 10, बरेली में 9, आगरा में 5, लखनऊ व प्रयागराज में 4-4 और वाराणसी में 2 की दर्ज हुए थे। इनमें से 185 मामलों में पीड़ितों ने कोर्ट के सामने स्वीकार किया है कि उनका जबरन धर्मांतरण कराया गया था। यूपी में धर्म परिवर्तन को लेकर सरकारी आंकड़ों के मुताबिक बरेली जोन में सबसे अधिक 86, गोरखपुर जोन में 59, लखनऊ जोन में 53, मेरठ जोन में 47, प्रयागराज जोन में 46 और वाराणसी जोन में 39 केस दर्ज किए गए हैं। वहीं पुलिस कमिश्रेट की बात करें, तो सबसे अधिक लखनऊ पुलिस कमीश्नरेट में 20, कानपुर पुलिस कमीश्नरेट में 19, प्रयागराज पुलिस कमीश्नरेट में 13 और नोएडा पुलिस कमीश्नरेट 10 केस दर्ज किए गए थे।

अडानी मामले की सुनवाई 15 मई तक के लिए टली

कोर्ट ने सेबी से कहा - जांच पूरी करने के लिए 6 महीने की मांग है अनुचित

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट अब 15 मई 2023 को अडानी-हिंडनबर्ग मामले की सुनवाई करेगी। इससे पहले सेबी ने कोर्ट से छह महीने के समय की मांग की थी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने सेबी से कहा कि जांच पूरी करने के लिए छह महीने के समय की मांग उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि हम 14 अगस्त के आसपास सुनवाई करेंगे और तीन महीने के भीतर आप जांच पूरी कर लें। चीफ जस्टिस ने कहा हमने जो कमिटी बनाई थी उसे अबतक पढ़ा नहीं है। चीफ जस्टिस ने कहा कि सोमवार को सुनवाई के दौरान सेबी के आवेदन पर विचार करेंगे। इससे

पहले सुनवाई के दौरान शेयर बाजार के रेग्यूलेटर सेबी ने कोर्ट से अडानी मामले की जांच को पूरा करने के लिए छह महीने के और समय की मांग की। सेबी के तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा कि मामले को देखते हुए छह महीने का और समय चाहिए। हालांकि वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कोर्ट से कहा कि सेबी आईओएससीओ का पार्टनर है जिसका सदस्य टैक्स हेवेन देश भी हैं। आईओएससीओ की संधि के मुताबिक कोई भी देश किसी भी प्रकार की जानकारी मांग सकता है और इसमें कुछ गुप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि सेबी पहले भी जानकारी मांग सकती थी। सरकार के मुताबिक सेबी 2017 से जांच कर रही है। प्रशांत भूषण ने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लिए सेबी के 19 दिसंबर 2022 को जारी मास्टर सर्कुलेशन में कहा है कि सभी निवेशकों को के लिए लाभार्थी मालिकों के नाम का खुलासा करना जरुरी है। 2 मार्च 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के सामने आने के बाद अडानी समूह के शेयरों में भारी गिरावट की जांच करने और छोटे निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सेबी के मौजूदा रेग्युलेटरी मैकेनिज्म की समीक्षा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अगुवाई में एक्सपर्ट कमिटी का गठन किय था। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज ए एम सापरे के नेतृत्व में कमिटी का गठन किया है। जिसमें आईसीआईसीआई बैंक के पूर्व सीईओ रहे के वी कामथ, इंफोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि सदस्य बनाये गए थे। इनके अलावा एसबीआई के पूर्व चेयरमैन ओ पी भट्ट, जस्टिस जे पी देवधर और सोमशेखर संदरेशन कमिटी भी समिटी के अन्य सदस्य थे।

टाटा की राह पर चले अंबानी

खरीदने जा रहे हैं ये 100 साल पुरानी ब्रिटिश कंपनी !

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज तेजी से नए-नए क्षेत्रों में कारोबार का विस्तार कर रहे हैं। अब इस कड़ी में ऑटो सेक्टर नया एडिशन हो सकता है। इसके साथ ही मुकेश अंबानी का नाम टाटा समूह के साथ भी जुड़ जाएगा, क्योंकि उनकी कंपनी इस बार 100 साल से ज्यादा पुराने एक ब्रिटिश ब्रांड को खरीदने की तैयारी कर रही है।

ये कंपनियां भी हैं दावेदार

दरअसल ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि एमजी मोटर अपनी भारतीय यूनिट कह बहुलांश हिस्सेदारी बेचना चाह रही है। इसे खरीदने में कई बड़े नाम दिलचस्पी दिखा रहे हैं। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज भी यह डील करने में दिलचस्पी ले रही है। इसके अलावा घरेलू दोपहिया कंपनी हीरो, प्रेमजी इन्वेस्ट और जेएसडब्ल्यू ग्रुप भी एमजी मोटर की हिस्सेदारी खरीदने के प्रयास में है।

अभी इसके पास मालिकाना हक

एमजी मोटर यानी मॉरिस गैराज एक आइकॉनिक ब्रिटिश ब्रांड है। इसकी स्थापना 1920 में हुई थी। दशकों तक एमजी मोटर की पहचान ब्रिटेन ककी कार के रूप में होती आई है। यह उसी तरह का आइकॉनिक ब्रिटिश ब्रांड है, जैसा जगुआर लैंड रोवर है। हालांकि कई अन्य सदियों पुराने ब्रिटिश ब्रांड की तरह अब यह भी अन्य देशों के कॉरपोरेट के हाथों में जा चुका है। अभी इसका मालिकाना हक चीन की कंपनी एसएआईसी मोटर्स के पास है। वहीं जगुआर लैंड रोवर को कई साल पहले टाटा समूह ने खरीद लिया था।

चल रही है डील पर बातचीत

खबरों में बताया जा रहा है कि एमजी मोटर इंडिया की टीम बहुलांश हिस्सेदारी यानी 50 फीसदी से ज्यादा शेयर बेचने के लिए विभिन्न भारतीय कॉरपोरेट घरानों व फैमिली ऑफिस से बातचीत कर रही है। एमजी मोटर इंडिया की योजना है कि इस साल के अंत तक इस डील को पूरा कर लिया जाए। इससे जो फंड मिलेगा, कंपनी उनका इस्तेमाल विस्तार की अन्य योजनाओं में करेगी।

भारत में मिला अच्छा रिस्पॉन्स

आपको बता दें कि भारत में एमजी मोटर ने बहुत कम समय में ठीक-ठाक बाजार बनाने में कामयाबी हासिल की है। कंपनी के कई मॉडल भारत में खूब पसंद किए जा रहे हैं। यही कारण है कि एमजी मोटर भारत में नया प्लांट बनाने की तैयारी में भी है, जिससे कंपनी की मैन्यूफैक्चरिंग कैपिसिटी लगभग दो गुणा हो जाएगी।

डील के पीछे ये भी एक कारण

एमजी मोटर इंडिया की 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी बेचने की योजना को हालिया भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। भारत और चीन के बीच संबंध अभी मधुर नहीं हैं। पिछले 2-3 साल के दौरान सैन्य तनाव की कई घटनाओं ने संबंधों को खराब किया है। इन सबके कारण भारत में आम लोगों के बीच चीन और चीन की कंपनियों के प्रति धारणा पर असर हुआ है।

रिकॉर्ड तेजी के बाद गोल्ड-सिल्वर के भाव में गिरावट जारी

61,000 से नीचे लुढ़का सोना, जानें चांदी का हाल

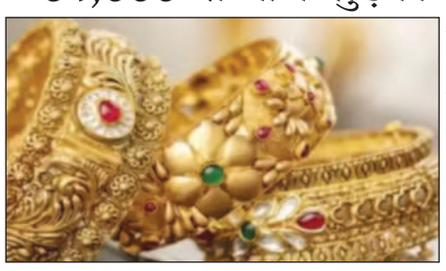

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। शादी के सीजन में अगर सोना खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। पिछले कुछ हफ्ते की रिकॉर्ड तेजी के बाद सोने-चांदी की कीमत में गिरावट का सिलसिला आज तीसरे दिन भी जारी रहा। सोना जहां 61,000 के स्तर से नीचे आ गया, वहीं चांदी 73,000 रुपये के करीब आ गई। वायदा बाजार में शुक्रवार को सोना 60,795 रुपये के साथ खुला। इसके बाद इसमें गिरावट का सिलसिला जारी रहा है यह फिलहाल 125 रुपये यानी 0.21 फीसदी प्रति 10 ग्राम की गिरावट के साथ 60,767 रुपये पर कारोबार कर रहा है। कल यह 60,892 रुपये पर बंद हुआ था।

चांदी भी भी दर्ज की गई गिरावट-

वहीं चांदी की बात करें तो यह भी आज लाल निशान पर कारोबार कर रही है। मार्केट खुलने के साथ ही चांदी 73,675 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। इसके बाद इसमें और गिरावट देखी गई है और यह फिलहाल 775 रुपये यानी 1.05 फीसदी की भारी गिरावट के साथ 73,053 रुपये पर पहुंच गई है। कल की बात करें तो यह 73,808 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्या है हाल ?

अंतरराष्ट्रीय बाजार में गोल्ड-सिल्वर दोनों की कीमत पर दबाव देखने को मिल रहा है। ऐसे में यहां भी दोनों लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं। सोने में आज 0.3 फीसदी की गिरावट देखी गई है और यह 2,010.29 प्रति औंस पर है। वहीं चांदी 0.8 फीसदी की कमी के साथ 23.98 डॉलर पर कारोबार कर रही है।

चार शहरों में क्या है ताजा रेट्स-

नई दिल्ली- 22 कैरेट सोना 56,650 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 75,000 रुपये प्रति किलोग्रामचेन्नई- 22 कैरेट सोना 57,050 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 82,000 रुपये प्रति किलोग्राम मुंबई- 22 कैरेट सोना 56,550 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 75,000 रुपये प्रति किलोग्राम कोलकाता- 22 कैरेट सोना 56,550 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 75,000 रुपये प्रति किलोग्राम।

शुक्रवार को हरे निशान पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 123 अंक चढ़ा

निफ्टी 18300 के पार

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 123.38 अंक चढ़कर 62,027.90 अंकों के लेवल पर जबकि निफ्टी 17.80 अंकों की बढ़त के साथ 18300 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे टूटकर 82.16 (अस्थायी) पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी सेशन के दौरान आयशर मोटर्स और ग्लेनमार्क के शेयरों में छह-छह प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। बीते कारोबारी हफ्ते के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी डेढ़-डेढ़ फीसदी तक उछले। इस दौरान बैंकिंग स्टॉक्स में मजबूती दिखी। हफ्तेभर में इंडसइंड बैंक के शेयर करीब 13 फीसदी तक चढ़े। दूसरी ओर, खराब नतीजों के चलते डॉ रेड्डीज के शेयर 10 फीसदी तक फिसल गए।

11.21 करोड़ टन से अधिक रह सकता है गेहूं का उत्पादन

कृषि आयुक्त ने कहा, फसल की बेहतर पैदावार की भूमिका

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। देश में फसल वर्ष 2022-23 (जुलाई-जून) में उत्पादन सरकार के रिकॉर्ड 11.21 करोड़ टन के अनुमान को पार कर सकता है। कृषि आयुक्त पीके सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि खराब मौसम के कारण देश के कुछ हिस्सों में अनाज की गुणवत्ता प्रभावित होने के बावजूद प्रमुख उत्पादक राज्यों में पैदावार बढ़ने से उत्पादन में वृद्धि का अनुमान है। सिंह ने कहा, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में फसल की पैदावार में सुधार हुआ है। मार्च-अप्रैल अवधि में कटाई के चरण के दौरान बेमौसम बारिश से अनाज की चमक में कमी व अनाज में नमी की अधिकता के कारण नुकसान हुआ है। सरकार ने फरवरी में अपने दूसरे अनुमान में 2022-23 में गेहूं उत्पादन 11.21 करोड़ टन रहने की संभावना जताई थी। पिछला रिकॉर्ड 2020-21 में 10.95 करोड़ टन था।

गेहूं की जलवायु अनुकूल किस्मों से पैदावार सुधरी

सिंह ने कहा, जलवायु अनुकूल गेहूं की किस्मों से पैदावार में सुधार हुआ है। इन किस्मों को सरकार पांच वर्षों से बढ़ावा दे रही है। हालांकि, बेमौसम बारिश ने गेहूं उत्पादक राज्यों के कुछ हिस्सों में फसल को नुकसान पहुंचाया है। इससे गुणवत्ता में कमी आई है।

कुछ राज्यों में लू से पिछले साल उत्पादन मामूली घटकर 10.77 करोड़ टन रहा था।

हिंडनबर्ग के खिलाफ कार्रवाई करेंगे कार्ल इकान

बोले- जानबूझकर किया हमारा नुकसान

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। हिंडनबर्ग रिसर्च का नया शिकार बनी है इकान एंटरप्राइजेज। हिंडनबर्ग ने इकान इंटरप्राइजेज पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसके चलते इकान एंटरप्राइजेज की मार्केट वैल्यू में भारी गिरावट आई है। अब इकान इंटरप्राइजेज के चेयरमैन कार्ल इकान ने हिंडनबर्ग रिसर्च के खिलाफ कार्रवाई करने की धमकी दी है। कार्ल इकान ने कहा कि 'वह अपने यूनिट होल्डर्स को बचाने के लिए हर संभव कदम उठाएंगे।' उन्होंने कहा कि 'नाथन एंडरसन द्वारा बनाई गई हिंडनबर्ग रिसर्च का नाम ब्लिट्जक्रेग रिसर्च होना चाहिए क्योंकि यह सीधे साधे नागरिकों को नुकसान पहुंचाती है और उनकी संपत्ति को तबाह करती है। इकाना ने कहा कि हिंडनबर्ग पहले कंपनियों के खिलाफ भ्रामक और झूठा प्रचार करती है और उनकी छवि को धूमिल करके निवेशकों की मेहनत से कमाई बचत का नुकसान करती है लेकिन हम कई अन्य पीड़ितों की तरह चुपचाप नहीं बैठेंगे और अपने यूनिटहोल्डर्स को बचाने के लिए हरसंभव कोशिश करेंगे।'बता दें कि बीती दो मई को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि इकान एंटरप्राइजेज, जो कि विभिन्न सेक्टर में निवेश करती है, उसने अपनी संपत्तियों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है।

साथ ही पोंजी स्कीम जैसे आर्थिक स्ट्रक्चर को अपनाने का भी आरोप लगाया था।

एलन की जगह लेंगी 'एलोना' ?

मस्क के इस कदम से ट्विटर पर मीम्स की बाढ़ !

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। विश्व के दूसरे सबसे अमीर एलन मस्क ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर का अधिग्रहण अक्टूबर 2022 में किया था। इसके बाद से ही यह अक्सर सुर्खियों में रहता है। फिलहाल ट्विटर के सीईओ खुद एलन मस्क ही हैं, लेकिन उन्होंने कई बार पहले बताया है कि वह जल्द ही इस पद को छोड़ देंगे। लंबे वक्त से मस्क ट्विटर के लिए एक नये सीईओ की तलाश में थे और अब ऐसा लगता है कि उनकी यह तलाश खत्म हो चुकी है। उन्होंने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि उन्हें ट्विटर का नया सीईओ मिल गया है और वह अगले 6 हफ्तों में काम करना शुरू कर देंगी। मस्क के इस ऐलान के बाद से ही यह कयास लगाए जा रहे हैं कि ट्विटर की सीईओ लिंडा याकारिनो होंगी।वॉल्ट जर्नल ने दावा किया है कि मस्क के इस्तीफे के बाद जल्द ही लिंडा याकारिनो ट्विटर के मुख्य कार्यकारी पद को संभाल लेंगी। इन कयासों के बीच ट्विटर और सोशल मीडिया के

अलग-अलग प्लेटफार्म पर मीम्स की बाढ़ आ गई है। कई सोशल मीडिया यूजर्स में मजाकिया अंदाज में कहा कि ट्विटर की नई सीईओ का नाम 'एलोना' है।

लोग जमकर शेयर कर रहे मीम्स

एलन मस्क ने अपने ट्विटर हैंडल पर जानकारी शेयर करते हुए बताया कि मुझे आप सभी को यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मैंने ट्विटर और एक्स के लिए नया सीईओ खोज लिया है। वह अपने काम को अगले 6 हफ्ते में शुरू कर देंगी। मेरा रोल केवल एक्स चेयरमैन और सीटीओ का रहेगा। मस्क के इस ऐलान के बाद ट्विटर पर मीम्स की बाढ़ सी आ गई और लोग तरह-तरह पोस्ट शेयर करने लगे। एक यूजर ने डोनाल्ड ट्रंप की मॉर्फ्ड तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, 'प्लीज ऐसा मत करना'।इसके अलावा कई ट्विटर यूजर्स ने मस्क को महिला के रूप में पेश करती हुए मॉर्फ्ड तस्वीर शयर करते हुए लिखा मिलिए ऐलेना मिसे से। वहीं कुछ लोगों ने ट्विटर के नये सीईओ का नाम 'एलोना' बताया। यह सभी मीम्स सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं और लोग इसे शेयर करके मस्क के मजे ले रहे हैं। ध्यान देने वाली बात ये है कि मस्क भी अक्सर सोशल मीडिया पर मीम्स शेयर करते रहते हैं। उन्होंने एक बार खुद को 'चीफ मीम ऑफिसर' कहा था। ट्विटर की सीईओ की रेस में जिस महिला का नाम सबसे आगे है वह हैं लिंडा याकारिनो । वह साल 2011 से एनबीसी यूनिवर्सल के साथ जुड़ी हुई हैं जहां वह अध्यक्ष, ग्लोबल एड और साझेदारी के रूप में काम कर रही हैं।

पेट्रोलियम सेक्टर में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भारत को मिली बड़ी सफलता

ओएनजीसी ने मुंबई ब्लॉक में खोजे दो नए तेल - गैस के भंडार

मुंबई, 12 मई (एजेंसियां)। कच्चे तेल के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भारत को बड़ी सफलता मिली है। देश की सबसे बड़ी सरकारी तेल कंपनी ओएनजीसी को मुंबई ऑफशोर रीजन में अरब सागर में दो तेल और गैस के कुएं को खोजने में सफलता मिली है। कंपनी ने कहा है कि उसने इस खोज की जानकारी डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हाइड्रोकार्बन और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस

मंत्रालय को दे दी है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ओएनजीसी को इस खोज के लिए बधाई दी है। ओएनजीसी ने मुंबई ऑफशोर रीजन में ओएएलपी के तहत जो पहला तेल और गैस का कुंआ का भंडार खोजा है उसे अमृत का नाम दिया है। वहीं दूसरे एक्सप्लोरेशन ब्लाक में खोज को मूंगा का नाम दिया गया है। ओएनजीसी ने बताया कि तेल और गैस के इन दोनों को खोज का विस्तार से आकंलन किया जा रहा है। ओएनजीसी ने कहा कि इन खोजों के साथ हाल के वर्षों में नई खोज करके कंपनी ने ओएएलपी ब्लॉकों में अपनी प्रभावशाली लकीर जारी रखी है।

बड़े रिटेल स्टोर्स के बावजूद छोटे ग्रॉसरी स्टोर्स की धमक बरकरार

छोटे किराना दुकानों ने की सबसे ज्यादा बिक्री

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। कोविड महामारी के बाद सबसे ज्यादा जिस बिजनेस पर असर हुआ था, वह गॉसरी स्टोर का कारोबार था। लोग ऑनलाइन ज्यादा चीजें खरीदना पसंद कर रहे थे, लेकिन इसके बाद भी एफएमसीजी स्टोर का कारोबार मजबूती से बढ़ा है। रिसर्चर नीलसनआईक्यू और फाइनेंशियल टॉप एफएमसीजी फर्म के रिजल्ट के मुताबिक, उच्च उत्पाद स्टॉकिंग के साथ रौनक लौट रही है। इंडस्ट्रीज एग्जीक्यूटिवज का कहना है कि स्माल स्टोर, किराना जैसा बिजनेस में मजबूत बढ़ोतरी हो रही है। भारत के नगरी और शहरी क्षेत्रों में आमदनी के लिए नई दुकाने और कारोबार शुरू हो रहे हैं। वहीं एफएमसीजी कंपनियों का कहना है कि वे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में डायरेक्ट डिस्ट्रीब्यूशन पर विश्वास रखते हैं।नीलसनआईक्यू ने मार्च की तिमाही की जानकारी देते हुए कहा कि स्माल ग्रॉसरी बिजनेस का वैल्यूम ग्रोथ 1।9 फीसदी बढ़ा है। चार तिमाहियों के बाद इस कारोबार में बढ़ोतरी देखी गई है। मॉर्डन ट्रेड में पॉजिटिव ग्रोथ हुआ है और 14।6 फीसदी की रफ्तार से बढ़ा है। नीलसनआईक्यू के मुताबिक, पिछले एक साल में पहली बार पारंपरिक व्यापार में एक बदलाव देखा जा रहा है, यह छोटी बिजनेस के लिए बड़ी राहत है, क्योंकि काफी समय से ये कारोबार दबाव में था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	मेष	में	मेष--	04-12	बजे
चंद्र-	कुंभ	में	वृष--	05-56	बजे
मंगल	कर्क	में	मिथुन..	07-56	बजे
बुध-	मेष	में	कर्क...	10-10	बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	12-22	बजे
शुक्र-	मिथुन	में	कन्या..	14-28	बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	16-33	बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	18-44	बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	20-57	बजे
			मकर..	23-03	बजे
			कुंभ...	00-54	बजे
			मीन ..	02-31	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय- 05-48
सूर्य अस्त- 18-36
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी - 06 -50 तक उपरान्त नवमी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष , शनिवार May 13
नक्षत्र - धनिष्ठा -11- 34 - तक उपरान्त शतभिषा
योग - ब्रह्म - 09 - 21 - तक उप - ऐन्द्र
करण- कौलव -06 -50 - तक उप- तैतिल
विशेष:- नवमी तिथि का क्षय
व्रत -त्योहार - श्री दादूदयाल पुण्य

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:59 से 10:36 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	05:48 - 07:23	अशुभ	लाभ	18:36 - 20:02	शुभ
शुभ.	07:23 - 08:59	शुभ	उत्पात	20:02 - 21:26	अशुभ
रोग	08:59 - 10:36	अशुभ	शुभ	21:26 - 22:49	शुभ
उत्पात	10:36 - 12:13	अशुभ	अमृत	22:49 - 00:12	शुभ
चंचल	12:13 - 13:49	शुभ	चंचल	00:12 - 01:36	शुभ
लाभ	13:49 - 15:26	शुभ	रोग	01:36 - 02:59	अशुभ
अमृत	15:26 - 17:02	शुभ	काल	02:59 - 04:23	अशुभ
काल.	17:02 - 18:36	अशुभ	लाभ	04:23 - 05:48	शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
अपने निराशावादी रवैये के कारण आप कोई प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। आपके लिए यह महसूस करने का सही समय है कि चिंता ने आपकी सोचने की शक्ति को मंद कर दिया है। उज्जवल पक्ष को देखें और आप अपने विवेक में एक निश्चित परिवर्तन देखेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार से आपको आवश्यक वस्तुओं की ख़रीदारी में आसानी होगी।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
उन पुरुषों की तरह व्यवहार न करें जो अपने सपनों को साकार करने और अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए अपने घर और स्वास्थ्य को त्याग देते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार निश्चित है। परिवार के सदस्यों के प्रति आपका दबंग रवैया बेकार की बहसें ही शुरू करेगा और आलोचना का कारण भी बन सकता है।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
कुछ आघातों का सामना करने के लिए आपको अत्यधिक साहस और शक्ति दिखाने की आवश्यकता है। आप अपने आशावादी रवैये से इन पर आसानी से काबू पा सकते हैं। मनोरंजन और भोग विलास पर अधिक खर्च न करें। एक सुखद और शानदार शाम के लिए आपके घर मेहमानों की भीड़ उमड़ रही है।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
सामाजिकता का डर आपको परेशान कर सकता है। इसे दूर करने के लिए अपने स्वाभिमान को प्रोत्साहित करें। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कुछ महत्वपूर्ण कार्य रुकेंगे। नया रिश्ता लंबे समय तक चलने वाला और अत्यधिक लाभकारी होगा। कुछ गलतफहमियों के कारण आज आपके प्रेमी के साथ आपके रिश्ते खराब हो सकते हैं।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
गर्दन/पीठ में लगातार दर्द रहने की संभावना है। इसे नज़रअंदाज़ न करें, खासकर जब यह सामान्य कमजोरी के साथ हो। आज आराम करना बेहद जरूरी होगा। वित्तीय समस्याएं रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बर्बाद कर देती हैं। उचित संवाद और सहयोग से जीवनसाथी के साथ संबंध बेहतर होंगे।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
अच्छा स्वास्थ्य के रूप में आज एक विशेष दिन आपको कुछ असाधारण करने में सक्षम करेगा। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ाएगा। आज जब आपको पता चलेगा कि जिस पर आपने हमेशा भरोसा किया है, वह आपके साथ बहुत ईमानदार नहीं है, तो आप खिन्न महसूस करेंगे।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
हवा महल बनाने में अपना समय बर्बाद मत करो। बल्कि कुछ सार्थक करने के लिए अपनी ऊर्जा का संरक्षण करें। अगर आप अपने पत्ते अच्छी तरह से खेलते हैं तो आज आप कुछ अतिरिक्त पैसा कमाएंगे। रिश्तेदारों और दोस्तों से अप्रत्याशित उपहार और उपहार। अतीत की सुखद यादें आपको व्यस्त रखेंगी।

वृश्चिक — लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
यदि आपका बच्चा परीक्षा में अच्छा नहीं कर पाता है तो उसे डांटे नहीं। बल्कि आपको उसे अगली बार अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। आपको याद रखना चाहिए कि सभी एक जैसे नहीं होते। कुछ अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए अपने अभिनव विचार का प्रयोग करें। कुछ लोग क्षमता से अधिक वादे करने की प्रवृत्ति रखते हैं-

धनु — ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
आपका सबसे प्रिय सपना साकार होगा। लेकिन अपनी उत्तेजना को क़ाबू में रखें क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी कुछ परेशानी खड़ी कर सकती है। आर्थिक कठिनाइयाँ आलोचना और तर्क-वितर्क का कारण बन सकती हैं- ऐसे लोगों को ना कहने के लिए तैयार रहें जो आपसे बहुत अधिक उम्मीद रखते हैं।

मकर — मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
अपने वजन पर नजर रखें और ज्यादा खाने से बचें। परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने से आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि इस समय आपको पैसों से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज-मस्ती करेंगे।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
परिवार के कुछ सदस्य अपने ईर्ष्यालु व्यवहार से आपको चिढ़ा सकते हैं। लेकिन अपना आपा खोने की जरूरत नहीं है अन्यथा स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। याद रखें कि जो ठीक नहीं हो सकता उसे सहना चाहिए। आज किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आप अपने व्यापार में अच्छा कर सकते हैं.।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
गैस की समस्या वाले रोगियों को तैलीय और वसायुक्त आहार से बचना चाहिए क्योंकि इससे उनकी बीमारी बढ़ सकती है। जो लोग काफी समय से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन की प्राप्ति हो सकती है जिससे जीवन की कई परेशानियां पल भर में दूर हो जाएंगी।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

100 साल पुराना घी 1200 मटकों में सुरक्षित

न पिघलता न खराब होता, महादेव की जोत इससे जलती है, महिला-गैर ब्राह्मणों पर रोक

खेड़ा (गुजरात), 12 मई (एक्सक्लसिव डेस्क)। चिलचिलाती धूप। पारा 40 पार। आंखें भी इस धूप में सही तरह से खुल नहीं रहीं। इसके बावजूद गुजरात के गांव राधू के श्री कामनाथ महादेव मंदिर में लगातार श्रद्धालु आ रहे हैं। इस मंदिर परिसर में दाखिल होने के साथ ही देसी घी की खुशबू सांसों में भरने लगती है।

राधू गांव। यह अहमदाबाद से लगभग 50 किमी और नडियाद से लगभग 35 किमी दूर खेड़ा जिले में है। धोलका हाईवे इसके पास है। यहां लगभग 629 साल पुराना शिव मंदिर है। श्री कामनाथ महादेव मंदिर। राधू गांव के लोग महादेव को 'दादा' कहते है। इस मंदिर तक आप अपने निजी साधन से ही जा सकते हैं। कोई पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा यहां पहुंचने के लिए नहीं है। मंदिर के बाहरी दीवारों पर काले रंग के घड़े बने हुए हैं। मंदिर के बाहरी गेट पर टाइल आर्ट से शिव और पार्वती की तस्वीर उकेरी गई हैं। दो बड़े दरवाजे हैं, जिस पर गोल्डन पेंट किया हुआ है।

महिलाओं, गैर ब्राह्मण पुरुष और बच्चों को मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करने की इजाजत नहीं है। यहां के शास्त्री चिराग पुरोहित बताते हैं कि दुनिया में कोई भी आ जाए यहां तक कि प्रधानमंत्री भी आ जाएं तो उन्हें भी गर्भगृह में जाने की इजाजत नहीं है।

मेरी गुजारिश के बाद मुझे एक ऐसी जगह पर खड़े होने की अनुमति मिल गई, जहां से गर्भगृह को साफ-साफ दिखाई देता है। गर्भगृह तीन सीढ़ियां नीचे उतरकर जमीन के अंदर है। सीढ़ियों से पहले दो छोटे दरवाजे हैं। जिसके आसपास शीशे पर शिव और पार्वती की तस्वीर बनाई गई हैं।

गर्भगृह में फूलों से सजा शिवलिंग है। इसके पास शिवजी का एक मुख बना है, शुद्ध सोने का। यहां पार्वती जी की भी मूर्ति है। मूर्ति के दाएं ओर 600 साल पुरानी अखंड जोत जल रही है।

गर्भगृह में कोई बिजली नहीं है बावजूद इसके गर्भगृह का शिवलिंग देखा जा सकता है। गर्भगृह में दो जोत जल रही हैं। जब से मंदिर बना है तब से दाएं ओर वाली जोत ऐसे ही जल रही है। सभी इस अखंड जोत को देखना चाहते हैं। मेरी निगाहें भी उसी पर हैं। शायद मन ही मन यह चेक करना है कि जो सुना था, क्या वैसा है भी या नहीं। इस मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु मन्नत मांगने आते हैं। मन्नत पूरी हो जाती है तब वापस आकर घी चढ़ाते हैं। 'दादा' के दर्शन करने राजस्थान से ईश्वर सिंह आए हैं। उन्होंने 'दादा' से जो मांगा था वो पाया है। इसलिए अब देसी घी के साथ यहां वापस आए हैं।

मन्नत के इस घी को परिसर में बने घी भंडार में रखे मटकों में पहुंचा दिया जाता है। फिर इसी घी का इस्तेमाल अखंड जोत जलाने के लिए होता है। महाशिवरात्रि और श्रावण मास में यहां नगर पालकी निकलती है। गांव में मेला लगता है। यहां मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और विदेशों से भी श्रद्धालु आते हैं। गुजरात के इस इलाके में एनआरआई बड़ी तादाद में रहते हैं। मंदिर के बाहर मनोज की दुकान है। वो घी बेचते हैं। उन्होंने बताया कि लोग दस रुपए के पाउच से लेकर 50 किलो तक घी खरीदते हैं। जिसकी जैसी मन्नत और श्रद्धा।

मनोज बताते हैं कि इस घी को कोई भी जरा सा भी नहीं चख सकता है। यह सिर्फ महादेव की जोत जलाने के लिए ही इस्तेमाल होता है। बहुत साल पहले यहां रिवाज था कि जिसके भी घर में गाय या भैंस बछड़ा-बछड़ी को जन्म होगा वो उसके पहले दूध से बना घी मंदिर को देकर आएगा। जैसे-जैसे वक्त बदलता गया वैसे-वैसे लोगों के रोजगार भी बदलते गए। अब गांव में बहुत कम लोग गाय-भैंस पालते हैं। इसलिए श्रद्धालु मंदिर के बाहर से बाजार का घी खरीद कर चढ़ा देते हैं। कुछ लोग अपने घर से भी घी बनाकर लाते हैं। गांव में अब घी खरीदने के लिए एक डेयरी बनाई जा रही है।

मंदिर का सारा प्रबंधन ट्रस्ट से होता है। गुजरात सरकार के अधीन आने वाले इस मंदिर के मुख्य ट्रस्टी अजीत सिंह गुरबा सिसोदिया बताते हैं कि यहां इस वक्त लगभग 80,000 किलो घी है। जिसमें सबसे पुराना घी 100 साल पुराना है।

जिस मात्रा में घी चढ़ाया जा रहा है उस हिसाब से हर दो हफ्तों में मटके गुजरात के बनासकांठा जिले से आते हैं। एक मटका बनवाने में 350 रुपए लगता है। मटके के नीचे रखने के लिए फूस से गोलाकार बेस बनाया जाता है, जिस पर मटके को टिकाया जा सके।

यह सभी मटके गहरे काले रंग के हैं। पुरातन काल से घी रखने के लिए इन्हीं मटकों का इस्तेमाल किया जाता है। इस परंपरा को आज भी कायम रखा गया है।

देखने में ऐसा लगेगा कि मटकों को बाहर से काले रंग से पेंट किया जाता है, असल में ऐसा नहीं है। यह सिर्फ मिट्टी ही है।

महादेव दादा के दर्शन के बाद श्रद्धालु सीधा तपते मार्बल पर चलते हुए घी भंडार की तरफ भाग रहे हैं। उनकी उत्सुकता सिर्फ इस घी भंडारण को देखने की है। हो भी क्यों न, या तो उनकी मन्नतें पूरी हुई हैं या वह मन्नत मांगने के लिए आए हैं।

मैं भी उस तरफ चल पड़ी। यहां आने से पहले इसके बारे में जो सुना और पढ़ा था मुझे भी वह मिथ्या प्रचार ही लगा रहा था। मुझे यकीन नहीं था कि सौ साल पुराना घी सुरक्षित हो सकता है। उससे दुर्गंध नहीं आ रही होगी, या वो बिगड़ा नहीं होगा।

घी भंडार वाले कमरे की जमीन इतनी साफ है कि खाने की कोई चीज नीचे गिर जाए तो उठाकर खाई जा सकती है। कोई मक्खी, मच्छर या कीट-पतंगा मुझे वहां नहीं दिखा। इतनी सफाई और देसी घी की ऐसी खुशबू की आप खुद ही उसमें कैद हो जाएं।

परिसर में इस तरह के चार कमरे घी भंडारण के लिए है। जहां लगभग 1200 मटकों में 80 हजार किलो घी रखा है। पहले कमरे में रखे मटकों में सबसे पुराना घी है और चौथे नंबर के कमरे में रखा है ताजा घी।

घी सहेजने के लिए गुजरात के बनासकांठा जिले की मिट्टी से मटके बनवाए जाते हैं। वहां से मंदिर तक इसे लाने का खर्च 73,000 रुपए सालाना आता है। मटकों को बनवाने का खर्च अलग से है। इतनी गर्मी में भी घी एकदम जमा हुआ दिखाई दे रहा है। कुछ मटकों में घी एकदम सफेद रंग का है, तो कुछ में पीले रंग का।

मटकों पर पड़ी धूल बता रही है कि सालों साल हो गए इन मटकों को यहां पड़े हुए। कुछ मटके तो मैले हो चुके हैं। अपना असल काला रंग खो चुके हैं। पहले कमरे में शिव का धूणा और मूर्ति भी है। कुछ मटके लकड़ी की रैक पर रखे गए हैं तो कुछ जमीन पर हैं। दूसरे और तीसरे कमरे का भी यही हाल है।

चौथा कमरा नए घी के भंडारण के लिए है। वहां रखे मटकों के ढक्कन उठाओ तो पिघला हुआ ताजा घी दिखाई दे रहा है। कुछ ब्रांडेड घी के खाली डिब्बे भी रखे हैं। नए वाले भंडारण में समस्या आ रही है। गर्मी से घी पिघल रहा है। यहां नीचे लकड़ी के बुरादे की मुंडेर बनाई गई है ताकि मटकों से गिरता हुआ घी उसमें जज्ब होता रहे, जमीन पर न गिरे।

मंदिर के एक ट्रस्टी के अनुसार इस वक्त मंदिर मैनेजमेंट की सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि उनके पास घी रखने की जगह नहीं है। 80,000 किलो घी पहले से यहां रखा हुआ है और लगभग 20 से 30 किलो घी हर दिन आ रहा है। कभी-कभी तो इससे भी ज्यादा आ जाता है। श्रावण के महीने में यहां पांव रखने की जगह नहीं होती है। पचास किलो तक घी चढ़ावे में आता है।

आखिर इतने साल पुराना घी खराब क्यों नहीं हुआ, यह जानने के लिए यहां कई लोग रिसर्च के लिए आ चुके हैं, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। मंदिर के ऊपर वाले फ्लोर पर प्रसाद बंटता है। एक नजर में ऐसा लगता है कि गांव में किसी की शादी के खाने में आए हैं।' प्रसाद लगा हुआ है। पूड़ी, दाल, साग, चावल, पापड़ और बेसन की बर्फी। मंदिर का सारा प्रसाद शुद्ध देसी घी में बनता है। प्रसाद के लिए बाहर से घी खरीदकर आता है। मन्नत का घी खाना बनाने के लिए इस्तेमाल नहीं होता।

मंदिर का सारा प्रसाद शुद्ध देसी घी में बनता है। प्रसाद के लिए बाहर से घी खरीदकर आता है। मन्नत का घी खाना बनाने के लिए इस्तेमाल नहीं होता। बुजुर्ग या जिनके घुटनों में दर्द है, उनके बैठने के लिए बाकायदा कुर्सी की व्यवस्था है। हमने भी प्रसाद लिया। हालांकि, गुजराती प्रसाद में सब कुछ मीठा था, लेकिन साग मुझे लाजवाब लगा। गरमागरम पूड़ी परोसी जा रही है। बार-बार सभी की थालियां देखी जा रही हैं कि किसी चीज की कमी तो नहीं है। जिस प्रेम से यहां भोजन खिलाया जा रहा है, सभी का ख्याल रखा जा रहा है वह सच में काबिले तारीफ है।

मंदिर सुबह पांच बजे खुल जाता है। रात के नौ बजे तक खुला रहता है। सुबह पांच बजे और शाम को 7 बजे आरती होती है। प्रसाद सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक ही मिलता है। शाम को चढ़ावे में आया घी इकट्ठा करके मटकों में डाल दिया जाता है। पुजारी खानदान तीन पीढ़ियों से महादेव दादा की सेवा में हैं। इस समय शास्त्री चिराग पुरोहित 'दादा' की सेवा कर रहे हैं। शास्त्री चिराग पुरोहित के अनुसार कहते हैं, 'लगभग 629 साल पहले राधू में जेसंग भाई हीरा भाई नाम का शिव भक्त रहता था। उसकी शिव में अटूट आस्था थी। उस वक्त राधू गांव में महादेव का कोई मंदिर नहीं था। वह हर दिन सुबह राधू गांव से दक्षिण में वात्रक नदी पार करके पुणाज गांव महादेव के दर्शन के लिए जाता था। शिव दर्शन करने के बाद ही वह अपने हर दिन का काम शुरू करता था। महादेव के दर्शन के बिना मुंह जूठा नहीं करता।

एक दिन वात्रक नदी में पानी चढ़ा हुआ था और बाढ़ आ गई। जेसंग भाई हीरा भाई नदी किनारे पहुंचा तो देखा कि बाढ़ की वजह से नदी पार करना मुश्किल था। उसने नदी के इस पार से ही शिव की अराधना की और घर वापस चला गया।

नदी का पानी आठ दिन तक चढ़ा रहा। जेसंग भाई हीरा भाई ने आठ दिन तक उपवास किया। अन्न का एक दाना तक नहीं लिया। आठवें दिन उनका तप देखकर महादेव सपने में आए और कहने लगे कि तुम पुणज गांव से मेरी ज्योत लाकर रधू गांव में स्थापित करो। सुबह उसने पूरे गांव को इस सपने के बारे में बताया। सब बहुत खुश हुए। बहुत सारे लोग पुणाज गांव गए और वहां से घी का दीया लेकर रधू गांव के लिए निकल पड़े। वो श्रावण का महीना था। पुणाज गांव राधू से आठ किलोमीटर की दूरी पर था। भारी बारिश और हवा थी इसके बावजूद दीया बुझा नहीं। फिर राधू गांव में एक देहरी बनाई गई और छोटा सा मंदिर बनाकर इस दीया स्थापित किया गया। तब से यहां महादेव की अखंड ज्योत जल रही है।

रायपुर और दुर्ग में छापा

28 करोड़ की संपत्ति सीज, कारोबारी होरा के घर पहुंची ईडी टीम पद्मनाभपुर में शेयर हेराफेरी मामले की सीबीआई कर रही जांच

रायपुर, 12 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में शुक्रवार सुबह की शुरुआत एक बार फिर ईडी की छापेमार कार्रवाई से हुई है। राजधानी रायपुर में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने कारोबारी के घर छापा मारा तो दूसरी तरफ दुर्ग में कारोबारी सुरेश कोठारी और उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट श्रीपाल कोठारी के यहां सीबीआई ने रेड मारा है। इधर सीबीआई को देखते ही सीए श्रीपाल कोठारी ने अहम दस्तावेज जला दिए हैं।

रायपुर के देवेंद्र नगर इलाके में ईडी के अधिकारियों ने एक घर में छापा मारा है। वह घर कारोबारी गुरु चरण होरा का बताया जा रहा है। सुबह 5 बजे के आसपास ईडी की टीम होरा के घर में दाखिल होकर छानबीन शुरू की। ये कार्रवाई प्रदेश में दो हजार करोड़ के शराब घोटाले से जुड़ी बताई जा रही है।

दूसरी तरफ दुर्ग के पदमनाभपुर में सुबह 5:15 बजे सीबीआई की टीम ने दबिश दी। मिनी स्टेडियम के सामने कोठारी निवास और दफ्तर की जांच की जा रही है। यहां रहने वाले कारोबारी सुरेश कोठारी और उनके भाई चार्टर्ड अकाउंटेंट श्रीपाल कोठारी के घर की जांच की जा रही है। घर के बाहर सीआरपीएफ के जवानों को तैनात कर दिया गया है। सुबह जब सीबीआई की टीम सुरक्षा बल

के साथ गेट पर पहुंची, तभी बड़ी मात्रा में सीए श्रीपाल कोठारी ने अहम दस्तावेज जला दिए। ये देख सीबीआई अधिकारियों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई, लेकिन तब तक दस्तावेज जल चुके थे।

शराब घोटाला मामले में कारोबारी अनवर को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रवर्तन निदेशालय ने बताया था कि अनवर ढेबर रायपुर के ग्रैंड इंपीरिया होटल में छुपा था। इस होटल का कारोबार होरा ही संभालते हैं। ईडी ने अपने आरोप पत्र में अनवर ढेबर के साथ अवैध धंधे में गुरुचरण होरा की हिस्सेदारी का जिक्र भी किया है। इसी वजह से अब होरा के घर और दफ्तरों की जांच की जा रही है।

शेयर्स में करोड़ों की हेराफेरी

जानकारी के मुताबिक दुर्ग के सुरेश कोठारी, सिद्धार्थ कोठारी और सीए श्रीपाल कोठारी के खिलाफ 420, 467, 468, 471, 406, 120 बी के तहत अपराध दर्ज किया गया था। यह केस कोलकाता में दर्ज है। प्रकरण के मुताबिक साल 2005 में शिकायतकर्ता प्रकाश जयसवाल ने रजत बिल्डकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के 40,000 शेयर खरीदे थे। इन शेयर्स की वर्तमान कीमत लगभग 54 करोड़ है। सुरेश कोठारी और उनके भाइयों ने जयसवाल के शेयर्स को धोखे से अपने नाम कर लिया था।

इस मामले की सुनवाई अदालत में भी चल रही है। फिलहाल अब इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए सीबीआई छानबीन के लिए दुर्ग पहुंची है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक चार अलग अलग गाड़ियों में 2 दर्जन से अधिक सीबीआई के अधिकारियों ने कोठारी बंधुओं के घर छापेमारी की है।

28 करोड़ की संपत्ति सीज

ईडी ने शराब घोटाला मामले में सबसे पहले करोबारी अनवर ढेबर को पकड़ा। बीते दो दिन में होटल कारोबारी नितेश पुरोहित और दुर्ग के कारोबारी त्रिलोक ढिल्लन को पकड़ा है। ईडी की ओर से कहा गया है कि इनके पास से 28 करोड़ की बेनामी संपत्ति मिली है जिसे सीज करने की कार्रवाई की जा रही है। शराब घोटाले में इन कारोबारियों को शामिल बताया गया है। 15 मई तक अनवर के साथ ये दोनों भी ईडी की गिरफ्त में ही रहेंगे। इनसे पूछताछ की जा रही है। 27 करोड़ की एफडी और 50 लाख से ज्यादा कैश त्रिलोक के पास से बरामद किया गया है। ईडी का दावा है कि ये अवैध शराब को सरकारी दुकानों से बेचने का काम कर रहे थे और मुनाफा बना रहे थे।

कुल्हाड़ी से हमला करके पत्नी को मार डाला

दामाद के साथ आपत्तिजनक हालत में देखकर दोनों पर किया हमला, आरोपी पति गिरफ्तार

बिलासपुर, 12 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर में 5 बच्चों की मां अपने बेटे समान दामाद के साथ आपत्तिजनक हालत में मिली। इससे बौखलाए पति ने पहले अपनी बीवी की हत्या कर दिया। उसके बाद दामाद पर भी हमला किया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मामला तखतपुर थाना क्षेत्र का है।

जूनापारा चौकी के ग्राम सालहेडबरी- बगगुडवा पारा में रहने वाले चंदन मेश्राम (48)खेती किसानी करता है। घर में वह पत्नी अमरीका बाई (43) तीन बेटी और दो बेटे के साथ रहता है। उसकी बेटी ललिता की शादी जूनापारा के धूमा निवासी संजू मेश्राम (33) से हुई थी। ससुराल आते-जाते संजू और उसकी सास अमरीका की नजदीकियां बढ़ गई थी। जिसकी भनक महिला के पति चंदन मेश्राम को लगी। तब आए दिन उनके बीच झगड़ा होता था।

जूनापारा चौकी प्रभारी मनोज शर्मा के मुताबिक अमरीका बाई बुधवार की सुबह अपनी बाड़ी की रखवाली करने खेत गई थी। इस बीच दोपहर करीब दो बजे चंदन मेश्राम भी बाड़ी पहुंच गया। वहां उसका दामाद संजू भी था। उसने अपनी पत्नी और दामाद को आपत्तिजनक हालत में देख लिया, जिसके बाद गुस्साए चंदन मेश्राम ने कुल्हाड़ी से अपनी पत्नी पर ताबड़तोड़ हमला करके मार डाला। अपने दामाद की भी हत्या करने के लिए कुल्हाड़ी से वार किया, जिससे वह खून से लथपथ होकर घायल हो गया। उसे मरा समझकर वह दोनों को छोड़कर भाग गया था।

जिस समय चंदन मेश्राम ने अपनी पत्नी और दामाद संजू पर हमला किया। उस समय संजू का भाई अजय भारद्वाज भी था। वह अपने भाई के साथ गांव आया था। वह डर के कारण छिप गया था। आरोपी चंदन मेश्राम के भागने के बाद वह अपने भाई के पास पहुंचा, तब वह बेहोश पड़ा था। जिसकी सूचना उसने भाई के ससुराल और गांव वालों को दी। इस बीच घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम भी गांव पहुंच गई। घायल संजू को प्राथमिक उपचार के बाद उसे बिलासपुर रेफर कर दिया गया है।

घटना के बाद पुलिस आरोपी चंदन मेश्राम की तलाश में जुट गई। वह अपने घर नहीं पहुंचा था और गांव छोड़कर भागने की फिराक में था। ग्रामीणों की सूचना पुलिस ने उसे गांव के बाहर घेराबंदी कर दबोच लिया। गुरुवार को पुलिस ने उसकी पत्नी के शव का पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद आरोपी चंदन मेश्राम को गिरफ्तार किया। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि आरोपी चंदन मेश्राम की बेटी ललिता ने संजू भारद्वाज से प्रेम विवाह किया था। जिसके चलते बेटी का मायके आना-जाना नहीं था। इधर, संजू ससुराल आते-जाते अपनी सास से बातचीत करता था। इस दौरान उनके बीच नजदीकियां बढ़ गई थी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

नीतीश और हेमंत की दोस्ती से झारखंड में मचा सियासी बवाल

सरकार के किस सहयोगी को हुई समस्या

रांची, 12 मई (एजेंसियां)। विपक्षी एकता की मुहिम पर निकले नीतीश कुमार की झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बढ़ती दोस्ती को लेकर झारखंड कांग्रेस सहज नहीं है। बीते बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बिहार के सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने जब मुलाकात की, तो कांग्रेस ने इससे दूरी बनाकर रखी। जबकि कांग्रेस झारखंड के सत्ताधारी गठबंधन में झारखंड मुक्ति मोर्चा के बाद सबसे बड़ी साझीदार है।

राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस नीतीश के विपक्षी एकता अभियान में किस हद तक भागीदार बनती है यह तो वक्त बताएगा, लेकिन झारखंड के स्थानीय-प्रांतीय सियासी समीकरणों के नजरिए से देखें तो कांग्रेस के लिए यह मुफीद नहीं होगा कि नीतीश की पार्टी यहां के सत्ताधारी गठबंधन का हिस्सा बने। जदयू झारखंड में चुनावी गठबंधन का हिस्सा बनता है तो सीटों के बंटवारे में कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ सकता है। अगर जदयू को सीटें मिलती हैं तो कांग्रेस का कोटा कम होगा।

फिलहाल झारखंड में जदयू का सियासी अस्तित्व नगण्य है। राज्य में इसका एक भी विधायक नहीं है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो भी बिहार से राज्यसभा के लिए चुने गये हैं। जदयू की कोशिश है कि झारखंड में भी पार्टी की सियासी हिस्सेदारी-भागीदारी बढ़े और इसके लिए वह झामुमो को सबसे बेहतरीन साझीदार मान रहा है। बुधवार को रांची आए नीतीश कुमार ने हेमंत सोरेन के पिता शिबू सोरेन ने अपने पुराने रिश्तों का जिक्र किया। कहा कि उन्हें पहली बार बिहार का सीएम शिबू सोरेन ने ही बनवाया था। झामुमो के साथ हमारा पुराना रिश्ता रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी नीतीश कुमार का खुलकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार हमारे गार्जियन हैं और हम नयी पीढ़ी के राजनीतिक सिपाही हैं।

झारखंड में मॉब लिंचिंग की एक और घटना

गांव वालों ने चोरी के आरोप में इतना पीटा की चली गयी जान, हत्या के आरोप में 8 ग्रामीण गिरफ्तार

रांची, 12 मई (एजेंसियां)। झारखंड में मॉब लिचिंग की एक और घटना घटी है। घटना राजधानी रांची के ओरमांझी थाना क्षेत्र की है। होरेदाग गांव में गांव के लोगों ने चोरी के आरोप में एक युवक की पीट- पीट कर हत्या कर दी। मृतक की पहचान गांव के मिथुन सिंह खरवार के रूप में हुई है।

घटना बुधवार की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कि मिथुन खरवार रात में गांव के नंदलाल मुंडा के घर चोरी करने गया था। घरवालों को इसका पता चला गया। हल्ला मचा। मिथुन डर गया और भागने लगा। इधर आवाज सुनकर गांव के कुछ और लोग जमा हो गये। लोगों ने दौड़ाकर मिथुन को पकड़ा। घटना बुधवार की देर रात तीन बजे की बताई जा रही है। भीड़ ने उसकी जमकर पिटाई की, फिर ग्रामीणों ने उसे रस्सी से बांध दिया। भीड़ ने इतना मारा कि उसकी हालत खराब हो गयी। सुबह 10.30 बजे जब पुलिस पहुंची तो उसकी हालत गंभीर थी उसे उपचार के लिए सीएचसी ओरमांझी ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गयी।

पुलिस ने मिथुन के शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। मौत कैसे हुई इसका पता अबतक नहीं चला है, शरीर के किस हिस्से में ज्यादा चोट आयी, मौत होने की असल वजह क्या थी इसका पता पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। दूसरी तरफ पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई तेज कर दी है और हत्या के आरोप में पुलिस ने गांव के आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। ग्रामीण कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। पूर्व मुखिया रमेशचंद्र उरांव ने बताया कि मिथुन पहले भी इस तरह की घटना को अंजाम दे चुका है। वह मुर्गा, साइकिल, बाइक आदि चुरा लेता था।

में खर्चा-पानी के नाम पर पैसा लेकर वह चोरी का सामान लौटा भी देता था। कुछ ग्रामीण बताते हैं कि दो दिन पूर्व वह पिठोरिया थाना क्षेत्र के मोढ़ा गांव में एक विवाह सामारोह के दौरान भी चोरी कर रहा था, वहां भी उसकी जमकर पिटाई हुई थी।

राज्यपाल के कार्यक्रम स्थल के पास गोलीबारी

सब-इंस्पेक्टर घायल

रांची, 12 मई (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले में बृहस्पतिवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के कार्यक्रम स्थल से करीब 180 मीटर की दूरी पर गोलीबारी की घटना हुई। गोली लगने से झारखंड पुलिस का एक सब इंस्पेक्टर घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन सदर प्रखंड के हुतपा गांव के एक स्कूल भवन में जिला प्रशासन के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे थे। पुलिस अधीक्षक मनोज रतन चोथे ने कहा, झारखंड पुलिस की विशेष शाखा के तीन सब इंस्पेक्टर घटना स्थल से लगभग 180 मीटर की दूरी पर एक वाहन में बैठे हुए थे।

एचसी ने सर्वे में मिले कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग कराने का दिया आदेश

प्रयागराज, 12 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को ज्ञानवापी मस्जिद और विश्वनाथ मंदिर विवाद मामले में एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद में सर्वे के दौरान मिले कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग कराई जाए। कोर्ट ने जिला जज के उर्स आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें उन्होंने कार्बन डेटिंग की मांग वाली अर्जी को खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार मिश्रा की पीठ ने एएसआई की रिपोर्ट के आधार पर कथित शिवलिंग का साइंटिफिक सर्वे की जांच कराने का आदेश दे दिया। कोर्ट ने भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग से कहा कि शिवलिंग को बिना खंडित किए वैज्ञानिक जांच करें। ज्ञानवापी विवाद को लेकर हिन्दू पक्ष का दावा है कि इसके नीचे 100 फीट ऊंचा आदि विश्वेश्वर का स्वयंभू ज्योतिर्लिंग है। काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण करीब 2050 साल पहले महाराजा विक्रमादित्य ने करवाया था, लेकिन मुगल सम्राट औरंगजेब ने साल 1664 में मंदिर को तुड़वा दिया।

पाकिस्तानी राजनयिक ने भारत के खिलाफ उगला जहर

हिंदुत्व के मुद्दे पर पीएम मोदी को घेरा

वॉशिंगटन, 12 मई (एजेंसियां)। एक पाकिस्तानी राजनयिक ने भारत के खिलाफ जहर उगला है। दरअसल अमेरिका में पाकिस्तानी दूतावास में तैनात एक राजनयिक ने ट्वीट कर लिखा कि भारत अब एक स्वस्थ लोकतंत्र नहीं है और भारत में मुस्लिमों के खिलाफ नफरत को बढ़ावा दिया जा रहा है। पाकिस्तानी राजनयिक ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि अब वह इस मुद्दे पर शांत ना रहें।

पाकिस्तानी राजनयिक का भड़काऊ बयान

अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी स्थित पाकिस्तानी दूतावास में प्रेस काउंसलर के पद पर तैनात सरफराज हुसैन ने एक ट्वीट किया। इस ट्वीट में सरफराज ने वॉशिंगटन पोस्ट में लिखे राना अयूब के लेख का लिंक साझा किया। ट्वीट के कैप्शन में पाकिस्तानी अधिकारी ने लिखा कि 'अंतरराष्ट्रीय बिरादरी अब चुप ना रहे। राना अयूब ने चेतावनी दी है कि मोदी इंडिया को समझाने के लिए एक नया नैरेटिव गढ़ा जा रहा है। भारत कोई स्वस्थ लोकतंत्र नहीं है। मोदी भारत में मुस्लिमों के खिलाफ नफरत को बढ़ावा दे रहे हैं और दुनिया इस तरफ देख ही नहीं रही है।'

पुतिन के पेरेंट्स की कब्र का अपमान करने पर सजा

महिला ने लिखा था– तुमने राक्षस को पैदा किया, पूरी दुनिया उसकी मौत चाहती है

मास्को, 12 मई (एजेंसियां)। रूस की एक कोर्ट ने सेंट पीटर्सबर्ग की एक महिला को 2 साल की जेल की सजा दी है। कोर्ट ने उसे अक्टूबर में राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के पेरेंट्स की कब्र का अपमान करने का दोषी ठहराया था।

इरिना सिबानेवा नाम की इस महिला ने पुतिन के पेरेंट्स की कब्र के पास एक नोट छोड़ था। इस नोट में लिखा था- तुमने एक राक्षस और हत्यारे की परवरिश की। कोर्ट ने फैसले में कहा कि इरिना ने राजनीतिक नफरत के चलते ये सब किया।

महिला ने लिखा था- पूरी दुनिया चाहती है पुतिन मर जाए

प्रोसिक्यूटर ने महिला के लिए 3 साल की जेल की सजा मांगी थी। उन्होंने कहा था कि इरिना ने साजिश के तहत पुतिन के परिवार का अपमान किया। महिला ने नोट में पुतिन के पेरेंट्स को पागल आदमी का माता-पिता बताया था। उसने ये भी लिखा पुतिन दुनिया के लिए परेशानी पैदा कर रहे हैं तुम उसे अपने पास बुला लो। पूरी दुनिया दुआ कर रही है कि पुतिन मर जाए।

मैं जंग की खबर देखकर डर गई थी इसलिए ऐसा किया

कोर्ट में महिला ने अपना पक्ष रखा। उसने कहा कि मैं जंग की खबरें देखकर डर गई थी। मेरा डर इतना बढ़ गया था कि मैं उसे रोक नहीं पाई। अब तो मुझ याद भी नहीं कि मैंने नोट कब लिखा

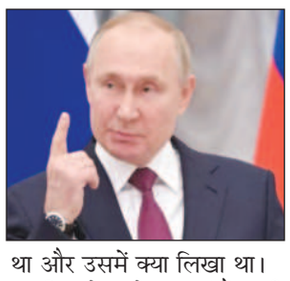

था और उसमें क्या लिखा था।

इरिना ने आगे कहा, 'मैं माफी चाहती हूं मुझे अंदाजा नहीं था कि मेरी हरकत से किसी को इतना दुख पहुंचेगा'।

महिला ने कोर्ट को बताया कि उसे नहीं लगा था कि वो नोट किसी और को मिलेगा और मामला इतना बढ़ जाएगा।

रूसी सेना का अपमान करने पर हिस्ट्री टीचर को सजा

वहीं, इरिना सिबानेव के अलावा रूस की मिलिट्री कोर्ट ने गुरुवार को एक हिस्ट्री टीचर निकिता तुश्कानोव को साढ़े 5 साल की जेल की सजा दी है। उन्होंने पिछली साल क्रिमिया के कर्च ब्रिज पर हुए यूक्रेनी हमले का समर्थन किया था। जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें सेना का अपमान करने और हिंसा को सही ठहराने का दोषी करार दिया था। हिस्ट्री टीचर निकिता तुश्कानोव ने क्रच पर हुए हमले को पुतिन के लिए बर्थडे गिफ्ट कहा था।

इमरान खान के समर्थकों ने पाकिस्तानी सेना के कोर कमांडर की क्या हालत कर दी

गिड़गिड़ाते नजर आए

इस्लामाबाद, 12 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में इमरान खान के समर्थकों ने सेना के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। उनका आरोप है कि इमरान खान की गिरफ्तारी के पीछे पाकिस्तान की सेना का हाथ था। ऐसे में पूरे पाकिस्तान में सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले हुए हैं। पीटीआई समर्थकों ने रावलपिंडी में सैन्य मुख्यालय पर हमला किया और मियांवाली में पाकिस्तानी वायु सेना स्टेशन के बाहर तोड़फोड़ और आगजनी की। सबसे ज्यादा उपद्रव लाहौर में पाकिस्तान की सेना के IV कोर मुख्यालय में हुआ। पीटीआई समर्थकों ने न सिर्फ कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल सलमान गनी के घर को लूट लिया, बल्कि उनके कार्यालय और दूसरे प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ और आगजनी की। हालात इतने खराब थे कि पूरे देश में हनक दिखाने वाली पाकिस्तान की सेना के कोर कमांडर उपद्रवियों के आगे हाथ जोड़ते नजर आए। वायरल वीडियो में लाहौर के कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल सलमान गनी पीटीआई समर्थकों के आगे बेचारे से खड़े नजर आ रहे हैं। सिविल ड्रेस में कोर कमांडर इमरान खान की पार्टी के कार्यकर्ताओं को समझाते और घर से बाहर जाने का निवेदन करते सुनाई देते हैं। हालांकि, समर्थक वहां से बाहर निकलने से इनकार कर देते हैं। इसके बाद समर्थकों ने कोर कमांडर के घर को लूट लिया। उनके घर से सालन, मुर्गी, मोर, रूह आफजा, स्ट्राबेरी और दूसरी कई मिठाइयों को लूटकर ले गए।

ट्रंप की फिर बढ़ी मुश्किलें

वॉशिंगटन, 12 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विवादों का साथ काफी गहरा है। ट्रंप आए दिन किसी ना किसी विवाद का हिस्सा बनते रहते हैं। लेखिका जीन कैरोल से यौन दुर्व्यवहार में ट्रंप को हाल ही में दोषी ठहराया गया है। अब व्हाइट हाउस में ट्रंप के स्टाफ की दो महिलाओं ने भी उन पर दुर्व्यवहार करने के आरोप लगाए हैं। ट्रंप प्रशासन का हिस्सा रहे एक वरिष्ठ प्रशासक ने दावा किया है कि ट्रंप, स्टाफ की एक युवा महिला में कुछ ज्यादा ही रुचि रखते थे और वह खुलेआम महिलाओं से गलत व्यवहार करते थे। ट्रंप प्रशासन में व्हाइट हाउस की स्टाफ रहीं दो महिलाओं ने आरोप लगाए हैं कि ट्रंप ने उनके साथ यौन दुर्व्यवहार किया था। एक टेलीविजन इंटरव्यू के दौरान उन्होंने ये आरोप लगाए। ट्रंप के राष्ट्रपति शासन के दौरान व्हाइट हाउस में प्रेस सचिव रहीं स्टेफनी ग्रीशम और व्हाइट हाउस में सलाहकार रहीं एलिसा फराह ग्रिफिन ने आरोप लगाया कि ट्रंप

आदतन महिलाओं के साथ गलत व्यवहार करते थे और ये बात व्हाइट हाउस के सभी वरिष्ठ स्टाफ को पता थी।

बैठकों के दौरान भी करते थे दुर्व्यवहार

पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस की सलाहकार रहीं ओलिविया ट्रॉय ने आरोप लगाया कि ट्रंप खुलेआम महिलाओं पर भद्दी टिप्पणियां करते थे और यहां तक कि बैठकों के दौरान भी वह महिलाओं से गलत व्यवहार कर देते थे। फराह ग्रिफिन ने बताया कि ट्रंप पर गलत व्यवहार के अनगिनत मामले हैं और इसकी शिकायत व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडोज से भी की गई थी। ओलिविया ने बताया कि एक युवा महिला स्टाफ में उनकी खास दिलचस्पी थी।

एनकाउंटर में मारा गया एक माओवादी

कई नक्सलियों को गोली लगने की खबर, भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद, इलाके में सर्चिंग जारी

सुकमा, 12 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। जवानों ने एक माओवादी को ढेर किया है। मारे गए नक्सली के शव को भी बरामद कर लिया गया है। फिलहाल उसकी अभी पहचान नहीं हो पाई है। एनकाउंटर में करीब 4 से 5 नक्सलियों के घायल होने का दावा किया जा रहा है। सुरक्षाबल अभी भी मौके पर ही मौजूद हैं। मामला जिले के केरलापाल थाना क्षेत्र का है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि, सिमेल और गोगुंडा की पहाड़ियों पर भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं।

सुकमा डीआरजी, एसटीएफ और सीआरपीएफ की अलग-अलग टुकड़ियों को मौके के लिए भेजा गया था। जवान जैसे ही मौके पर पहुंचे तो घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने फायरिंग कर दी। सुरक्षाबलों ने भी फौरन मोर्चा संभाला और उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया। नक्सलियों और डीआरजी के जवानों के बीच करीब आधे घंटे तक मुठभेड़ हुई।

ब्लैकटाउन सिटी काउंसिल ने सिख फॉर जस्टिस के मंसूबों पर फेरा पानी

मेलबर्न, 12 मई (एजेंसियां)। विवादित संगठन सिख फॉर जस्टिस के मंसूबों पर ब्लैकटाउन सिटी काउंसिल ने पानी फेर दिया है। सिडनी में प्रस्तावित संगठन के जनमत संग्रह के प्रस्तावित कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है। बता दें, यह कार्यक्रम ब्लैक टाउन लीजर सेंटर स्टेनहोप में आयोजित किया जाना था।

ऑस्ट्रेलिया मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि जब से सिख फॉर जस्टिस के कार्यक्रम होने की बात सामने आई थी, तब से ही लगातार शिकायतें और धमकियां मिल रही थीं। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों की सलाह पर कार्यक्रम की बुकिंग रद्द कर दी गई है।

धमकियों के बाद लिया फैसला

एक प्रवक्ता ने बताया कि काउंसिल ने अपने स्थापित नियम व सिद्धांतों के मुताबिक इस कार्यक्रम को रद्द करने का फैसला किया है। काउंसिल भारत या पाकिस्तान के आंतरिक मामलों से संबंधित किसी राजनीतिक स्थिति का समर्थन या आलोचना नहीं करता और किसी विशेष राजनीतिक स्थिति के समर्थन के रूप में इसका प्रतिनिधित्व नहीं किया जाना चाहिए।

बैनर व पोस्टर हटाए जा रहे

इस रिपोर्ट में बताया गया है कि अरविंद गौर ने सिख फॉर जस्टिस के प्रचार कार्यक्रम द्वारा तैयार किए गए पोस्टर व बैनर में आतंकी गतिविधियों में शामिल रहे लोगों की प्रशंसा किए जाने की शिकायत की थी। इस पर काउंसिल के सीईओ केरी रॉबिन्सन ने उन्हें जवाब देते हुए बताया कि अधिकारियों की तरफ से ऐसे तमाम बैनर व पोस्टर हटाए जा रहे हैं और एनएसडब्लू पुलिस से सलाह मांगी गई है।

लेन-देन के मामले में चल रही जांच

रिपोर्ट के अनुसार, विक्टोरिया में पंजीकृत सिख फॉर जस्टिस प्राइवेट लिमिटेड की बेहिसाब पैसों के लेन-देन के मामले में जांच चल रही है। गौरतलब है कि इसी सप्ताह की शुरुआत में खालिस्तान समर्थकों द्वारा रोजहिल स्थित स्वामीनारायण मंदिर पर हमले की घटना सामने आई थी, जिसकी हिंदू, इस्लामी और सिख संगठनों ने कड़ी निंदा की थी।

यूक्रेन की मदद के लिए फिर आगे आया ब्रिटेन

सैन्य हथियार और मिसाइल मुहैया कराएगा

लंदन, 12 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन की सरकार ने गुरुवार को एलान किया है कि वह यूक्रेन को लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें स्टॉर्म शैडो देंगे। इसके साथ ही यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलें देने वाला, ब्रिटेन पहला देश बन जाएगा। ब्रिटेन से स्टॉर्म शैडो मिसाइलें मिलने के बाद रूस के खिलाफ यूक्रेन की ताकत में काफी इजाफा होगा और उसकी आक्रमण करने की क्षमता बेहतर होगी।

'रूस को अपनी जमीन से खदेड़ सकेगा यूक्रेन'

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस ने बताया कि 'आज मैं पुष्टि करता हूं कि ब्रिटेन यूक्रेन को स्टॉर्म शैडो मिसाइलें दान देगा। दान में मिले इन हथियारों से यूक्रेन रूस की बर्बरता से खुद का बचाव कर सकेगा।' बेन वालेस ने कहा कि 'स्टॉर्म शैडो मिसाइलें यूक्रेन को अधिकार देंगी कि वह, रूस के खिलाफ खुद का बचाव कर सके साथ ही यूक्रेनी जमीन से रूसी सेना को पीछे खदेड़ सके।'

यूक्रेन की ताकत में होगा जबरदस्त इजाफा

स्टॉर्म शैडो मिसाइलें हवा में मार करने वाली लंबी दूरी की

मिसाइल है। यह मिसाइल बेहद मुश्किल मौसम में भी संचालित की जा सकती है और ब्रिटेन और फ्रांस की सेनाओं ने लीबिया, इराक और खाड़ी के युद्ध में इन मिसाइलों का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया था। स्टॉर्म शैडो मिसाइल 250 किलोमीटर या 155 मील की दूरी पर स्थित लक्ष्य को भेद सकती है। यूक्रेन द्वारा लंबे समय से अमेरिका से सतह से सतह पर मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइल एटीएसीएमएस की मांग की जा रही है, जो करीब 185 मील तक मार कर सकती है। अब ब्रिटेन से स्टॉर्म शैडो मिसाइल मिलने के बाद यूक्रेन की सैन्य ताकत में उल्लेखनीय इजाफा हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन द्वारा यूक्रेन को लगातार सैन्य मदद दी जा रही है। इससे पहले ब्रिटेन, यूक्रेन को एंटी टैंक मिसाइलें, आर्टिलरी गन, एयर डिफेंस सिस्टम, आर्मर्ड व्हीकल और तीन एम270 मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम भी दे चुका है। इस साल जनवरी में ब्रिटेन ने यूक्रेन को युद्धक टैंक भी मुहैया कराए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूक्रेन, रूस के खिलाफ बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। ऐसे में ब्रिटेन से लंबी दूरी की मिसाइलें मिलने के बाद यूक्रेन का यह हमला रूस को बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है।

जातिगत भेदभाव पर बैन के लिए विधेयक पास

ऐसा करने वाला पहला अमेरिकी राज्य, पिछले साल गूगल में उठा था जातिवाद का मुद्दा

वॉशिंगटन, 12 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में जातिगत भेदभाव पर बैन लगाने के लिए एक विधेयक पारित किया गया है। कैलिफोर्निया ऐसा करने वाला अमेरिका का पहला राज्य बना है। विधेयक पर गवर्नर से दस्तखत कराने से पहले इसे राज्य के अपर हाउस से भी पारित किया जाएगा।

ये विधेयक कैलिफोर्निया की सीनेटर आयशा वहाब ने पेश किया था। इसे 'एसबी 403' कहा जा रहा है। इसके तहत मौजूदा कानून में बदलाव किए गए हैं और जाति को भी भेदभाव का आधार बनाया गया है।

कैलिफोर्निया में जातिगत भेदभाव पर रोक लगेगी

विधेयक पास होने के बाद कैलिफोर्निया में अगर कोई व्यक्ति किसी से जाति के आधार पर भेदभाव करता है तो वो अपराध माना जाएगा। विधेयक पास करने के पक्ष में 34 वोट मिले जबकि सिर्फ 1 वोट इसके खिलाफ डाला गया।

यह कानून कैलिफोर्निया प्रांत के सभी लोगों को सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में रहने, सुविधाओं, विशेषाधिकारों या सेवाओं में एक समान अधिकार देगा।

विधेयक को दलित समुदाय की जीत बताया

कैलिफोर्निया में जातिगत भेदभाव पर बैन लगवाने की मुहीम को नॉन प्रोफिट इक्विटी लैब ने शुरू कराया था। ये वही संस्था है जिसने पिछले साल गूगल में जातिगत भेदभाव का मुद्दा उठाया था। वहीं, इससे पहले फरवरी में सिएटल सिटी काउंसिल में भी जातिगत भेदभाव पर बैन लगाया गया था।

इस मुहीम को क्षमा सावंत ने लीड किया था। गुरुवार को कैलिफोर्निया में भी विधेयक पास होने पर उन्होंने खुशी जाहिर की। वहीं, अमेरिका में जातिगत भेदभाव को खत्म करने के लिए काम करने वाले दिलीप महाके ने विधेयक को अंबेडकर के मूल्यों की जीत बताया। उन्होंने कहा कि दलित समुदाय के लिए ऐतिहासिक क्षण है।

गूगल में लगे थे जातिगत भेदभाव के आरोप

पिछले साल अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने बताया था कि दलित कार्यकर्ता और इक्विटी लैब्स संगठन की संस्थापक थेनमोजी सुंदरराजन का गूगल में होने वाला कार्यक्रम इसलिए रद्द कर दिया गया, क्योंकि कंपनी के ऊंची जाति के कर्मचारियों ने उनके खिलाफ अभियान छेड़ दिया।

इसके बाद सुंदरराजन को कार्यक्रम में आमंत्रित करने वालीं गूगल न्यूज में वरिष्ठ अधिकारी तनुजा गुप्ता ने इस्तीफा दे दिया था। सात पेज लंबे अपने इस्तीफे में तनुजा गुप्ता ने लिखा था, जानबूझ कर जाति आधारित शोषण को नजर अंदाज करने, गोपनीयता को हथियार बनाकर जवाबदेही से बचने और जो बोलते हैं उनके खिलाफ बदले की कार्रवाई को सामान्य बनाने के कारण गूगल में अब मेरा करियर खत्म होता है।

कैलिफोर्निया में विधेयक पास होने से गूगल में भी जातिगत भेदभाव को रोका जाएगा। इसकी वजह ये है कि गूगल कैलिफोर्निया की कंपनी है। उसे वहां के कानूनों का पालन करना होगा।

इस्राइली सुरक्षा बलों ने पहली बार शिरीन की मौत के लिए मांगी माफी

वाशिंगटन, 12 मई (एजेंसियां)। एक जानी मानी पत्रकार शिरीन अबू अकलेह की पिछले साल मई में वेस्ट बैंक में गोली लगने से मौत हो गई थी। उत्तरी वेस्ट बैंक के जेनिन कस्बे में हुई इस्राइली सेना की गोलीबारी में शिरीन की हत्या को कतर आधारित मीडिया और फलस्तीन ने अपराध बताया है। उस समय वह रिपोर्टिंग कर रही थीं।

पिछले साल हुई थी मौत

एक जानी मानी पत्रकार शिरीन अबू अकलेह की मौत के लिए एक साल बाद गुरुवार को पहली बार इस्राइली सेना ने माफी मांगी है। गौरतलब है, अकलेह की मौत उस वक्त हुई थी जब पिछले साल 11 मई को गाजा में इस्राइल उत्तरी वेस्ट बैंक में सशस्त्र फलस्तीनी समूह के गढ़ जेनिन शरणार्थी शिविर में एक अभियान चलाया था। शिरीन यहां पर लाइव रिपोर्टिंग कर रही थीं। इसी दौरान चली एक गोली से उनकी मौत हो

गई थी। इस घटना में उनके साथी पत्रकार अली अल समुदी को भी गोली लगी थी।

आइडीएफ के मुख्य प्रवक्ता ने मांगी माफी

इस्राइली सुरक्षा बलों (आइडीएफ) के मुख्य प्रवक्ता रियर एडमिनिस्ट्रेटर डैनियल हागरी ने एक साक्षात्कार में माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मेरे पास यहां कहने का अवसर है कि हम शिरीन की मौत के लिए बहुत दुखी हैं। वह एक अच्छी पत्रकार थीं। उन्होंने आगे कहा कि इस्राइल में हम अपने लोकतंत्र को महत्व देते हैं और लोकतंत्र में, हम स्वतंत्र पत्रकारिता देखते हैं।

हागरी ने कहा कि हम चाहते हैं कि पत्रकार इस्राइल में सुरक्षित महसूस करें। खासकर युद्ध के समय में, चाहें वे उस दौरान हमारी आलोचना ही क्यों न कर रहे हों।

20 पत्रकारों की हो चुकी है मौत

बता दें, यह बयान एक रिपोर्ट आने के बाद सामने आया है, जिसमें कहा गया था कि पिछले दो दशकों में कम से कम 20 पत्रकारों की हत्याओं पर इस्राइली सेना से कोई जवाब नहीं मांगा गया है। वहीं एक प्रेस ग्रुप के अनुसार, साल 2001 के बाद से इस्राइली सेना के हमले में कम से कम 20 पत्रकारों की मौत हो चुकी है। मारे गए पत्रकारों में से करीब 18 फिलिस्तीनी थे। कहा गया है कि इन मौतों के लिए किसी को भी आरोपित या जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है।

हालांकि, इस्राइली सुरक्षा बलों ने पहली बार पिछले साल सितंबर में माना था कि दुर्घटनावश अबू अकलेह को गोली लग गई थी, जिससे उनकी मौत हो गई थी।

हाल ही में, आईडीएफ हमले के दौरान नागरिकों को हुए नुकसान के लिए खेद जताया था। उन्होंने कहा था कि वह प्रेस की स्वतंत्रता की सुरक्षा और पत्रकारों के पेशेवर काम को बहुत महत्व देता है।

सेना किसी को जानबूझकर निशाना नहीं बनाता है। युद्ध में गोलीबारी उस समय की जाती है, जब कोई रास्ता नहीं बचा हो।

जिन्ना के जिस घर को इमरान समर्थकों ने जलाया

उसे हिंदू परिवार से लिया गया था

इस्लामाबाद, 12 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हुए बवाल में लाहौर स्थित मोहम्मद अली जिन्ना का घर भी खाक हो गया। वही जिन्ना, जिन्होंने भारत और पाकिस्तान का बंटवारा करवाया था। जो पाकिस्तान के संस्थापक कहे जाते हैं। इमरान खान के समर्थकों ने ऐसी तबाही मचाई कि पूरी दुनिया देखती रह गई। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिन्ना के घर से करीब 15 करोड़ रुपये के सामान भी लूट लिए गए।

अब जिन्ना हाउस में रहते हैं पाकिस्तान सेना के कोर कमांडर

मोहम्मद अली जिन्ना ने 1943 में लाहौर में रहने वाले मोहन लाल बासिन से एक बंगला लिया। 1947 में भारत-पाकिस्तान बंटवारे के बाद जब जिन्ना लाहौर पहुंचे तो इसी घर में रहने लगे। 1948 में बीमारी के चलते उनका निधन हो गया। पहले से ही यह ब्रिटिश सेना के कब्जे में था, फिर जिन्ना के निधन के बाद यह उनके प्रतिनिधि सैय्यद मरताब अली को दे दिया गया। इसके बाद पाकिस्तानी सेना ने 500 रुपये मासिक किराये पर इसे अपने कब्जे में ले लिया। कुछ साल बाद से पाकिस्तानी सेना ने आधिकारिक तौर पर ये बंगला सेना के कोर कमांडर के आवास रूप में प्रयोग करना शुरू कर दिया।

2007 में पाकिस्तानी सेना से हुआ था विवाद

2007 में एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि ये बंगला जिन्ना के नाम दर्ज था। इसके बाद से लाहौर प्रशासन और सेना के बीच विवाद शुरू हो गया था। सेना ने तब आधिकारिक तौर पर बताया कि उन्होंने ये बंगला मोहम्मद अली जिन्ना की बहन फातिमा जिन्ना से 3.50 लाख रुपये में खरीद लिया था।

वायरल वीडियो में दिखा इमरान समर्थकों का आतंक

पाकिस्तान में रावलपिंडी से लेकर कराची और लाहौर तक इमरान खान के समर्थकों ने आतंक मचा रखा है। पाकिस्तान आर्मी के अधिकारियों के घर भी जला दिए गए हैं। लाहौर कैंटोनमेंट बोर्ड के लेटर नंबर 2219/3170 के मुताबिक जिन्ना हाउस लाहौर के डायगोनल रोड पर है, जिसे अब नागी रोड के नाम से जानते हैं।

यह घर अफशान चौक के करीब अजीज भट्टी रोड-तुफैल रोड और तुफैल रोड-नागी रोड के चौराहे पर है। इसमें तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री की किरकिरी

इमरान पर साध रहे थे निशाना, तभी गुल हो गई बिलावल हाउस की बिजली

इस्लामाबाद, 12 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी को एक बार फिर शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। दरअसल, जरदारी गुरुवार एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, जिसको टीवी पर लाइव दिखाया जा रहा था। इस दौरान अचानक उनके घर की बिजली चली गई और वह टीवी पर दिखाई देना बंद हो गए, हालांकि इस दौरान उनकी आवाज सुनाई दे रही थी। बता दें, जरदारी के साथ जब यह घटना हुई उस वक्त वह पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे। गौरतलब है, आजकल पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। जहां एक तरफ महंगाई ने हद मचा दी है, वहीं आम लोगों को बिजली संकट का सामना भी करना पड़ रहा है। लेकिन इस बीच, विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के घर की बिजली जाने से साफ है कि पाकिस्तान के बड़े-बड़े नेताओं को भी इस संकट का सामना करना पड़ रहा है।

गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बिलावल इमरान खान पर तीखे वार कर रहे थे। यह कॉन्फ्रेंस टीवी पर लाइव दिखाई जा रही थी। तभी अचानक उनके घर की बिजली चली गई। इस दौरान जरदारी टीवी पर दिखना बंद हो गए। हालांकि स्थिती को संभालते हुए जरदारी ने कहा कि मुझे नहीं पता बिजली क्यों काटी गई है, लेकिन इससे साफ हो गया कि बिलावल हाउस में भी बिजली कटौती होती है। बता दें, पाकिस्तान में आम जनता को रोजाना कई घंटों तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के लोगों से मामले को और खराब न करने की अपील की। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि लोग इमरान की गिरफ्तारी के खिलाफ अपने हिंसक प्रदर्शन को बंद करें। हालांकि, थोड़ी देर बाद ही इमरान को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर रिहा कर दिया गया। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में इमरान की गिरफ्तारी पर पीटीआई की प्रतिक्रिया पूरी तरह से गलत है।

भुट्टो-जरदारी ने कहा कि प्रदर्शन हिंसक हैं और इसने ऐसे हालात पैदा कर दिए हैं, जिस पर मंथन की जरूरत है। हिंसा में शामिल लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वसुंधरा राज के करप्शन को उठाना अनुशासनहीनता कैसे? : पायलट

कांग्रेस छोड़ने पर कहा-अटकलें लगाने की जरूरत नहीं, मैं सबके सामने कहता-करता हूं

किशनगढ़, 12 मई (एजेंसियां)। पेपरलीक और करप्शन के खिलाफ सचिन पायलट की जनसंघर्ष यात्रा का आज दूसरा दिन है। पायलट के साथ बड़ी संख्या में उनके समर्थक यात्रा में चल रहे हैं। सचिन पायलट ने एक बार फिर सीएम अशोक गहलोत पर निशाना साधा है। अनुशासनहीनता के आरोपों पर कहा कि वसुंधरा राजे के राज के वक्त हुए करप्शन की जांच की बात उठाना अनुशासनहीनता कैसे हो गया? पायलट ने गहलोत खेमे की तरफ से लगाए जा रहे आरोप पर भी तीखा पलटवार किया है। इस बीच, पायलट की यात्रा का पहला फेज पूरा हो गया है।

सचिन पायलट ने कहा-मैंने जब अनशन किया तो वसुंधरा राजे के करप्शन के खिलाफ किया। मुझे समझ में नहीं आता कि यह पार्टी के अनुशासन को लांघने का केस कैसे बनता है? अनुशासन तोड़ने का काम तो 25 सितंबर को किया गया था, जब सोनिया गांधी के स्पष्ट आदेश थे दोनों पर्यवेक्षक विधायक दल की बैठक करवाने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री निवास पर बैठक रखने के बावजूद वह क्यों नहीं हो पाई? बाद में विधायकों ने इस्तीफे दिए। स्पीकर ने कोर्ट में कहा कि इस्तीफे रिजेक्ट इसलिए करने पड़े, क्योंकि विधायकों ने खुद की मर्जी से

नहीं दिए गए थे। फिर किसकी मर्जी से दिए गए थे? क्या दबाव था? जहां तक बात अनुशासन की है तो मापदंड सबके लिए बराबर होना चाहिए। जो हमारे साथी विधायकों ने इस्तीफे दिए क्या सरकार संकट में नहीं आ गई थी।

इधर, शुक्रवार सुबह 8 बजे यात्रा की शुरुआत किशनगढ़ टोल से हुई। करीब 11 किलोमीटर की यात्रा पूरी करने के बाद बिड़ला पब्लिक स्कूल, बांदर सिंदरी के पास विश्राम हो गया है। दूसरे दिन की यात्रा का दूसरा चरण शाम 4 बजे बिड़ला स्कूल से दोबारा शुरू होगा, जिसके बाद विश्राम शाम 7 बजे गेजी मोड़, पड़सौली में रहेगा।पायलट ने कहा-हम जब दिल्ली गए थे अपनी बात रखने के लिए, हम में से किसी साथी ने इस्तीफा दिया क्या? हमने कब पार्टी के खिलाफ बात रखी? कब सोनिया गांधी के खिलाफ बात की। 25 सितंबर सितंबर को जो हुआ वह सबके सामने है। जबकि पार्टी ने जो कहा उसका हमने सम्मान किया। पार्टी ने जब जो कहा हमने उसको स्वीकार किया।

पार्टी ने दोनों पद छोड़ने को कहा तो माना। हमारी मांगों पर बनी कमेटी किसी नेता ने नहीं पार्टी ने बनाई थी। हमने हर चुनाव में प्रचार किया, बीजेपी को हराया। पार्टी के खिलाफ एक काम नहीं किया। 25 सितंबर को जो हुआ वह तो इतिहास में पहली बार हुआ है। कांग्रेस पार्टी के इतिहास में पहली बार यह हुआ कि कांग्रेस अध्यक्ष के आदेश पर आने वाले पर्यवेक्षकों की बेइज्जती की जाए, फिर मीटिंग न हो और खाली हाथ लौटा दिया गया हो। फिर नोटिस भी जारी किए गए लेकिन उनका अभी तक कुछ हुआ, नहीं मुझे लगता है उस बात का भी संज्ञान लेना चाहिए।

कांग्रेस छोड़ने की अटकलों पर कहा- आपको अटकलें लगाने की जरूरत नहीं है

11 जून को कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के सवाल पर पायलट ने कहा- आप सबको अटकलें लगाने की जरूरत नहीं है। मैं जो भी कहता करता हूं सबके सामने रखकर करता हूं, मैं छुपा- छुपी का गेम नहीं खेलता हूं। मैं जो बोला है सबके सामने बोला है। मैं डबल मीनिंग वाली बातें भी नहीं करता। मेरी मांग सामूहिक है, व्यक्तिगत नहीं है। मुझे पद की लालसा नहीं है। पार्टी ने बहुत हद तक बहुत कुछ दिया है। मेरा घोर विरोधी भी निष्ठा और ईमानदारी पर उंगली नहीं उठा सकता। हमें नौजवानों की बात सुननी पड़ेगी। नौजवानों के लिए संघर्ष करने में पहले कभी कमी थोड़ी ना आगे छोड़ूंगा, बाकी चुनाव में हार जीत चलती रहती है।

पुजारियों का आरोप-जगदीश मंदिर की बर्बाद करने में लगा है देवस्थान विभाग

उदयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। देवस्थान विभाग ने भले ही उदयपुर के ऐतिहासिक जगदीश मंदिर की मरम्मत के लिए पुरातत्व विभाग के 70 लाख रुपए दे दिए हैं लेकिन पुजारियों का कहना है कि खुद देवस्थान विभाग ही इस मंदिर को बर्बाद करने में तुला है।

मंदिर पुजारियों ने मीडिया को बुलाकर देवस्थान विभाग की करतूतों को उजागर करते हुए बताया कि जगदीश मंदिर आत्मनिर्भर मंदिर की श्रेणी में आता है। देवस्थान विभाग के कर्मचारी इसकी देखभाल करने नहीं आते, बल्कि साल में महज एक बार ही इसकी तिजोरी खोलने आते हैं। मंदिर के जीर्ण—शीर्ण होने पर पुजारियों के अलावा आमजन ने ही आवाज उठाई लेकिन देवस्थान विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों को इससे कोई मतलब नहीं। भले ही अब इसके लिए सत्तर लाख रुपए की राशि जारी कर दी लेकिन कई और ऐसे काम है, जो देवस्थान विभाग को करने चाहिए लेकिन वह नहीं करता। मंदिर में एक भी सेवादार नहीं।

मंदिर के आभूषण टूट गए तथा काले पड़ गए लेकिन अधिकारियों ने ना तो कभी आभूषणों की सुध ली और ना ही मरम्मत कराई। जबकि इनको बदलने की जरूरत है। आत्मनिर्भर श्रेणी में होने पर मंदिर अपना खर्चा खुद उठाता है, इसके बावजूद देवस्थान विभाग कोई ध्यान नहीं देता। पुजारी परिषद का कहना है कि व्यवस्थाओं में सुधार की जरूरत है।

पुजारी परिषद के हेमेन्द्र पुजारी का कहना है कि जब से मंदिर देवस्थान विभाग के अधीन आया है तब से मंदिर के हालात बिगड़ते जा रहे हैं।

चार—पांच दशक से देवस्थान विभाग ने कभी मंदिर की सुध नहीं ली। जबकि मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी, निर्जला एकादशी, पाटोत्सव, रथयात्रा और हर माह दोनों एकादशी पर बड़े और भव्य आयोजन होते हैं। इधर, देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त जतिन गांधी का कहना है कि जगदीश मंदिर के पुजारी किसी भी समस्या को लेकर देवस्थान विभाग तक नहीं आए। मंदिर की मरम्मत के लिए देवस्थान विभाग ने 70 लाख रुपए का बजट पुरातत्व विभाग को दे दिया है और इसका वर्कआर्डर भी जारी कर दिया गया है।

सीकर जिले में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

हाईकोर्ट के आदेश के बाद हटाया गया अवैध निर्माण

सीकर, 12 मई (एजेंसियां)। सीकर जिले के खंडेला पंचायत समिति के ग्राम पंचायत कांवट में बहुचर्चित अतिक्रमण को लेकर खंडेला उपखंड अधिकारी बृजेश कुमार के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुक्रवार सुबह से शुरू कर दी गई है। अगले 2 दिन शनिवार और रविवार को सरकारी छुट्टी रहेगी। ऐसे में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। सीकर की खंडेला पंचायत समिति के कांवट ग्राम पंचायत क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा। एसडीएम बृजेश गुप्ता ने बताया कि अतिक्रमियों को अतिक्रमण हटाने को लेकर चार बार नोटिस जारी किया था। अतिक्रमियों ने अतिक्रमण नहीं हटाया। इसे लेकर शुक्रवार को भारी संख्या में पुलिस के जवानों के साथ और जेसीबी की सहायता से कांवट कस्बे के तीनों मार्गों सहित बस स्टैंड पर अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई। यह कार्रवाई तीन दिन तक जारी रहेगी। 2017 में कांवट सरपंच मीना सैनी ने अतिक्रमण हटाने को लेकर हाईकोर्ट में याचिका पेश की थी।

जिसके बाद हाईकोर्ट ने अतिक्रमण हटाने को लेकर आदेश जारी किया था। प्रशासन द्वारा हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना करने पर कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को तलब कर अतिक्रमण नहीं हटाने का स्पष्टीकरण मांगा था और जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए थे। आदेश की पालना में एसडीएम बृजेश कुमार ने यह कार्रवाई शुरू की है। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार सुमन चौधरी नायब तहसीलदार विजय बाजिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गिरधारी लाल शर्मा,रींगस थाना अधिकारी हिम्मतसिंह, थोड़ी थानाधिकारी रिया चौधरी खंडेला थाना अधिकारी राजेश बाफना समेत प्रशासन और पुलिस अधिकारी सहित कर्मी उपस्थित रहे।

जोधपुर के 565वें स्थापना दिवस पर हुए विभिन्न कार्यक्रमों में उमड़ा जनसैलाब

जोधपुर, 12 मई (एजेंसियां)। शौर्य, पराक्रम, अनुपम लोक संस्कृति और मनोहारी परम्पराओं के साथ ही कई विलक्षण थातियों से भरे जोधपुर का 565 वा स्थापना दिवस शुक्रवार को विभिन्न मनोहारी एवं आकर्षक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। जोधपुर स्थापना दिवस पर जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रम हुए। जोधपुर स्थापना दिवस पर रन फॉर जोधपुर का आयोजन शुक्रवार सुबह किया गया। इसमें महापौर कुन्ती देवड़ा परिहार की उपस्थिति में अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेंद्र डांगा, बीएसएफ के अधिकारी एमएस खींची, श्री नरेश जोशी, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक भानुप्रताप, सहायक निदेशक डॉ. सरिता फिड़ोदा सहित पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

नई पॉलिसी से पुराने 81 कॉलेजों की एनओसी रद्द

शहर से बाहर बनानी होगी बिल्डिंग; नहीं बनाई तो स्टूडेंट्स का भविष्य खतरे में

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। पशुपालन विभाग की नई पॉलिसी वेटरनरी कॉलेजों के लिए मुसीबत बन गई है। नई पॉलिसी के कारण 20 साल से चल रहे 81 कॉलेजों की एनओसी रद्द हो गई है। अब उन्हें फिर से एनओसी के लिए आवेदन करना होगा। वहीं हाल ही में नए खुलने वाले 9 कॉलेजों को इस पॉलिसी से बाहर रखा गया है।

नई पॉलिसी के कारण जयपुर, जोधपुर, कोटा शहर में चल रहे सभी वेटरनरी कॉलेज बंद होने जाएंगे। इन कॉलेज को नगर निगम सीमा से बाहर पांच एकड़ जमीन देखकर फिर से नई बिल्डिंग बनानी पड़ेगी। इसकी वजह है कि कॉलेज में स्टूडेंट्स के प्रशिक्षण के लिए फार्म में कई पशु रखने पड़ते हैं। नगर निगम की सीमा में पशु रख नहीं सकते। ऐसे में इन्हें कॉलेज के फार्म नगर निगम सीमा से बाहर रखने पड़ेंगे। कॉलेज मालिक फार्म को कॉलेज से 20 किमी से ज्यादा दूर भी नहीं रख सकते हैं। ऐसे में मजबूरी में कॉलेजों मालिकों को शहर के बाहर बिल्डिंग बनानी पड़ेगी। कई कॉलेजों मालिकों ने पुराने नियम के अनुसार जमीन खरीदकर बिल्डिंग बनाई थी, लेकिन अब अगर पांच एकड़ जमीन कॉलेज के पास

नहीं है तो उसकी एनओसी जारी नहीं होगी।

प्रदेश में वेटरनरी डिप्लोमा के 81 कॉलेज

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर से कुल 81 संस्थान चल रहे हैं। इनमें दो वर्षीय पशुपालन डिप्लोमा का कोर्स चल रहा है। इनमें जोधपुर, उदयपुर, कोटा और जयपुर सहित में चल रहे कॉलेजों से हर साल करीब 5 हजार से ज्यादा स्टूडेंट पास आउट होते हैं। यह कॉलेज पिछले 20 सालों से चल रहे हैं। हाल ही में सरकार ने 2022 में वेटरनरी कोर्सेज के कॉलेज के लिए नई पॉलिसी बनाई है।

बीकानेर वेटरनरी विश्वविद्यालय ने 1 मई 2023 को आदेश जारी कर 4 साल पुराने सभी कॉलेज की एनओसी रद्द कर दी। इन कॉलेजों को राज्य सरकार से फिर से एनओसी के लिए आवेदन करना होगा। इसके लिए इन कॉलेजों को वेटरनरी कॉलेजों के लिए वर्ष 2022 में बनाई गई नई पॉलिसी के नियमानुसार बदलाव करने होंगे। इसमें कॉलेज के बिल्डिंग, स्टाफ, फार्म में नई पॉलिसी के अनुसार अपडेट करना होगा। इसके बाद इन कॉलेजों का यूनिवर्सिटी की कमेटी निरीक्षण करेगी। निरीक्षण करने के बाद सभी कॉलेजों को कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार फिर से एनओसी जारी करेगी।

नई कॉलेजों को फिर से एनओसी नहीं लेनी होगी

आदेश के अनुसार जिन कॉलेजों को शुरू हुए 4 साल पूरे हो चुके और उनके कम से कम 2 बैच पूरे हो चुके हैं। उन्हें फिर से राज्य सरकार से एनओसी लेनी होगी। वहीं हाल ही में जिन नए कॉलेजों को एनओसी जारी की गई है, वे इस आदेश के दायरे में नहीं आते हैं। जयपुर, जोधपुर, कोटा में करीब 15 कॉलेज चल रहे हैं। पहले कॉलेजों के फार्म नगर निगम से सीमा से बाहर थे और दूरी की लिमिट नहीं थी। अब नई पॉलिसी के अनुसार इन्हें नगर निगम सीमा से बाहर और 20 किमी के अंदर फार्म बनाना है।

30 रिश्तेदारों की फर्जी डिग्री बनाई, 25 की नौकरी लगी

पीटीआई, लाइब्रेरियन, फायरमैन डिग्री की ज्यादा डिमांड, फर्जीवाड़े में शामिल पुलिसवाला फरार

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। जयपुर में यूनिवर्सिटी की 4000 फर्जी डिग्री बनाने के मामले में अब एक नया खुलासा हुआ है। पुलिस को इनमें से 25 डिग्री ऐसी मिली हैं, जिनसे नौकरी भी लग चुकी है। फर्जी डिग्रियों में सबसे ज्यादा पीटीआई, लाइब्रेरियन और फायरमैन की भर्तियों के लिए हैं। अब पुलिस फर्जी डिग्री बनवाने वालों की गिरफ्तारी के लिए डेटा जुटा रही है।

उल्लेखनीय है कि सीनियर टीचर भर्ती के पेपरलीक का मास्टरमाइंड भूपेंद्र सारण भी फर्जी डिग्री बनाने वाली गैंग से जुड़ा हुआ था। भूपेंद्र सारण के घर से पुलिस को फर्जी डिग्रियां मिली थीं। इनकी जांच पुलिस ने शुरू की तो पूरे गिरोह का खुलासा हुआ था। भूपेंद्र सारण का एसआई भाई गोपाल सारण भी फर्जी डिग्री मामले में आरोपी है। पुलिस ने कोर्ट में उसके वारंट देने के लिए भी आवेदन कर दिया है। पुलिस फरार चल रहे बर्खास्त एसआई की तलाश कर रही है। फर्जी डिग्री मामले में पुलिस अब तक 11 आरोपियों को

गिरफ्तार कर चुकी है। इनसे पूछताछ के बाद पुलिस ने जांच की तो कई हैरान कर देने वाले खुलासे हुए। फर्जी डिग्री के लिए 50 हजार रुपए से लेकर डेढ़ लाख रुपए तक लिए जाते थे। इनके वेरीफिकेशन कराने की भी जिम्मेदारी ली जाती थी। फर्जी डिग्री बनाने वाले मास्टरमाइंड अशोक विजय और भूपेंद्र सारण की दोस्ती 2019 में हुई थी। तब से भूपेंद्र फर्जी डिग्री बनवा रहा है।

30 रिश्तेदारों की फर्जी डिग्री बनवाई भूपेंद्र ने

डीसीपी वंदिता राणा ने बताया कि भूपेंद्र सारण ने अपने 30 रिश्तेदारों की फर्जी डिग्री बनवाई है। भूपेंद्र सारण की अशोक विजय से 2019 में पहचान हुई थी। अशोक विजय 10वीं पास, 12वीं पास, बीए,एमए और किसी भी कोर्स की डिग्री बनवाने के लिए ऐड देता था। ऐड देखकर ही भूपेंद्र ने अशोक से फोन पर बात की थी। इसके बाद भूपेंद्र ने अशोक के इमली फाटक पर बने ऑफिस पर पहुंच कर पूरी डील की थी। भूपेंद्र ने डिग्री बनाने के लिए अशोक से पूरा कमीशन भी सेट कर लिया था। अशोक विजय 10वीं और 12वीं के अलावा पीटीआई, लाइब्रेरियन, फायरमैन की डिग्री 50 हजार रुपए और बीए, एमए, बीएड से लेकर बीबीए, एमबीए, लैब टेक्निशयन जैसी डिग्री के एक से डेढ़ लाख रुपए लेता था। भूपेंद्र ने 20 से लेकर 50 हजार रुपए तक इन डिग्री में अपना कमीशन तय कर लिया था।

घूसखोरी के मामले में नगरीय विकास प्रमुख सचिव कुंजीलाल मीना के खिलाफ केस, एसीबी ने की कार्रवाई

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव कुंजीलाल मीना, संयुक्त सचिव मनीष गोयल समेत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। उदयपुर एसीबी की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर जयपुर एसीबी मुख्यालय थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। विभाग के अनुभाग अधिकारी हरिमोहन और पिछले दिनों पकड़े गए दलाल लोकेश जैन का नाम भी एफआईआर में जोड़ा गया है।

एसीबी के सूत्रों का कहना है कि इनके अलावा जांच में अन्य कर्मचारियों और अधिकारियों की भूमिका सामने आती है तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। उदयपुर में एसीबी ने दलाल लोकेश जैन को एक व्यक्ति से घूस लेते हुए आठ मई को गिरफ्तार किया था। इसकी जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर अब एसीबी ने विभाग के प्रमुख सचिव, संयुक्त सचिव सहित चार पर शिकंजा कसा है। लोकेश जैन को शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव और संयुक्त सचिव के नाम पर 12 लाख रुपये की घूस लेते पकड़ा था। इसकी जांच में भी दोनों अधिकारियों का नाम सामने आया था। परिवादी देवीलाल ने एसीबी को शिकायत कर आरोप लगाया था कि अपनी पैतृक जमीन का लैंड यूज बदलने के लिए उसने 2019 में आवेदन किया था। दो साल तक एनओसी नहीं मिली तो उसने दलाल लोकेश से बात की। उसने 0.9157 हेक्टेयर जमीन के कन्वर्जन के लिए 25 लाख रुपये मांगे थे।

सभी शहरों में पारा 40 पर आया, गर्म हवाएं चलने का येलो अलर्ट

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में आज से गर्म हवाएं चलनी शुरू होगी। मौसम विभाग ने पश्चिमी राजस्थान के जिलों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है। बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, चूरू, गंगानगर और फलौदी में दिन का तापमान अब 43 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया है।

सीकर को छोड़ दें तो राज्य के सभी शहरों में पारा अब 40 या उससे ऊपर चला गया है। इस कारण यहां अब दिन में झुलसाने वाली गर्मी शुरू हो गई। 14-15 मई से शेखावाटी बेल्ट में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। यहां धूलभरी आंधी चलने और बादल छाने की संभावना है, हालांकि यहां बारिश या बूंदाबांदी नहीं होगी। पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट में सबसे ज्यादा तापमान बाड़मेर में 44.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है। बाड़मेर के साथ जैसलमेर और जालोर में भी कल दिन का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। दिन में तेज झुलसाने वाली गर्मी रहने के साथ यहां लू के थपेड़े भी जनजीवन को परेशान कर रहे हैं। इन शहरों में अब दिन में कर्फ्यू जैसे हालात होने लगे है। गर्मी के कारण लोगों की आवाजाही बहुत कम हो गई। इन शहरों में रात का तापमान भी अब 30 डिग्री सेल्सियस तक रहने लगा है। फलौदी में बीती रात न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गया। बाड़मेर का भी न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। उदयपुर, जयपुर, अजमेर में कल सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। अजमेर में दिन का अधिकतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 41.3 तक आ गया। वहीं उदयपुर में इस सीजन में पहली बार पारा 40 पर पहुंचा। कल जयपुर का अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इस सीजन में ये दूसरी बार है जब जयपुर में पारा 40 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा है। जयपुर, अजमेर समेत कई शहरों में कल दिन में हल्की स्पीड से गर्म हवाएं भी चली। केवल सीकर ऐसा जिला रहा जहां कल अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस (40 से नीचे रहा) रहा।

मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि उत्तर भारत में एक कम प्रभाव का वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होगा, जिसके असर से राजस्थान में 14-15 मई को कहीं-कहीं हल्के बादल छाने के साथ धूलभरी आंधी चल सकती है।

ऑपरेशन सुदर्शन चक्र : पुलिस ने देर रात ऑपरेशन चलाकर 46 अपराधियों को किया गिरफ्तार

धौलपुर, 12 मई (एजेंसियां)। धौलपुर की सरमथुरा थाना पुलिस ने गुरुवार देर रात ऑपरेशन सुदर्शन चक्र अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। थाना इलाके में अलग-अलग स्थानों पर पुलिस टीमों ने कार्रवाई कर 46 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बदमाश, शराब तस्कर, लुटेरे आदि शामिल हैं। अवैध हथियार के साथ अन्य सामग्री भी पुलिस ने बरामद की है।

धौलपुर के सरमथुरा थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा ने बताया कि जयपुर पुलिस मुख्यालय और पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार के

निर्देशन में ऑपरेशन सुदर्शन चक्र अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के अंतर्गत जिला पुलिस लगातार कार्यवाही कर अपराधियों को सलाखों के पीछे भेज रही है। थाना प्रभारी ने बताया बीती रात पुलिस थाने से अलग-अलग टीम का गठन किया गया। मुखबिर तंत्र को मजबूत कर सुनियोजित तरीके से बदमाशों के ठिकानों पर कार्रवाई को अंजाम दिया। उन्होंने बताया शुक्रवार सुबह तक कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 46 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारशुदा अपराधियों में हार्डकोर बदमाश भी शामिल है। नकबजन, लुटेरे, चोर, शराब तस्कर, आदतन अपराधी आदि को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया अपराधियों के कब्जे से अवैध हथियार, जिंदा कारतूस, छुरा, अवैध शराब समेत अन्य अवैध सामग्री को बरामद किया है। उन्होंने बताया आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है।

केटीआर ने लंदन में टीएस को सबसे अनुकूल निवेश स्थान के रूप में पेश किया

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव, जो वर्तमान में यूनाइटेड किंगडम के दौरे पर हैं, ने ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम के. दोरईस्वामी द्वारा आयोजित लंदन में एक निवेश गोलमेज सम्मेलन में तेलंगाना को आदर्श निवेश गंतव्य के रूप में पेश किया। गोलमेज सम्मेलन में विभिन्न उद्योगों के संभावित निवेशकों ने भाग लिया। मंत्री की प्रस्तुति ने पिछले नौ वर्षों में तेलंगाना के विकास को प्रदर्शित किया, बुनियादी मुद्दों को संबोधित करने और नवाचार और बुनियादी ढांचे के निर्माण को प्राथमिकता देने में इसकी प्रगति पर प्रकाश डाला। यह कहते हुए कि तेलंगाना की अर्थव्यवस्था कृषि और आईटी दोनों में जबरदस्त वृद्धि के साथ तेज गति से बढ़ रही है, उन्होंने कहा कि उसी समय तेजी से औद्योगीकरण और हरित क्षेत्र में सुधार भी देखा गया है। मंत्री, जिन्होंने तेलंगाना की प्रगतिशील औद्योगिक नीति और क्रांतिकारी एकल खिड़की प्रणाली, टीएस आईपास पर बैठक की जानकारी दी, जो निवेश प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करता है और नौकरशाही लालफीताशाही को कम करता है, ने देश में सबसे अधिक संख्या में तकनीकी नौकरियां पैदा करने वाले तकनीकी पावरहाउस के रूप में हैदराबाद पर प्रकाश डाला। मंत्री ने अपनी प्रस्तुति में इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा, खाद्य प्रसंस्करण, गतिशीलता और कपड़ा क्षेत्रों के लिए राज्य के मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र पर भी प्रकाश डाला।

यह कहते हुए कि तेलंगाना में अनुसंधान संगठनों, शैक्षिक संस्थानों, स्टार्टअप्स और सभी क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों के साथ सबसे व्यापक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र है, रामा राव ने किंग्स कॉलेज और क्रैनफील्ड विश्वविद्यालय जैसे यूके के शैक्षणिक संस्थानों के साथ राज्य सरकार के सहयोग का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दक्कन के पठार पर स्थित होने के कारण तेलंगाना सभी प्रकार की आपदाओं से सुरक्षित था, उन्होंने यह भी बताया कि कैसे तेलंगाना में पांच क्रांतियां शुरू की गईं और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए कई अवसर प्रदान किए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार निवेशकों को साझेदारी को बढ़ावा देने और निवेश का जश्न मनाने के लिए अनुकूल और समावेशी वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दोरईस्वामी, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में पर्याप्त सहयोग के अवसरों पर प्रकाश डाला, ने हैदराबाद की विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और इसके बहुसांस्कृतिक वातावरण के लिए प्रशंसा की, जिससे यह निवेशकों के लिए एक आदर्श स्थान बन गया। ब्रिटिश भारतीय व्यवसायी और हैदराबाद में जन्मे करण बिलिमोरिया ने भी तेलंगाना की उपलब्धियों की सराहना की।

लॉर्ड बिलिमोरिया ने राज्य के बुनियादी ढाँचे की प्रशंसा करते हुए विशेष रूप से नए सचिवालय भवन का उल्लेख किया, इसे एक शानदार उपलब्धि बताया। पिछले दशक में तेलंगाना के उल्लेखनीय विकास की सराहना करते हुए, उन्होंने उल्लेख किया कि राज्य ने 10 वर्षों से भी कम समय में अपनी प्रति व्यक्ति आय को एक बड़ी उपलब्धि के रूप में दोगुना किया है। प्रधान सचिव (आईटी और उद्योग) जयेश रंजन और विशेष सचिव (निवेश संवर्धन और एनआरआई मामले) ई. विष्णु वर्धन रेड्डी भी उपस्थित थे।

श्रीनगर में 22-24 मई तक होगा जी-20 शिखर सम्मेलन

सुरक्षा में लगाए जाएंगे मरीन और एनएसजी कमांडो; कश्मीरी पंडित पलायन कर रहे

श्रीनगर, 12 मई (एजेंसियां)। श्रीनगर में 22 से 24 मई तक होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए सुरक्षा चाक-चौबंद की जा रही है। सम्मेलन का आयोजन डल झील के किनारे बने शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में किया जाएगा। इस दौरान झेलम नदी और डल झील में मरीन कमांडो (मार्कोस) की तैनाती की जाएगी। संभावित आत्मघाती हमलों को रोकने के लिए एनएसजी की टीमें कार्यक्रम स्थलों पर तैनात होंगी। इनके साथ एसओजी भी होगी। उधर, बैठक से पहले घाटी से कश्मीरी पंडितों और अन्य गैर मुसलमानों का पलायन शुरू हो गया है। वे अस्थाई रूप से रहने के लिए जम्मू चले गए हैं। सुरक्षा अधिकारियों ने कश्मीरी पंडित और अन्य गैर-मुस्लिम कर्मचारियों को कार्यालयों और आवासों तक ही सीमित रहने और अनावश्यक रूप से बाहर नहीं जाने के लिए कहा है। उन्हें अतिरिक्त सतर्क रहने को कहा गया है। एक पंडित कर्मचारी ने कहा- किसी ने हमें जाने के लिए नहीं कहा, लेकिन हमें सतर्क रहने की सलाह दी गई है। हमारे पास पहले के उदाहरण हैं जहां किसी बड़े कार्यक्रम से पहले अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया।

रेलवे अस्पताल, विजयवाड़ा में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मना

विजयवाड़ा, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे-विजयवाड़ा मंडल मंडल रेलवे अस्पताल, विजयवाड़ा ने न्यू ओपीडी ब्लॉक के सेमिनार हॉल में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस-2023 मनाया। यह कार्यक्रम अमेरिकन ऑन्कोलॉजी इंस्टीट्यूट, विजयवाड़ा के सहयोग से मनाया गया। डॉ. एम सौरी बाला, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, रेलवे अस्पताल, विजयवाड़ा ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। डॉ. अनिला पतिबंदला कंसल्टेंट ऑन्कोलॉजिस्ट गेस्ट ऑफ ऑनर हैं। लेडी विद लैम्प-फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती को चिह्नित करने के लिए, डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने दीप जलाकर और चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस भव्य अवसर पर मोमबत्तियां जलाकर नर्सिंग स्टाफ को आदर्श वाक्य के रूप में सेवा की शपथ दिलाई गई। विषय-2023 "हमारी नर्सें और हमारा भविष्य" पर भी प्रकाश डाला गया। सभा को संबोधित करते हुए, डॉ. अनिला पतिबंदला ने कैंसर के लक्षण, निदान, उपचार और कैंसर रोगी की नर्सिंग देखभाल पर प्रस्तुति दी। डॉ. वी. सुनील कुमार, चिकित्सक भी रोगी सुरक्षा पर एक प्रस्तुति दी और रेलवे लाभार्थियों को दैनिक दिनचर्या में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया।

इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. एम सौरीबाला, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, रेलवे अस्पताल, विजयवाड़ा ने अमेरिकन ऑन्कोलॉजी इंस्टीट्यूट, विजयवाड़ा और डॉक्टरों को कार्यक्रम में भाग लेने और कैंसर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर लाभार्थियों को जानकारी देने के लिए धन्यवाद दिया। डॉ. एम सौरीबाला, सीएमएस ने कहा कि दैनिक कामकाज में नर्सों और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों की भूमिका महत्वपूर्ण है और उन्हें "स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के नायकों" के रूप में करार दिया, जिनकी चौबीसों घंटे निस्वार्थ चिकित्सा सहायता कई लोगों की जान बचाती है। सी.एम.एस. ने कहा कि लेडी विद लैम्प-फ्लोरेंस नाइटिंगेल मानवता की सेवा का एक प्रतीक है और कर्मचारियों से अपील की कि वे लेडी नाइटिंगल की सेवाओं का अनुकरण करें और मरीजों की सेवा में उनकी करुणा और जुनून के मार्ग पर चलें। उन्होंने कोविड के समय में अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ की सेवाओं की सराहना की और उन्हें इसी समर्पण के साथ आगे बढ़ते रहने की सलाह दी। डॉ. एम. जयदीप एसीएमएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। इस आयोजन में रेलवे अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ, लाभार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

शादी के चंद मिनटों बाद दुल्हन ने लिखी डिग्री की परीक्षा

जगतियाल, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक दिलचस्प घटना में एक दुल्हन ने शादी के चंद मिनटों के भीतर ही डिग्री की परीक्षा दे दी। शुक्रवार को कोरुतला कस्बे की घटना में दुल्हन परीक्षा केंद्र पर शादी के वेश में पहुंची, वह भी अपने स्वाभिमानी दूल्हे के साथ। कोरुतलाशहर के अल्लममैयाहगुट्टा क्षेत्र की निवासी, वीरनाला लास्य उर्फ पद्मावती कस्बे के रामकृष्ण डिग्री कॉलेज में बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा थी।

लस्या की शादी शमशाबाद के पास नगलपल्ली के राजू के साथ तय हुई थी और शादी शुक्रवार सुबह 10 बजे तय हुई थी। हालांकि, उसे रसायन विज्ञान की परीक्षा देनी थी, जो दोपहर 12 बजे शुरू हुई। शादी की रस्म पूरी होने के बाद लस्या अपने पति के साथ कल्लूर रोड स्थित परीक्षा केंद्र पहुंची और परीक्षा दी। राजू के अनुरोध के आधार पर, कॉलेज के प्राचार्य ने लास्य को परीक्षा लिखने के लिए एक अलग स्थान आवंटित किया।

प्रतिबंधित ई-सिगरेट का कारोबार करने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी की बंजारा हिल्स पुलिस के साथ कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ ज़ोन टीम, हैदराबाद के अधिकारियों ने एक व्यक्ति को पकड़ा। आरोपी सलमान परवीन निकोटीन युक्त प्रतिबंधित ई सिगरेट की अवैध खरीद और बिक्री में लिप्त था। सभी की कीमत छह लाख रुपये है। आरोपी महाराष्ट्र का रहने वाला है। वह अपनी शिक्षा के उद्देश्य से हैदराबाद आया था और वह दो साल से शाबअलीबंडा क्षेत्र में रहता है। शिक्षा के बाद उसने नौकरी के लिए प्रयास किया लेकिन नौकरी नहीं मिली। जिसके कारण उन्हें ई-सिगरेट की लत लग गई और वहां उन्होंने अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रतिबंधित ई-सिगरेट को जरूरतमंद ग्राहकों को उच्च दरों पर बेचने की योजना बनाई। तदनुसार वह कुछ व्यक्तियों के संपर्क में आया जो मुंबई शहर के निवासी हैं और उसने मुंबई से कूरियर के माध्यम से ई-सिगरेट की व्यवस्था की। बाद में, सलमान ने प्रतिबंधित ई-सिगरेट इकट्ठा किया और बंजारा हिल्स, रोड नंबर: 12 में ग्राहकों को बेचना शुरू कर दिया। गुप्त सूचना पर, बंजारा हिल्स पुलिस के साथ कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ ज़ोन टीम ने रोड नंबर: 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित द स्मोक बार में छापा मारा और आरोपी को पकड़ लिया और प्रतिबंधित ई-सिगरेट जब्त कर ली। पकड़े गए आरोपी व्यक्ति को जब्त सामग्री के साथ आगे की जांच के लिए एसएचओ बंजारा हिल्स पुलिस को सौंप दिया गया।

सीएम केसीआर ने 1 लाख ज्वार किसानों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में एक लाख से अधिक ज्वार किसानों को बड़ी राहत देते हुए, उनमें से कई जो बेमौसम बारिश से प्रभावित हैं, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का भुगतान करके उनकी यासंगी उपज की 100 प्रतिशत खरीद की घोषणा की। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार कृषि सचिव एम. रघुनंदन राव ने शुक्रवार को ही शासनादेश जारी कर टीएस मार्कफेड को यह जिम्मेदारी सौंपी है। तदनुसार, मार्कफेड राज्य पूल में एमएसपी के तहत रबी 2022-23 सीजन के दौरान 65,499 मीट्रिक टन ज्वार (हाइब्रिड) की खरीद करेगा।

सरकार ने राज्य मार्कफेड को राष्ट्रीयकृत बैंकों, वित्तीय संस्थानों या राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) से 219.92 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा प्राप्त करने की भी अनुमति दी है। मार्कफेड द्वारा प्राप्त की जाने वाली ऋण सुविधा की गारंटी राज्य सरकार लेगी। मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए निर्णय से आदिलाबाद, आसिफाबाद, निर्मल, कामारेड्डी, मेडक, संगारेड्डी, विकाराबाद, नारायणपेट और गडवाल जिलों के ज्वार किसानों के लिए वरदान साबित होने की उम्मीद है।

सफलता का राज नमन और मनन : डॉ. जेबी पाण्डेय

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उडीसा केंद्रीय विश्वविद्यालय कोरापुट के समाजशास्त्र शास्त्र विभाग के तत्वावधान में छात्र हित में 'सफलता के राज' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। हिंदी विभाग के अतिथि प्राध्यापक डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय ने मुख्य अतिथि के रूप में इस विषय पर गहन प्रकाश डाला। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि भारत युवाओं का देश है और युवाओं के पास जोश है और बुजुर्गों के पास होश है। यदि युवा अपने जोश में बुजुर्गों के होश को मिला दें तो सफलता उनके चरण चूमेगी। अतः उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने युवाओं के प्रश्नों का समाधान करते हुए कहा कि मन को एकाग्र करने का एक अमोघ अस्त्र है-मन के पहले 'न' लगाएं, शब्द बनेगा नमन। नमन से मन का अहंकार दूर होगा और मन शांत होगा। मन के पीछे 'न' लगाएं शब्द बनेगा मनन। एकाग्र चित होकर अध्ययन और चिंतन करें। नमन+मनन=ज्ञान की प्राप्ति=जीवन में मनोवांछित फल की प्राप्ति यानि सफलता। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे समाज शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. कपिला खेमुंदु ने कहा कि यह हम सबके लिए गौरव का संदर्भ है कि डॉ. जेबी पाण्डेय हमारे छात्र-छात्राओं को सफलता के राज जैसे महत्वपूर्ण विषय पर मंत्र दे रहे हैं। इस अवसर पर ओड़िया विभाग के प्रो. गणेश प्रसाद साहु भी उपस्थित रहे।

संगोष्ठी का संचालन डॉ. नूपुर पट्टनायक ने किया, जबकि आगत अतिथियों का भव्य स्वागत डॉ. आदित्य मिश्र ने कया।

आंध्र प्रदेश में चार हाथियों को करंट लगा

पार्वतीपुरम, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पार्वतीपुरम एजेंसी जिले के भामिनी मंडल में गुरुवार को एक कृषि क्षेत्र में बिजली के ट्रांसफार्मर के संपर्क में आने से चार हाथियों की मौत हो गई। माना जाता है कि पचीडरम लगभग सात साल पहले जंगल से मैदानी क्षेत्र में प्रवेश कर गए थे और तब से उन्होंने अपना घर बना लिया। घटना के समय वे तिवावा पहाड़ी की ओर झुंड में जा रहे थे। इस बात की जानकारी होने पर आसपास के गांवों के लोग बड़ी संख्या में वहां पहुंचे और मृत हाथियों के सिर पर हल्दी, कुमकुम लगाया और पुष्पांजलि अर्पित की। मौके पर पहुंचे वन अधिकारियों ने भीड़ को नियंत्रित किया और यह पता लगाने के लिए घटना की जांच शुरू की कि यह दुर्घटना थी या मानव निर्मित। उन्हें लगता है कि हाथी ओडिशा की तरफ से आए होंगे।

ईडी ने अदालत से मांगी जेल में प्रश्नपत्र लीक के आरोपियों का बयान दर्ज करने की अनुमति

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने आज नामपल्ली की एक अदालत में एक याचिका दायर की और आग्रह किया कि उन्हें चंचलगुडा सेंट्रल जेल में सनसनीखेज टीएसपीएसपी प्रश्न पत्र लीक मामले में अभियुक्तों के बयान दर्ज करने की अनुमति दी जाए। ईडी ने अपनी याचिका में अदालत से कहा कि वह आरोपी रेणुका, डक्या नाइक, राजेश्वर नाइक, गोपाल नाइक और शमीम के बयान दर्ज करना चाहता है। इसने अदालत से आग्रह किया कि वह चंचलगुडा केंद्रीय जेल के अधीक्षक को जेल के अंदर अभियुक्तों के बयान दर्ज करने की अनुमति देने के लिए निर्देश जारी करे।

ईडी की याचिका के बाद कोर्ट ने आरोपियों को नोटिस जारी किया। मामले में आरोपितों के काउंटर जमा करने के बाद कोर्ट मामले में सुनवाई करेगी। ईडी के अधिकारियों ने मामले के दो मुख्य आरोपियों प्रवीण और राजशेखर रेड्डी के बयान पहले ही दर्ज कर लिए थे। इसने टीएसपीएससी के अध्यक्ष बी. जनार्दन रेड्डी, सचिव अनीता रामचंद्रन और सत्यनारायण और शंकर लक्ष्मी जैसे आयोग के अधिकारियों के बयान भी दर्ज किए हैं। ईडी के अधिकारियों ने इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है और अब मामले की जांच कर रहे हैं। मामले के तीन आरोपियों रेणुका, रमेश और प्रशांत रेड्डी को मामले में अब तक जमानत मिल चुकी है। मामले के अन्य आरोपियों प्रवीण, राजशेखर रेड्डी, दक्या नाइक, राजेश्वर नाइक, गोपाल नाइक, नीलेश नाइक और अन्य ने भी अपनी जमानत याचिकाएं दायर की हैं। एसआईटी के वकील द्वारा काउंटर दाखिल करने के बाद उनकी जमानत याचिकाओं पर सुनवाई होगी। एसआईटी इस मामले में अब तक 27 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

टीएस एमसेट : मोबाइल फोन के साथ परीक्षा हॉल में घुसते रंगे हाथों पकड़ा गया छात्र

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर एंड मेडिकल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीएस एमसेट) 2023 इंजीनियरिंग टेस्ट के दौरान अपने गुप्तांगों में मोबाइल फोन छिपाकर परीक्षा केंद्र में घुसने में कामयाब रहा एक छात्र शुक्रवार को यहां आयोजित हुआ। सुबह के सत्र की परीक्षा शुरू होने के कुछ ही मिनटों के भीतर, छात्र को मोबाइल फोन पर कंप्यूटर-स्क्रीन पर प्रदर्शित प्रश्नों के उत्तर खोजने की कोशिश करते हुए पाया गया। एक निरीक्षक ने छात्र को पकड़ लिया और कदाचार का मामला दर्ज किया गया। छात्र के रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद, उसने यह कहते हुए हॉल में हंगामा किया कि उसके माता-पिता उसे उसके कृत्य के लिए मार देंगे। हमने उसके माता-पिता को बुलाया और छात्र की काउंसलिंग की। एक अधिकारी ने कहा कि पुलिस को मामले के बारे में सूचित कर दिया गया है और छात्र को परीक्षा समाप्त होने के बाद वापस भेज दिया गया।

इस बीच, इंजीनियरिंग स्ट्रीम के लिए पंजीकरण कराने वाले 94 प्रतिशत से अधिक छात्रों ने शुक्रवार को तीन दिवसीय परीक्षा के पहले दिन परीक्षा दी। 137 परीक्षा केंद्रों में कुल 34,507 छात्रों को आवंटित किया गया था, जिनमें से 104 तेलंगाना में और 33आंध्र प्रदेशमें थे और 94.64 प्रतिशत सुबह के सत्र में परीक्षा में शामिल हुए। इसी तरह दोपहर के सत्र में 34,243 में से 94.80 फीसदी ने परीक्षा दी। शनिवार को कुल 69,017 और रविवार को 67,588 छात्रों के परीक्षा में शामिल होने की उम्मीद है।

जेएसपी केवल चंद्रबाबू के हितों की सेवा : पेर्नी नानी

ताडेपल्ली, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता पेर्नी नानी ने शुक्रवार को जन सेना पार्टी को 'टेंटहाउस पार्टी' करार दिया और आरोप लगाया कि इसके अध्यक्ष पवन कल्याण केवल तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू के लिए काम कर रहे हैं। एक मीडिया सम्मेलन में फिल्म अभिनेता के इस विचार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि राज्य में वाईएसआर कांग्रेस पार्टीको हराने के लिए मजबूत दलों के बीच चुनावी गठबंधन की आवश्यकता है, नानी ने याद किया कि जेएसपीअध्यक्ष अच्छी तरह से वाकिफ थे कि इसकी स्थापना के समय भी उनकी पार्टी में ताकत की कमी थी।

अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा एवं शालीबंडा महिला शाखा के चुनाव कल

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा एवं शालीबंडा महिला शाखा की वार्षिक साधारण सभा व द्विवार्षिक चुनाव दिनांक 14 मई रविवार को शाखा के परामर्शदाता नरेश बंसल के निवास शालीबंडा में प्रातः 11 बजे होंगे. उक्तआशय की सुचना मानद मंत्री राम किशन अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गयी है। सभा में अध्यक्षीय भाषण, मानद मंत्री द्वारा रिपोर्ट, कौषाध्यक्ष द्वारा आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद शाखा के द्विवार्षिक चुनाव चुनाव अधिकारी हरी किशन अग्रवाल द्वारा शाखा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मानद मंत्री, सहमंत्री ,कौषाध्यक्ष व केन्द्रिय समिति मे शाखा के प्रतिनिधीयों के लिए कराए जायेंगे। शाखा अध्यक्ष ने शाखा के सभी सदस्यो से शाखा की वार्षिक सदस्यता शुल्क जमा कराने की अपील की है। शाखा के सभी सदस्यों से निवेदन है की वे वार्षिक साधारण सभा में अवश्य पधारे।

सामाजिक कार्य में की गई सराहनीय सेवा के लिए बालाजी हिवरे का सम्मान करते हुए तेलंगाना जाट एकता मंच अध्यक्ष धर्माराम ढाका, श्री परशुराम सेवा मंडल अध्यक्ष नवरतन इंदौरिया। साथ में हैं वासुदेव व्यास, लोकेश इंदौरिया, राकेश कुमावत, नितेश पांडेय, सुदामा हिवरे, वसंत हिवरे व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

केवल हिंदू ही ...

अब हम हिंदू जागरण के दूसरे चरण के लिए काम कर रहे हैं। इसके लिए एक लाख केंद्र देशभर में बन रहे हैं, जिनमें एक करोड़ हिंदू जुड़ेंगे। हम हनुमान चालीसा के जरिए जुड़ेंगे। इन केंद्रों की मदद से गरीब हिंदू परिवारों को मुफ्त स्वास्थ्य, शिक्षा और कानूनी मदद दी जाएगी।

हम वॉशिंग मशीन नहीं हैं

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनाव में बजरंग दल के इस्तेमाल को लेकर किए गए प्रश्न पर तोगड़िया ने कहा कि हम वॉशिंग मशीन नहीं हैं, जिसका इस्तेमाल किया जा सके। हम हिंदुओं को जगाकर, सब पर दबाव बनाकर हिंदू हित के लिए काम करने वाले वीर हैं। हमारा उपयोग कोई भी राजनीतिक पार्टी नहीं कर सकती।

सुप्रीम कोर्ट में ...

जस्टिस माहेश्वरी एक सज्जन जज रहे हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि यहां तक कि खुद जस्टिस माहेश्वरी को याद नहीं होगा कि आखिरी बार उन्होंने कब गुस्सा किया था। जस्टिस माहेश्वरी की डिक्शनरी में गुस्सा शब्द है ही नहीं।

विरासत में मिली वकालत

जस्टिस माहेश्वरी के इस विदाई समारोह का आयोजन सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने किया था। रिटायरमेंट के साथ ही जस्टिस माहेश्वरी का सुप्रीम कोर्ट में चार साल का कार्यकाल समाप्त हो गया। 15 मई 1958 को राजस्थान के उदयपुर में जन्में जस्टिस माहेश्वरी 18 जनवरी 2019 को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त हुए थे। जस्टिस माहेश्वरी के दादा और पिता भी वकालत से जुड़े रहे हैं। राजस्थान यूनिवर्सिटी के महाराजा कॉलेज से 1977 में भौतिकी में बीएससी करने के बाद जस्टिस माहेश्वरी ने 1980 में जोधपुर यूनिवर्सिटी से एलएलबी की और 1981 में राजस्थान बार काउंसिल के सदस्य बन गए। जस्टिस माहेश्वरी 2 सितंबर 2004 को राजस्थान हाईकोर्ट के जज बने। इसके बाद 2014 में वह इलाहाबाद हाईकोर्ट में जज बने।

साल 2016 में जस्टिस माहेश्वरी मेघालय हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने। इसके बाद 2018 में कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनाए गए। 18 जनवरी 2019 को जस्टिस माहेश्वरी सुप्रीम कोर्ट में जज बने।

मुख्य न्यायाधीश ने लॉन्च किया ई-फाइलिंग 2.0

देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को ई-फाइलिंग 2.0 सेवा लॉन्च की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश ने वकीलों से कहा कि इस सेवा के शुरू होने के बाद अब इलेक्ट्रॉनिकली 24 घंटे याचिकाएं दायर की जा सकेंगी। मुख्य न्यायाधीश देश में ई कोर्ट बनाए जाने और ई-फाइलिंग के समर्थक रहे हैं। शुक्रवार को उन्होंने ई-सेवा केंद्र की भी शुरुआत की। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ई-फाइलिंग 2.0 सेवा सभी वकीलों के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। मुख्य न्यायाधीश ने सभी वकीलों से अपील की कि वह ई-फाइलिंग सेवा का इस्तेमाल करें। वहीं ई सेवा केंद्र के जरिए वकील ना सिर्फ ई-फाइलिंग सॉफ्टवेयर की मदद से केस दायर कर सकेंगे, साथ ही केस का स्टेट्स जानने के साथ ही अन्य सुविधाएं भी पा सकेंगे।

चहल बने टॉप विकेट टेकर; यशस्वी की फास्टेस्ट फिफ्टी

संजू ने चहल को लेजेंड बताया, कोहली बोले- यशस्वी की अब तक की बेस्ट पारी

IPL में सबसे ज्यादा विकेट

प्लेयर	मैच	विकेट	बेस्ट
युजवेंद्र चहल	143	187	5/40
ड्वेन ब्रावो	161	183	4/22
पीयूष चावला	176	174	4/17
अमित मिश्रा	160	172	5/17
रविचंद्रन अश्विन	196	171	4/34

कोलकाता, 12 मई (एजेंसियां)। आईपीएल के 16 वें सीजन में राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों ने अपने नाम दो दिकॉर्ड दर्ज कर लिए हैं। गुरुवार को कोलकाता के खिलाफ 4 विकेट लेकर युजवेंद्र चहल आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। वहीं राजस्थान के ओपनर यशस्वी जयसवाल 13 ही गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी कर आईपीएल में तेजी से फिफ्टी लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने चहल को लीजेंड बताया, तो टीम इंडिया के पूर्व कप्तान को कहली ने यशस्वी की पारी को अब तक की बेस्ट बैटिंग कहा।

चहल ने ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ा

चहल ने गुरुवार को ईडेन गाडेन में खेले गए मैच में केकेआर के वेंकटेश अय्यर, नीतीश राणा, रिंकू सिंह और शार्दूल ठाकुर का विकेट लिया। इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ दिया। चहल के 143 मैचों में 187 विकेट हो गए हैं। ब्रावो के 163 मैचों में 183 विकेट हैं। चहल ने 7.64 इकोनॉमी रेट से ये विकेट लिए हैं, जबकि ब्रावो 8.39 की इकोनॉमी से विकेट लिए हैं। सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में चहल और ब्रावो के बाद तीसरे नंबर पर पीयूष चावला हैं। चावला के 176 मैचों में 174 विकेट हैं। चौथे नंबर पर अमित मिश्रा हैं। उनके 160 मैचों में 172 विकेट हैं।

चहल इस सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने में भी टॉप पर पहुंचे

केकेआर के खिलाफ 4 सफलता मिलने के बाद चहल ने आईपीएल के 16वें सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने में टॉप पर पहुंच गए हैं। उनके 12 मैच में 7.91 की इकोनॉमी रेट से 21 विकेट हो गए हैं। उन्होंने मोहम्मद शमी को पीछे छोड़ दिया है। शमी के 11 मैचों 7.23 की इकोनॉमी रेट से 19 विकेट हैं।

संजू हुए चहल के मुरीद

राजस्थान को केकेआर के खिलाफ 4 विकेट लेकर राजस्थान को जीत दिलाने में अहम रोल निभाने वाले चहल की कप्तान संजू सैमसन ने तारीफ की और कहा 'चहल को लेजेंड का टैग देने का समय आ गया है। उन्हें टीम में पाकर मैं बहुत आभारी हूं। आपको उन्हें बिना कुछ कहे बस गेंद देने की जरूरत है। उन्होंने अपनी लेग स्पिन गेंदबाजी की बेहतरीन नमूना दिखाया है।

यशस्वी जायसवाल ने पैटकमिंस को पीछे छोड़ा

यशस्वी जायसवाल ने पैटकमिंस को पीछे छोड़ते हुए आईपीएल इतिहास में सबसे तेजी से हाफ सेंचुरी बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। जायसवाल ने केकेआर के खिलाफ मैच में 13 गेंद में फिफ्टी बनाने का कारनामा कर दिया। वहीं कमिंस ने पिछले आईपीएल में 14 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की। उनके साथ केएल राहुल भी 14 गेंदों में अर्धशतक जमा चुके हैं। राहुल ने 2018 में यह कारनामा किया था। जायसवाल ने इस मैच में 47 गेंदों पर नाबाद 98 रन की पारी खेली और अपनी पारी में 5 छक्के और 13 चौके जड़े।

इस सीजन में चार बार मैन ऑफ द मैच जीतने वाले बल्लेबाज

यशस्वी को शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और इस सीजन में वो चार बार ये खिताब जीतने वाले पहले बल्लेबाज बने। इस सीजन में यशस्वी इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ ये खिताब जीत चुके हैं। इस मैच में यशस्वी को पांच अवॉर्ड मिले और इस सीजन में ये दूसरा मौका रहा जब उन्हें किसी मैच में पांच खिताब मिले।

इस सीजन में एक पारी में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले भी बल्लेबाज

जायसवाल इस सीजन की एक पारी में सबसे ज्यादा चौके मारने वाले बल्लेबाज भी हैं। उन्होंने 30 अप्रैल को मुंबई के खिलाफ खेले मैच में 16 चौके और 8 छक्के जड़ा था। उन्होंने 124 रन की पारी खेली थी।

यशस्वी जायसवाल

98* रन | 47 बॉल | 13/5 4/6 | 208.51 स्ट्राइक रेट

धरना दे रहे बजरंग और विनेश टॉप्स में बरकरार

तीरंदाज अतानु दास, बॉक्सर शिवा थापा की वापसी

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीडन के आरोप लगाने वाले धरने पर बैठे पहलवान बजरंग और विनेश को एशियाई खेलों और ओलंपिक की तैयारियां कराने वाली टारगेट ओलपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) में बरकरार रखा गया है।

मिशन ओलंपिक सेल ने पिछले प्रदर्शन के आधार पर 27 नए खिलाडिय़ों को टॉप्स के कोर और डेवलपमेंटल ग्रुप में शामिल किया, जबकि कई खिलाडिय़ों को बाहर भी किया। एमओसी ने धरने पर बैठने के बावजूद इन दोनों खिलाडिय़ों को एशियाई खेलों में पदक का दावेदार माना है। वहीं एमओसी ने दो बार के ओलंपियन तीरंदाज अतानु दास और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता मुक्केबाज शिवा थापा को टॉप्स में वापस रखा है। उम्मीद लगाई जा रही थी कि लंबे समय से नहीं खेलने के कारण बजरंग और विनेश को टॉप्स से बाहर किया जा सकता है, लेकिन एमओसी ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया।

एमओसी ने टॉप्स के डेवलपमेंटल ग्रुप में बागपत के पिस्टल शूटर वरुण तोमर, बृहस्पतिवार को बाकू विश्वकप में सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा का स्वर्ण जीतने वाली टीएस दिव्या, एयरराइफल शूटर मेहुली घोष और तिलोत्मा सेन को शामिल किया गया है। वहीं, एमओसी ने हालिया प्रदर्शन के आधार पर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले मुक्केबाजों मनीष कौशिक, सिमरनजीत कौर, जमुना बोरो के अलावा एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता कविंदर बिष्ट को टॉप्स से बाहर कर दिया है।

टी-20 विश्व कप से रोहित-विराट की होगी छुट्टी

कैसी होगी नई टीम इंडिया और कौन होगा कप्तान?

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री अगले साल टी20 विश्व कप की भारतीय टीम में कई नए चेहरों की उम्मीद कर रहे हैं, जिसके चयन मामलों में कप्तान हार्दिक पंड्या की बातों को काफी तवज्जो दी जाएगी।

टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा के साथ स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अब भी टी20 टीम की योजना में बने हुए हैं लेकिन पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में हुए टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल से बाहर होने के बाद सीनियर खिलाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से बाहर करने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी।

शास्त्री ने 'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' से कहा, 'मुझे लगता है कि वे ऐसा (नए खिलाड़ियों को टीम में मौका) ही करेंगे।' इस पूर्व ऑलराउंडर खिलाड़ी ने कहा, 'टी 20 विश्व कप आ रहा है और युवाओं में बहुत प्रतिभा है। इस साल के आईपीएल में हमने कुछ बेहतरीन प्रतिभाएं देखी हैं। यह पूरी तरह नयी टीम नहीं होगी लेकिन इसमें कई नए चेहरे होंगे। वह (हार्दिक) पहले से ही इस प्रारूप में भारत के कप्तान हैं। अगर फिटनेस समस्या नहीं हुई तो वह टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे।'

शास्त्री को लगता है कि 2007 के विश्व कप की तरह आगामी टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों को मौका मिलेगा। उस समय महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में युवाओं से भरी भारतीय टीम ने विश्व कप का खिताब जीता था।' शास्त्री का मानना है, 'भारतीय टीम प्रबंधन फिर से 2007 टी20 विश्व कप के रास्ते पर चलेगा। वे प्रतिभा की पहचान करेंगे और उनके पास विकल्प की कोई कमी नहीं होगी। ऐसे खिलाड़ियों का भी विकल्प होगा जो आईपीएल टीमों की कप्तानी कर चुके होगे।' शास्त्री ने कहा कि हार्दिक के साथ अच्छी बात यह है कि उनके साथ कार्यभार प्रबंधन की समस्या नहीं है। पीठ के निचले हिस्से की सर्जरी के बाद से हार्दिक टेस्ट मैच नहीं खेल रहे है। शास्त्री ने कहा, 'फिलहाल हार्दिक के साथ कार्यभार प्रबंधन की कोई समस्या नहीं है। आईपीएल और एकदिवसीय विश्व कप के बीच भारतीय टीम चार-पांच (सीमित ओवरों के मैच) मुकाबले ही खेलेगी। वह टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं है। टेस्ट सीरीज के समय उसे विश्राम का मौका मिलेगा।'

जोस बटलर पर मैच फीस का 10% फाइन लगा

केकेआर के खिलाफ आईपीएल के नियमों का किया उल्लंघन; बाउंड्री रोप पर बैट मारा

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर पर मैच फीस का 10% जुर्माना लगाया गया है। बटलर ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत लेवल 1 के नियमों को तोड़ा है, इसलिए यह जुर्माना लगाया है।

इंडियन प्रीमियर लीग के 56वें मैच में आरआर ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 9 विकेट से हरा दिया। ईडन गार्डन स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी केकेआर ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 149 रन बनाए थे। जवाब में 13.1 ओवर में ही आरआर ने टारगेट हासिल कर लिया। 150 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी राजस्थान के यशस्वी जायसवाल ने पहले ही ओवर में 26 रन बना दिए। उन्होंने 13 गेंद में फिफ्टी पूरी कर 98 रन की नॉटआउट पारी खेली और टीम को 41 गेंद बाकी रहते जीत दिला दी।

बटलर ने गुस्से में अपने बैट से बाउंड्र पर लगे रोप पर मार दिया

मैच में जब आरआर की टीम केकेआर के दिए हुए टारगेट को चेज करने के लिए उतरी तब यशस्वी जायसवाल की एक गलत कॉल की वजह से बटलर कन्फ्यूज हो गए और आंद्रे रसेल की डायरेक्ट थ्रो पर रन आउट हो गए। आउट होने के बाद जब बटलर मैदान के बाहर जा रहे थे, तब उन्होंने गुस्से में अपने बैट से बाउंड्र पर लगे रोप पर मार दिया। जिस कारण आईपीएल द्वारा उनके ऊपर फाइन लगा दिया गया। बटलर को आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल के द्वारा नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि जोस बटलर ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत नियमों का उल्लंघन किया है। इस अनुच्छेद में खिलाड़ी को तब दोषी पाया जाता है जब उपकरण या कपड़े, ग्राउंड उपकरण का दुरुपयोग किया गया हो। बटलर ने इस सीजन में 12 मैचों में 392 बनाए हैं।

जोस बटलर का परफॉर्मेंस

12 मैच | 392 रन | 142.03 स्ट्राइक रेट | 100/50 : 0/4

मुंबई फ्रेंचाइजी आर्चर को देगी 10 करोड़ का सालाना कॉन्ट्रैक्ट

ऑफर एक्सेप्ट किया तो इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के लिए भी लगेगी परमिशन

MI के लिए जोफ्रा आर्चर

मैच 5 | विकेट 2 | इकोनॉमी 9.50 | बेस्ट 1/35

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस (एमआई) इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को सालाना कॉन्ट्रैक्ट ऑफर करने जा रही है। फ्रेंचाइजी आर्चर को 10 करोड़ से ज्यादा का ऑफर देने का प्लान बना रही है। जिसे एक्सेप्ट करने पर आर्चर को इंग्लैंड से इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के लिए भी फ्रेंचाइजी से परमिशन लेनी होगी।

डेली मैल की रिपोर्ट अनुसार, मुंबई जोफ्रा आर्चर को जल्द ही कॉन्ट्रैक्ट ऑफर करेगी। इस कॉन्ट्रैक्ट के तहत ऑफर एक्सेप्ट करने पर आर्चर पूरे साल दुनियाभर की लीग्स में एमआई फ्रेंचाइजी से ही खेलते नजर आएंगे।

इस आईपीएल में 5 ही मैच खेले आर्चर

जोफ्रा आर्चर कोहनी में इंजरी के चलते इस आईपीएल के बीच सीजन से ही बाहर हो चुके हैं। कोहनी की इंजरी के चलते वे टीम के लिए 11 में से 5 ही मैच खेल सके और अब सर्जरी कराने के लिए टूर्नामेंट छोड़ कर चले गए। उनकी जगह मुंबई ने क्रिस जॉर्डन को इस सीजन के लिए टीम में शामिल किया है। इन 5 मैचों में इंजरी ने आर्चर को खूब परेशान किया। वह इन मुकाबलों में 2 ही विकेट ले सके और उन्होंने 9.50 के इकोनॉमी रेट से रन भी लुटाए। हालांकि, मुंबई इंडियंस इस वक्त 11 मैचों में 6 जीत और 5 हार के बाद 12 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर है।

आर्चर ने नहीं दी कन्फर्मेशन

मुंबई से सालाना कॉन्ट्रैक्ट पर तेज गेंदबाज और फ्रेंचाइजी के बीच अब तक कोई बात नहीं हुई है। अगर कॉन्ट्रैक्ट हुआ तो ये 2024 तक रहेगा। 2025 में आईपीएल का मेगा ऑक्शन होगा, उस ऑक्शन से पहले ही आर्चर का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो जाएगा।

एशेज और वर्ल्ड कप के लिए छोड़ा आईपीएल

आर्चर इंग्लैंड से इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते हैं। आईपीएल के बाद जून में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में 5 टेस्ट और इतने ही वनडे भी खेलने हैं। एशेज के बाद अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की ओर ध्यान देते हुए उन्होंने आईपीएल बीच में छोड़ दिया। अगर सर्जरी से पहले पूरा टूर्नामेंट खेलते तो उन्हें इंटरनेशनल मैचों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता था।

8 करोड़ में खरीदा था आर्चर को

आर्चर 2018 में पहली बार राजस्थान टीम का हिस्सा बनकर आईपीएल में शामिल हुए थे। लेकिन 2022 के मेगा ऑक्शन में उन्हें मुंबई ने 8 करोड़ रुपए में खरीदा था। हालांकि इंजरी के चलते वे पिछले सीजन एक भी मैच नहीं खेल सके।

'एक मैच से कोई खराब गेंदबाज नहीं बनता'

नीतीश राणा के बचाव में उतरा ये खिलाड़ी

कोलकाता, 12 मई (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान पहला ओवर करने के कप्तान नीतीश राणा के फैसले का बचाव किया. केकेआर को केवल 149 रनों का बचाव करना था और ऐसे में राणा ने स्वयं पहला ओवर किया. यशस्वी जायसवाल ने इस ओवर में दो छक्कों और तीन चौकों की मदद से 26 रन बटोरे. रॉयल्स ने यह मैच आसानी से 9 विकेट से जीता.

वेंकटेश ने मैच के बाद कहा, 'बाएं हाथ का बल्लेबाज (जायसवाल) क्रीज पर था और वह (राणा) ऑफ स्पिनर है. ऐसे में मुझे नहीं लगता कि यह गलत फैसला था.' राणा का यह फैसला टीम पर भारी पड़ गया, लेकिन वेंकटेश ने कहा कि अगर उन्हें इस ओवर में विकेट मिल जाता तो परिदृश्य भिन्न होता. उन्होंने कहा, 'हम सभी जानते हैं कि वह गेंदबाजी करने में सक्षम है.

उन्होंने अपने करियर में कई बार महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए हैं. उनका यह फैसला हमारी टीम के पक्ष में नहीं रहा, लेकिन अगर उन्होंने (जायसवाल का) विकेट हासिल कर लिया होता तो यह कप्तान का 'मास्टरस्ट्रोक' होता. खेल में ऐसी चीजें होती रहती हैं.' वेंकटेश ने कहा, 'विकेट थोड़ा धीमा था और हम नई गेंद से स्पिनरों के जरिए इसका फायदा उठाना चाहते थे. ऐसा नहीं हो पाया. लेकिन राणा अविश्वसनीय गेंदबाज है. जब भी उसने किफायती गेंदबाजी की तब विकेट भी लिए. एक मैच से वह खराब गेंदबाज नहीं बन जाता.'

यूरो डर्बी में एसी मिलान पर भारी पड़ा इंटर

सेमीफाइनल के पहले चरण में 2-0 से हासिल की जीत

मिलान, 12 मई (एजेंसियां)। इटली के दो शीर्ष क्लब एसी मिलान और इंटर मिलान चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल के पहले चरण में आमने-सामने थे। इंटर ने सैन सिरो स्टेडियम में सात बार के लीग विजेता एसी मिलान को 2-0 से धराशाई कर दिया। मिलान के बड़े प्रशंसक टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच और 2003 में चैंपियंस लीग जीतने वाले टीम सदस्यों की स्टेडियम में मौजूदगी भी उनके खेल के स्तर को ऊंचा नहीं कर पाई।

तीन मिनट के अंतराल में किए दो गोल

अभी खेल शुरू हुए महज आठ मिनट ही हुए थे कि इंटर ने तीन मिनट के अंतराल में दो गोल कर एसी मिलान की रक्षापंक्ति की कमर तोड़ दी। पहले गोल आठवें मिनट में हाकान कालहोनोग्लू के बाएं छोर से दिए गए सेंटर क्रास को एडिन जेको ने जबरदस्त वॉली से गोल में भेज दिया।

तीन मिनट बाद ही फ्रेडरिको डिमारकोज के पास को मार्टिनेज ने जानबूझकर हेनरिक मखतारयान के लिए छोड़ दिया, जिन्होंने टीम के लिए दूसरा गोल कर दिया। थोड़ी देर बाद कालहोनोग्लू को तीसरा गोल करने का मौका मिला, लेकिन उनका प्रयास गोल से ठीक ऊपर निकल गया। दूसरे हाफ में इंटर को पेनाल्टी भी मिली, लेकिन रेफरी ने पिचसाइड मॉनीटर पर रीव्यू के बाद इसे खारिज कर दिया।

इंटर के कोच बोले इस तरह का खेल रखना चाहेंगे जारी

अंतिम बार चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में दोनों टीमें 20 साल पहले टकराई थीं, जिसमें गोल औसत के आधार पर एसी मिलान ने इंटर को परास्त कर फाइनल में जगह बनाई और जुवेंट्स को वहां हराकर सात में से छठा खिताब जीता। इसी खिताब को जीतने वाली टीम के सदस्य मिलान का हौसला बढ़ाने के लिए मैदान पर मौजूद थे। इंटर के कोच सिमोन इंजाघी ने कहा कि हम इसी तरह का खेल जारी रखना चाहेंगे। हम जानते हैं कि टीम सिर्फ उस सपने को पूरा करने से सिर्फ एक कदम दूर खड़ी है जो उसने बीते वर्ष अगस्त में देखना शुरू किया था। सेमीफाइनल का दूसरा चरण मंगलवार खेला जाएगा।

राज्य सरकार एक लाख डबल बेडरूम घर बनाएगी : तलसानी

मंत्री ने मुरलीधरबाग में 120 डबल बेडरूम हाउस का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के पशुपालन, मत्स्य पालन, छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा है कि मुख्यमंत्री केसीआर राज्य में गरीबों के लिए मुफ्त में एक लाख डबल बेडरूम घर बनाएंगे। शुक्रवार को गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के मुरलीधरबाग में मंत्री ने 10 करोड़ की लागत से बने 120 डबल बेडरूम वाले भवन परिसर का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में राज्य के गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली, एमएलसी एमएस प्रभाकर और गोशामहल विधायक राजासिंह, जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि तेलंगाना सरकार राज्य में मुफ्त में एक लाख डबल बेडरूम का घर बनाएगी ताकि गरीब लोग स्वाभिमान से जी सकें। उसी के तहत गोशामहल अंतर्गत मुरलीधर बाग में तीन प्रखंडों में 10 करोड़ की लागत से 120 आवासों का निर्माण किया गया है और लिफ्ट सुविधा के साथ आंतरिक सड़कें, नाली, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इन डबल बेडरूम घरों से गरीबों को काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा कि यहां बने डबल बेडरूम वाले मकान कॉरपोरेट स्तर पर सभी इंफ्रास्ट्रक्चर से तैयार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लॉटरी सिस्टम से हितग्राहियों को 120 आवास आवंटित किए गए हैं। इसमें एक विशाल हॉल, दो बाथरूम, किचन, बालकनी और दो बेडरूम हैं। डबल बेडरूम वाले मकान पूर्व में जियागुड़ा कट्टेला मंडी द्वारा बनवाए गए थे। घर बेचने वालों और खरीदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य सरकार गरीबों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है। गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने कहा कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद गरीबों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई हैं। उन्होंने कहा कि निर्बाध बिजली उपलब्ध कराकर उद्योग बिना बिजली अवकाश के चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को रैतु बंधु, रैतु बीमा, दलित बंधु, असरा पेंशन, मुफ्त पेयजल और किसानों को सर प्लस बिजली प्रदान की जाएगी। गोशामहल विधायक राजा सिंह ने कहा कि मुरलीधर बाग डबल बेड रूम के हितग्राही मोअज्जमजाही बाजार में व्यवसाय करते हैं और यहां दुकानें आवंटित कर आसानी से व्यवसाय कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना और तेलंगाना सरकार ने मिलकर गरीबों के लिए घर का सपना पूरा किया है। एमएलसी एम.एस. प्रभाकर ने कहा कि तेलंगाना सरकार गरीबों के लिए काम कर रही है। कार्यक्रम में गन फाउंड्री पार्षद बिस्वा सुरेखा, संयुक्त कलेक्टर वेंकटेश्वर, खैरताबाद अंचल आयुक्त रविकिरण, एसई सुरेश, विद्यासागर, ईई वेंकट राजू, पूर्व विधायक प्रेमसिंह राठौड़, नंदकिशोर व्यास बिलाल, आनंद गौड़, पूजा व्यास बिलाल सहित अन्य ने भाग लिया।

सरकार ने धरनी पोर्टल के नाम पर की अनियमितताएं : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज सत्तारूढ़ बीआरएस सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उसने धरनी पोर्टल के नाम पर अनियमितताएं की हैं, जिससे किसानों की समस्याएं कम होने के बजाय बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय अधिकारी धरणी पोर्टल से संबंधित समस्याओं को हल करने की स्थिति में नहीं हैं, जैसे वे पहले किया करते थे।

राज्य भाजपा मुख्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि धरणी पोर्टल से संबंधित लगभग 10 लाख समस्याएं राज्य सरकार और राज्य भर के अधिकारियों के पास लंबित हैं। उन्होंने कहा कि धरणी पोर्टल पर किसानों की पट्टादार पासबुक में की गई गलतियों को सुधारने के लिए कोई उचित मॉड्यूल नहीं है। सीएम के दावों का हवाला देते हुए कि कृषि भूमि का पंजीकरण कुछ ही मिनटों में हो जाएगा और धरणी पोर्टल की शुरुआत के बाद भ्रष्टाचार और अनियमितताएं समाप्त हो जाएंगी, रेड्डी ने सीएम को बताया कि इसके बाद भूमि संबंधी समस्याएं बढ़ गई हैं परिचय। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के अधिकारी भूस्वामियों की जमीनों का विवरण धरनी पोर्टल की प्रतिबंधित सूची में रखकर उन्हें परेशान कर रहे हैं और कहा कि पोर्टल में कोई भी बदलाव करने का अधिकार सीएम खेमे के अधिकारियों के पास है। कार्यालय प्रगति भवन ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अतीत में भूमि के मुद्दों को ग्राम स्तर पर हल किया जाता था।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार धरनी पोर्टल के नाम पर कई अनियमितताओं के बावजूद कोई कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार पोर्टल के नाम पर राजस्व व्यवस्था को कमजोर कर रही है और उन्होंने कहा कि सरकार और लावारिस जमीन की हजारों एकड़ जमीन पहले ही सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं और रियल एस्टेट क्षेत्र के कारोबारियों की बेनामी कंपनियों को सौंप दी गई है। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि धरणी पोर्टल विशेष रूप से सत्तारूढ़ दल के नेताओं के लिए पेश किया गया था न कि राज्य के लोगों के लिए। रेड्डी ने आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधि और रियल एस्टेट कारोबारी सरकारी जमीनों को प्लाटों में बांट कर बेच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि धरनी पोर्टल की समस्याओं का सामना कर रहे किसान, कृषि क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण लाभ-रायथु बंधु प्रोत्साहन योजना से वंचित हैं, जो कृषि भूमि के मालिकों को प्रति वर्ष 10,000 रुपये प्रति एकड़ प्रदान करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि अतिक्रमण की गई जमीनों की बिक्री दिन के समय की जा रही है और बेची गई जमीनें रात के समय प्रतिबंधित जमीनों की सूची में शामिल हैं। भूमि की समस्याओं का हवाला देकर किसानों की आत्महत्याओं पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने राज्य सरकार से इस तरह की आत्महत्याओं पर प्रतिक्रिया करने में विफलता के मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने कहा कि पेड्डापल्ले जिले के एक किसान ने शुक्रवार को अपनी धरनी संबंधित भूमि समस्या का समाधान नहीं होने का हवाला देकर आत्महत्या करने की कोशिश की। बीआरएस एमआईएम पार्टी के लिए दूसरी बेला के रूप में काम कर रही है। सत्तारूढ़ पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी अपनी सहयोगी एआईएमआईएम पार्टी के लिए दूसरी बेला के रूप में काम कर रही है।

हाल ही में हैदराबाद में दो आतंकवादी संदिग्धों की गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए, उन्होंने शहर की पुलिस से पूछा, जिसके पास देश की सबसे बड़ी कमांड कंट्रोल प्रणाली है, मध्य प्रदेश राज्य एटीएस के आने तक आतंकवादी संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखने में विफल रही? उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों को राज्य की राजधानी के पुराने शहर में स्वतंत्र रूप से काम करने की आजादी नहीं है और उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारियों पर भी हमले हुए।

राजा सिंह ने की मंत्री तलसानी की तारीफ, चर्चाओं का बाजार गर्म

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा से निलंबित विधायक राजा सिंह ने पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव की तारीफ करते हुए कहा कि मंत्री लोगों के विकास के लिए सराहनीय काम कर रहे हैं। राजा सिंह द्वारा मंत्री की प्रशंसा किए जाने के बाद राजनीतिक गलियारों का तापमान गरमा गया है। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के मुरलीधारा बाग में गृह मंत्री मोहम्मद अली के साथ मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने 120 डबल बेडरूम घरों का उद्घाटन किया और लाभार्थियों को घर सौंपे। इसी गोशामहल विधानसभा क्षेत्र का राजा सिंह प्रतिनिधित्व करते है। इस मौके पर विधायक राजा सिंह ने बैठक में मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव और महमूद अली के साथ मंच साझा किया। विधायक राजा सिंह ने कहा कि डबल बेड रूम के निर्माण में देरी होने के बावजूद अब गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में सभी पात्र लोगों को मकान मिल रहे हैं। राजा सिंह ने कहा, 'मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और अपने कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर रहे हैं। मुझे बहुत खुशी है कि सभी पात्र लाभार्थियों को डबल बेडरूम का घर दिया जा रहा है।' राजा सिंह के इस बयान को कई मायने निकाले जा रहे है। हलांकि उनके बयान से राजनीतिक माहौल गरमा गया है। विधायक के बयान को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है।

क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर जोन टीम के अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में वनस्थलीपुरम और सरूर नगर थाने की सीमा में एक साथ छापेमारी की और दो संगठित क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया। इस दौरान क्रिकेट में सट्टेबाजी करने वाले नीलापाला नरेश, अवनगंती अंजैया, शैलेंद्र अग्रवाल, उग्गी श्रीधर और कनुकु गणेश को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी व्यक्ति नीलपाल नरेश और अवनगंती अंजैया दोस्त हैं और क्रिकेट सट्टेबाजी के आदी हैं।

मुख्य सट्टेबाज सचिन दिलीप दलिया सेल फोन, व्हाट्सएप पर सीधे या परोक्ष रूप से पंटर्स से क्रिकेट सट्टेबाजी की राशि स्वीकार कर रहा है। वह पंटर्स को अपनी शेयर राशि एकत्र करके सट्टेबाजी अनुपात की निगरानी के लिए एक ऐप लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्रदान करता था।

दूसरे मामले में आरोपी मुख्य सट्टेबाज शैलेंद्र मौजूदा क्रिकेट मैचों में सट्टा लगाने का आदी है। वित्तीय समस्याओं के कारण केकेआर बनाम आरआर (आईपीएल-2023) के बीच चल रहे मैच के दौरान सट्टेबाजों से सट्टेबाजी की राशि एकत्र करने के लिए संग्रह एजेंट की स्थापना और अपने घर के परिसर में क्रिकेट सट्टेबाजी का आयोजन करके क्रिकेट सट्टेबाजी का आयोजन करके आसान पैसा हासिल करने की योजना बनाई। वह सेल फोन, व्हाट्सएप पर सीधे या परोक्ष रूप से पंटर्स से क्रिकेट सट्टेबाजी की राशि स्वीकार कर रहा था, जीतने वाले सट्टेबाज को गुप्त रूप से अनुपात कमीशन का भुगतान कर रहा था और अवैध रूप से आसानी से पैसा कमा रहा था।

चंद्रबाबू के सत्ता में आने पर कल्याणकारी योजनाएं खत्म हो सकती : जगन

नेल्लोर, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने लोगों को अगले चुनाव में तेलुगू देशम पार्टी के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू को वोट देने के खिलाफ चेतावनी दी है, क्योंकि नायडू गरीबों के लिए सभी कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर देंगे।

शुक्रवार को जिले के कावली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, किसानों को 'बिंदीदार भूमि' पर पूर्ण अधिकार प्रदान करने के लिए एक जनसभा को संबोधित करते हुए, जो न तो सरकार से संबंधित थी और न ही निजी मालिकों से, उन्होंने बताया कि कैसे वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार ने लाभ के लिए बिचौलियों से छुटकारा पाया और पिछले चार वर्षों में किसानों के कल्याण के लिए काम किया, जबकि चंद्रबाबू अपने शासन के दौरान किसानों को किसी भी तरह की मदद करने में विफल रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि अब चंद्रबाबू और पवन कल्याण किसान के दोस्त के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। चंद्रबाबू ने किसानों का 87,612 करोड़ रुपये का कर्ज माफ करने का वादा किया था, लेकिन उनके साथ धोखा किया। और जो दावा करते हैं कि वे किसी भी गलत पर सवाल उठाएंगे, उनसे कभी सवाल न करें। चुनाव नजदीक आते ही वे अब सड़कों पर उतर आए हैं। हमने डीबीटी के माध्यम से सीधे लोगों को 2.1 लाख करोड़ रुपये जमा किए हैं और पारदर्शी तरीके से भ्रष्टाचार के बिना लाभार्थियों तक कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार किया है। अगर चंद्रबाबू सत्ता में आते हैं, तो मुझे डर है कि सभी कल्याणकारी योजनाएं बंद हो जाएंगी। इसके लिए, वे केवल लोगों को लूटने में विश्वास करते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईएमडी ने अत्यधिक लू चलने की चेतावनी दी

अमरावती, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चक्रवात मोचा के कारण मध्यम से भारी बारिश के बाद,आंध्र प्रदेशके लोग 13 मई से राज्य के कुछ हिस्सों में 43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 42 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ अत्यधिक गर्मी की लहरें देखने जा रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में पारा चढ़ना शुरू हो गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) बुलेटिन का कहना है कि आने वाले दिनों में उत्तरी तट आंध्र प्रदेश, यनम और दक्षिण तट आंध्र प्रदेश में लू चलने की संभावना है। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट में कहा गया है कि श्री पोट्टी श्रीरामुलु नेल्लोर, पालनाडू, विजयनगरम, तिरुपति, पूर्वी गोदावरी, प्रकाशम, पूर्वी गोदावरी और कुरनूल जिलों में कुछ मंडल मई में दिन के तापमान को 42 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा देंगे।

एसएससी पास प्रतिशत में आसिफाबाद और मंचेरियल में गिरावट

आदिलाबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक निराशाजनक प्रवृत्ति में, कुमराम भीम आसिफाबाद जिला, जिसने इंटरमीडिएट सार्वजनिक परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए जाने पर दूसरा स्थान प्राप्त किया था, बुधवार को एसएससी परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए जाने पर सबसे नीचे रहा। कुमराम भीम आसिफाबाद जिला पिछले वर्ष 79.99 प्रतिशत के मुकाबले इस वर्ष 76.36 प्रतिशत उत्तीर्ण कर तेलंगाना में 30वें स्थान पर रहा। परीक्षा में बैठने वाले कुल 6,628 छात्रों में से कुल 5,061 छात्र सभी विषयों में उत्तीर्ण हुए। गौरतलब है कि जिले के किसी भी छात्र ने 10 ग्रेड पाइंट एवरेज (जीपीए) हासिल नहीं किया। तेलंगानास्टेट मॉडल स्कूल-आसिफाबाद के एक छात्र और महात्मा ज्योतिबा फुले स्कूल-गन्नाराम के एक अन्य छात्र ने 9.8 स्कोर किया। सिर्फ पांच स्कूलों-दो कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों और तीन आदिवासी कल्याण स्कूलों ने 100 प्रतिशत पास दर्ज किया। आश्रम या जनजातीय कल्याण स्कूलों में 75.65 का उत्तीर्ण प्रतिशत देखा गया। जिला शिक्षा अधिकारी पी अशोक ने कहा कि 10वीं कक्षा के परिणाम और जिले के प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए जल्द ही एक बैठक आयोजित की जाएगी। परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने वालों के लिए विशेष कक्षाएं ली जाएंगी। छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार के लिए एक कार्य योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि निगरानी बढ़ाई जाएगी और शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। मनचेरियल और आदिलाबाद जिले भी दसवीं कक्षा के परिणामों में औसत प्रदर्शन के साथ आए। मनचेरियल जिला 84.87 पास प्रतिशत के साथ 23वें स्थान पर रहा। बोर्ड परीक्षाओं के लिए 10,076 छात्र उपस्थित हुए, जिनमें से 8,552 ने सभी विषयों को पास किया।

तिरुमला आनंद निलयम वीडियो मामला करीमनगर से संदिग्ध गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला श्रीवारी आनंद निलयम की वीडियो रिकॉर्डिंग के सिलसिले में एक व्यक्ति को पुलिस हिरासत में लिया गया है। माना जाता है कि संदिग्ध की पहचान करीमनगर जिले के राहुल रेड्डी के रूप में हुई है, माना जाता है कि जानबूझकर अपने मोबाइल फोन का उपयोग करके मंदिर के अंदर फिल्माया गया था। इस घटना ने सवाल खड़ा कर दिया है कि वह मंदिर के सुरक्षा उपायों के पास अपना फोन कैसे ला पाया। टीटीडी के ईओ धर्म रेड्डी ने घोषणा की है कि सुरक्षा चूक को दूर करने के लिए एक जांच की जाएगी और जिम्मेदार लोगों को अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। वीडियो, जिसे इस महीने की 8 तारीख को सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था, ने टीटीडी सुरक्षा कर्मियों द्वारा गहन जांच को प्रेरित किया है।

फर्जी वेबसाइटों के झांसे में न आएं श्रद्धालु : एवी धर्मा रेड्डी

तिरुमाला, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ एवी धर्मा रेड्डी ने शुक्रवार को डायल योर ईओ, लाइव फोन-इन कार्यक्रम के माध्यम से भक्तों से दर्शन, आवास और दान सेवाओं की बुकिंग के लिए फर्जी वेबसाइटों के बहकावे में न आने की अपील की है। ईओ ने तिरुमाला में अन्नामैयाह भवन में आयोजित कार्यक्रम में देश भर के 31 तीर्थयात्रियों को शामिल किया। तीर्थयात्रियों के फोन कॉल लेने से पहले, उन्होंने वैश्विक श्रद्धालुओं की जानकारी के लिए महत्वपूर्ण विकास गतिविधियों और आगामी धार्मिक आयोजनों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भक्तों को केवल टीटीडी की आधिकारिक व ेबसाइट tirupatibalaji.ap.gov.in के माध्यम से अपने दर्शन या आवास या दान की बुकिंग करनी होगी। यदि वे किसी धोखाधड़ी वाली वेबसाइट पर आते हैं, तो कॉल सेंटर को 155257 पर सूचित करें।

इसी क्रम में उन्होंने कहा कि हनुमान जयंती उत्सव 14 से 18 मई तक तिरुमाला में पांच दिनों के लिए आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक दिन धार्मिक प्रवचन होंगे, जो तुनी तपोवनम श्री सच्चिदानंद स्वामी के साथ शुरू होंगे। इसके बाद कुर्तलम के श्री सिद्धेश्वरानंद भारती स्वामी, कांची के श्री विजयेंद्र सरस्वती स्वामी, श्री अहोबिलम के महादेशिकन स्वामी और पुष्पगिरि पीठाधिपति श्री विद्या शंकर भारती इस शुभ अवसर पर अनुग्रह भाषणम प्रस्तुत करेंगे। 21 जुलाई को शुरू हुआ बालकांड परायणम 15 मई को समाप्त होगा। 16 मई को धर्मगिरि में संपूर्ण अखंड सुंदरकांड परायणम और 17 मई से अयोध्याकांड नाडा नीरजनम मंच पर शुरू होगा। एटीसी, केकेसी मुख्य और अन्नप्रसादम कॉम्प्लेक्स में तिरुमाला में फुटवियर-कीपिंग सेंटर शुरू हुए है। वैकुंठम, नारायणगिरि, रामभगीचा, पीएसी आदि में कुछ और आने हैं। सीतामपेटा में एजेंसी क्षेत्र में निर्मित श्रीवारी मंदिर महा संप्रोक्षणम के बाद खोला गया और रामपचोडवरम में एक 22 मई को महा संप्रोक्षणम के लिए तैयार है। इसी तरह जम्मू में श्रीवारी मंदिर 8 जून से भक्तों के दर्शन के लिए खुला रहेगा। निकट भविष्य में मुंबई, रायपुर, अहमदाबाद में और मंदिर आ रहे हैं। श्री कपालेश्वर स्वामी मंदिर में श्री लक्ष्मी नारायण के प्राचीन मंदिर का महा संस्कारम 14 मई को मनाया जाएगा। सिंघानिया समूह ने तिरुमाला में टीटीडी द्वारा संचालित एसवी हाई स्कूल को गोद लिया है और शिक्षा मानकों की गुणवत्ता में सुधार किया है। कुछ और टीटीडी स्कूल भी पाइपलाइन में हैं। सभी टीटीडी संस्थानों ने हमारे जेईओ, डीईओ और सभी प्रिंसिपलों और फैकल्टी को उनके प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित एनएएसी ए+ प्रमाणन और यश प्राप्त किया है। टीटीडी द्वारा शुरू किया गया सुंदर तिरुमाला-सुधा तिरुमाला सामूहिक सफाई कार्यक्रम, जब 1600 सफाई कर्मचारी बिजली की हड़ताल पर चले गए थे, इस बात का उदाहरण दिया था कि संकट की स्थिति में या संकट की अवधि के दौरान कैसे हाथ मिलाना और काम करना है। प्रतिदिन लगभग 500 कर्मचारियों ने श्रीवारी सेवकों के साथ स्वेच्छा से सामूहिक सफाई कार्यक्रम में समर्पण के साथ भाग लिया। प्रेरणा से, 13 मई को टीटीडी, जिला प्रशासन, पुलिस, टीएमसी के कर्मचारियों को शामिल करते हुए प्लास्टिक मुक्त तिरुमाला मिशन को बड़े पैमाने पर चलाया जाएगा, जिसमें घाट और फुटपाथ दोनों को सामूहिक सफाई में लगाया जाएगा। इस अवसर पर जेईओ सदा भार्गवी, वीरब्रह्मम, सीवीएसओ नरसिम्हा किशोर, सीईओ एसवीबीसी शनमुख कुमार, सीई नागेश्वर राव, एसई 2 जगदीश्वर रेड्डी और अन्य एचओडी भी मौजूद हैं।

एचसी ने बैठकों पर अंकुश लगाने के सरकारी आदेश को रद्द किया

अमरावती, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को राज्य में सड़कों पर जनसभाओं पर अंकुश लगाने के राज्य सरकार के एक आदेश को रद्द कर दिया। विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं द्वारा दायर याचिकाओं के एक बैच पर सुनवाई करते हुए, उच्च न्यायालय ने आदेश को रद्द कर दिया। यह देखा गया कि सरकारी आदेश मौलिक अधिकारों के लिए हानिकारक हो सकता है। प्रधान न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति डीवीएस सोमयाजुलु की खंडपीठ ने 24 जनवरी को आदेश सुरक्षित रख लिया था और शुक्रवार को फैसला सुनाया। 2 जनवरी 2023 को शासनादेश (जीओ) नंबर एक जारी कर जन सुरक्षा का हवाला देते हुए सड़कों और सड़कों के किनारे जनसभाओं पर रोक लगा दी गई थी। सीपीआई के राज्य सचिव रामकृष्ण ने जीओ को चुनौती देते हुए एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार ने विपक्ष की आवाज दबाने के लिए जीओ जारी किया। उन्होंने तर्क दिया कि ब्रिटिश शासन के दौरान भी इस प्रकार के प्रतिबंध नहीं लगाए गए थे। उच्च न्यायालय ने 12 जनवरी को एक अंतरिम आदेश जारी कर 23 जनवरी तक जीओ को निलंबित कर दिया था। यह पाया गया कि जीओ प्रथम दृष्टया पुलिस अधिनियम की धारा 30 का उल्लंघन है। हालाँकि, राज्य सरकार ने अवकाश पीठ द्वारा पारित स्थगन आदेश को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया था।

इसने तर्क दिया कि अवकाश पीठ सुनवाई के लिए जनहित याचिका नहीं ले सकती है। सरकार ने स्पष्ट किया कि जीओ किसी भी सार्वजनिक सभा को प्रतिबंधित नहीं करता है, लेकिन हाल ही में हुई भगदड़ की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए पूर्व अनुमति को अनिवार्य बनाकर केवल ऐसी बैठकों को नियंत्रित करता है। सुप्रीम कोर्ट ने 24 अप्रैल को आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच को जीओ से जुड़ी सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया था. भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने सुझाव दिया था कि उच्च न्यायालय जल्द से जल्द अंतिम फैसला सुनाए।

पूर्व मंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के पोलित ब्यूरो सदस्य कोल्लू रवींद्र, आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जी. वीरा वेंकट रुद्राजू, पूर्व मंत्री कन्ना लक्ष्मीनारायण, एआईएसएफ के महासचिव शिवा रेड्डी, एआईवाईएफ के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र बाबू और अन्य ने भी उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने जीओ को चुनौती दी है। 28 दिसंबर, 2022 को नेल्लोर जिले के कंदुकुर में टीडीपी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के रोड शो के दौरान मची भगदड़ के मद्देनजर शासनादेश जारी किया गया था। इस घटना में दो महिलाओं सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी। निर्देश पुलिस अधिनियम, 1861 के तहत जारी किए गए थे, जो सार्वजनिक सड़कों और सार्वजनिक सड़कों पर सभा और जुलूसों के संचालन को नियंत्रित करता है। सरकार ने संबंधित अधिकारियों से पुलिस अधिनियम, 1861 की धारा 30 के तहत सार्वजनिक सड़कों और गलियों में जनसभाओं के आयोजन के लिए किसी भी आवेदन पर विचार करते समय, कंदुकुर घटना की पुनरावृत्ति की संभावना को ध्यान में रखने को कहा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.